WWW.NAVPRADESH.COM

दैनिक नव प्रदेश

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर... 2 | विशेष 4 | अभिव्यक्ति 6 | अभिव्यक्ति 11 | विशेष

बिलासपुर, रविवार, 2 नवंबर 2025 शुक्ल पक्ष- द्वादशी, विक्रम संवत -2082 / वर्ष-11 अंक- 195 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

पीएम मोदी ने किया राज्योत्सव का शुभारंभ

अगले 25 साल के नए युग का हो रहा सूर्योदय

विकास की ऊंचाइयों को छुएगा छत्तीसगढ़, माओवाद मुक्त होगा हिंदुस्तान का हर कोना

नवप्रदेश ब्यूरो

नवारायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के 25वें स्थापना दिवस पर छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव का शुभारंभ किया। इस मौके पर प्रदेशवासियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज छत्तीसगढ़ राज्य अपने गठन के 25 साल पूरा कर लिया है।हमारा छत्तीसगढ़ नक्सलवाद और माओवाद से मुक्त हो रहा है। मैं देशवासियों को गारंटी देता हूं कि वह दिन दूर नहीं जब हमारा छत्तीसगढ़, हमारा हिंदुस्तान का हर कोना माओवादी आतंक से पूरी तरह से मुक्त हो जाएगा। उन्होंने कहा, आज अगले 25 साल के नए युग का सूर्योदय हो रहा है।

पहले डॉक्टरों और टीचरों को बम से उड़ा दिया जाता था

पीएम मोदी ने कहा, नक्सलवाद की वजह से अपने 50-55 साल तक जो कुछ झेला वो पीड़ादायक है। कुछ लोग संविधान की किताब का दिखावा करते हैं। सामाजिक न्याय के नाम पर घड़ियाली आंसू बहाते हैं। उन्होंने दशकों तक आप लोगों के साथ अन्याय किया है। मोदी ने कहा कि नक्सलियों के कारण सड़कों से आदिवासी वंचित रहे। बच्चों को स्कूल नहीं मिले। बीमारों को अस्पताल नहीं मिले। लोगों को बम से उड़ा देते थे। डॉक्टरों और टीचरों को बम से उड़ा दिया जाता था। मोदी ने कहा कि दशकों तक देश में शासन करने वाले आप लोगों को आपके हाल पर छोड़कर, एयर कंडीशन कमरों पर बैठकर अपने जीवन का आनंद लेते थे। मोदी अपने आदिवासी भाई बहनों को हिंसा के खेल में बर्बाद होने के लिए नहीं छोड़ सकता।

जहां बिजली नहीं आती थी, वहां आज इंटरनेट तक पहुंचा: मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोगों का जीवन आसान बने। आपकी जीवन से मुश्किलें कम हो, इसके लिए सरकार काम कर रही है। जहां बिजली नहीं ■ शेष पृष्ठ 6 पर

25 साल पहले रोपा बीज आज वृक्ष बन गया

मोदी ने कहा, साथियों 25 साल पहले अटल जी की सरकार ने छत्तीसगढ़ को आपको सौंपा था। यह भी संकल्प लिया गया कि छत्तीसगढ़ विकास की ऊंचाइयों को छुएगा। छत्तीसगढ़ के आप सभी भाइयों-बहनों ने मिलकर अनेक उपलब्धियां हासिल की है। जो बीज 25 साल पहले बोया गया था आज यह विकास का वृक्ष बन गया है। आज छत्तीसगढ़ को लोकतंत्र का नया मंदिर, नया विधानसभा मिला है।

छत्तीसगढ़ में युवाओं की एक पूरी पीढ़ी है

पीएम मोदी ने कहा कि यहां आने से पहले मुझे एक जनजातीय संग्रहालय को देने का अवसर मिला। 14 हजार करोड़ रुपए की योजना का शिलान्यास और उद्घाटन किया गया तो आपको बधाई। साथियों, साल 2000 के बाद यहां एक पूरी पीढ़ी बदल गई है। यहां युवाओं की एक पूरी पीढ़ी है।

40 हजार किलोमीटर तक सड़कों का पहुंचा नेटवर्क

पीएम मोदी ने कहा कि जब छत्तीसगढ़ बना था तब गांवों तक पहुंचना मुश्किल था। गांवों में सड़कें नहीं थी। आज 40 हजार किलोमीटर तक सड़कों का नेटवर्क पहुंच चुका है। 11 साल में छत्तीसगढ़ में नेशनल हाईवे का विस्तार हुआ है। नए-नए एक्सप्रेस-वे बन रहे हैं। मोदी ने कहा कि रायपुर से बिलासपुर पहुंचने में पहले बहुत समय लगते थे। अब यह समय कम हो गया है। छत्तीसगढ़ कभी सिर्फ कच्चे माल के लिए जाना जाता था। आज इंडस्ट्रियल के लिए भी जाना जाता है। यहां के विकास के लिए डॉक्टर रमन सिंह को श्रेय जाता है।

तेज गति से छग को विकास की ओर ले जा रही साय सरकार

पीएम मोदी ने कहा कि रमन सिंह आज विधानसभा अध्यक्ष के तौर पर अपना मार्गदर्शन दे रहे हैं। साय सरकार तेज गति से छग को विकास की ओर ले जा रही है। आज मैं बहुत-बहुत पुराने चेहरे देख रहा था। आप भी मुझे जानते हैं। साथियों मैंने गरीबी को बहुत करीब से देखा है। मैं जानता हूं कि गरीब की चिंता और बेबसी क्या होती है। उन्होंने कहा कि जब राज्य के सामने अनेक चुनौतियां थी। मुझे खुशी है कि आज वह विधानसभा के अध्यक्ष के तौर पर अपना मार्गदर्शन दे रहे हैं। विष्णुदेव साय की सरकार छत्तीसगढ़ के विकास को तेज गति से आगे ले जा रही है।

देश की एक बड़ी आदिवासी आबादी छत्तीसगढ़ में : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश की एक बड़ी आदिवासी आबादी छत्तीसगढ़ में रहती है। आदिवासी समाज का गौरवशाली इतिहास है। उनका योगदान भारत के लिए रहा है। देश को उनके योगदान को जानना चाहिए, इसलिए हम काम कर रहे हैं। आज देश को शहीद वीरनारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय मिल गया। मोदी ने कहा कि इसमें आजादी से पहले 150 साल से ज्यादा समय तक आदिवासी समाज के संघर्ष के इतिहास को दर्शाया गया है। हमारे आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों ने कैसे आजादी की लड़ाई लड़ी। यह संग्रहालय भावी पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा।

पीएम ने की विधानसभा अध्यक्ष की तारीफ

लोकतंत्र को सशक्त बनाने का जीता-जागता उदाहरण हैं डॉ. रमन सिंह

छत्तीसगढ़ की नई विधानसभा भवन के भव्य उद्घाटन समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे इस बात का जीवंत उदाहरण हैं कि एक सच्चा कार्यकर्ता अपने परिश्रम और समर्पण से लोकतांत्रिक व्यवस्था को कितनी मजबूती दे सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, रमन सिंह इस बात का बहुत बड़ा उदाहरण हैं कि एक कार्यकर्ता अपने परिश्रम और समर्पण भाव से लोकतांत्रिक व्यवस्था को कितना सशक्त बना सकता है। मोदी ने हल्के-फुल्के अंदाज़ में क्रिकेट का उदाहरण देते हुए कहा, क्रिकेट में हम देखते हैं कि जो कभी कप्तान होते हैं, वे टीम में खिलाड़ी बनकर भी खेलते हैं, लेकिन राजनीति में ऐसा कम होता है। ये उदाहरण डॉ. रमन सिंह को दे सकते है कि जो कभी कैप्टन हुआ करते थे वो आज छत्तीसगढ़ की सेवा के लिए कार्यकर्ता की तरह समर्पित होकर कार्य कर रहे है। वो हर कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा हैं।

पीएम मोदी के हाथों विधानसभा के नए भवन का लोकार्पण होना राज्य और देश के लिए गर्व का क्षण: सीएम

नवा रायपुर /नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज छत्तीसगढ़ की नए विधानसभा भवन का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय गान के साथ हुई, जिसके बाद राज्यगीत अरपा-पैरी के धार की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों से लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों विधानसभा के नए भवन का लोकार्पण होना राज्य और देश के लिए गर्व का क्षण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री देश को सर्वोच्च स्थान तक पहुंचाने के प्रयास में लगे हुए हैं और उनके नेतृत्व में देश स्वर्णिम विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे देश का मान और गौरव बढ़ा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई को भी याद किया। उन्होंने कहा कि वाजपेई जी ने छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना की थी जबकि वर्तमान सरकार इसे और अधिक संवारने और विकसित करने का कार्य कर रही है।

गारंटी देता हूं हिंदुस्तान का हर कोना माओवाद मुक्त होगा

मोदी ने कहा कि मैं देशवासियों को गारंटी देता हूं कि वह दिन दूर नहीं जब हमारा छत्तीसगढ़, हमारा हिंदुस्तान का हर कोना माओवादी आतंक से पूरी तरह से मुक्त हो जाएगा। उन्होंने कहा, यहां छत्तीसगढ़ के जो साथी हिंसा के रास्ते पर निकल पड़े थे, वह तेजी से हथियार डाल रहे हैं। कुछ दिन पहले कांकेर में 20 से अधिक नक्सली मुख्य धारा में लौट आए हैं। इससे पहले 17 अक्टूबर को बस्तर में 200 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। बीते कुछ महीनों में ही देशभर में माओवादी आतंक से जुड़े दर्जनों लोगों ने हथियार डाल दिए हैं। इनमें से बहुत लोगों पर लाखों करोड़ों रुपए का इनाम हुआ करता था।

हमारी सरकार आदिवासी विरासत की रक्षा कर रही

पीएम मोदी ने कहा कि साथियों, एक तरफ हमारी सरकार आदिवासी विरासत की रक्षा कर रही है। वहीं आदिवासियों के विकास और कल्याण पर भी जोर दिया जा रहा है। आदिवासी ग्राम उत्कर्ष अभियान देश के हजारों आदिवासी गांवों में विकास की नई रोशनी ला रहा है। मोदी ने कहा कि आजाद भारत में आदिवासी इलाकों में 80 हजार करोड़ रुपए के पैमाने पर कभी काम नहीं हुआ। सबसे पिछड़ी जनजातियों के विकास की राष्ट्रीय योजना पीएम जन मन योजना के तहत पहली बार पिछड़ी जनजातियों की हजारों बस्तियों में विकास कार्य किए जा रहे हैं।

25 साल का कालखंड पूरा

पीएम मोदी ने कहा, छत्तीसगढ़ के 25 साल सफर का साक्षी रहा हूं। 25 साल का एक काल खंड पूरा हुआ है। आज अगले 25 साल के नए युग का सूर्योदय हो रहा है। मेरा एक काम करेंगे आप लोग, सब लोग बताइए। अपना फोन निकालिए और फ्लैश जलाइए। ये अगले 25 साल के सूर्योदय का उदय हो गया है। आपकी हथेली में नए सपनों का सूरज उग गया है। मोदी ने कहा कि नई रोशनी नजर आ रही है। यही रोशनी आपके भाग्य का निर्माण करने वाली है।

माता-बहनों को बच्चों के लिए रोते बिलखते नहीं छोड़ सकता : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं लाखों माता-बहनों को अपने बच्चों के लिए रोते बिलखते नहीं छोड़ सकता। जब आपने हमें अवसर दिया तो हमने भारत को माओवादी आतंक ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आज बेबाक

बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान आखिरकार उसका पुराना रक्तचरित्र सामने आ ही गया। मोकामा विधानसभा सीट पर चुनाव प्रचार के दौरान बाहुबली नेताओं के पंटरों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। जिसमें जनसुराज पार्टी के एक समर्थक की मौत हो गई। इस सीट पर बाहुबलियों का दबदबा रहा है। ऐसे में वहां हिंसा की आशंका थी जो अंततः सही साबित हुई। बिहार में और भी दर्जनों सीटें है जहां आपराधिक छवि वाले नेताओं को विभिन्न पार्टियों ने चुनाव मैदान में उतारा है। वहां भी ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति हो तो कोई ताज्जुब नहीं होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने की बच्चों के साथ की 'दिल की बात', दिखा अलग स्नेह

छत्तीसगढ़ दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नवा रायपुर अटल नगर स्थित श्रीसत्य साईं संजीवनी अस्पताल में आयोजित समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान, उन्होंने 'दिल की बातÓ कार्यक्रम के तहत दिल की बीमारी से जूझने वाले और सफल इलाज करा चुके बच्चों से मुलाकात की। कार्यक्रम में पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भगवान श्री सत्य साईं बाबा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद, उन्होंने हृदय रोग से स्वस्थ हुए बच्चों को प्रमाण पत्र प्रदान किया और 'दिल की बातÓ कार्यक्रम के दौरान उनसे संवाद किया। अब तक अस्पताल में 2500 बच्चों का सफल इलाज हो चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के दौरान बच्चों में खासा उत्साह दिखाई दिया। पीएम मोदी भी प्रसन्न थे और बच्चों के साथ उनका एक अलग स्नेह नजर आया। इसके कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवा रायपुर में ब्रह्माकुमारी के 'शांति शिखरÓ का उद्घाटन किया, जो आध्यात्मिक शिक्षा, शांति और ध्यान का एक आधुनिक केंद्र

है। उन्होंने कहा कि आज का दिन बहुत विशेष है। आज हमारा छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना के 25 साल पूरे कर रहा है। छत्तीसगढ़ के साथ ही झारखंड और उत्तराखंड के भी 25 वर्ष पूरे हुए हैं। आज देश के और भी कई राज्य अपना स्थापना दिवस मना रहे हैं। मैं इन सभी राज्यों के निवासियों को स्थापना दिवस की बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

अपने उद्घाटन भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य के विकास से देश का विकास के मंत्र पर चलते हुए हम भारत को विकसित बनाने के अभियान में जुटे हैं। विकसित भारत की इस अहम यात्रा में ब्रह्माकुमारी ■ शेष पृष्ठ 6 पर

एकादशी पर वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगदड़ , 10 श्रद्धालुओं की मौत

अमरावती(वार्ता)। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगदड़ मच गई, जिसमें 10 श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई घायल हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर भगदड़ से जुड़े डरा देने वाले वीडियो सामने आए हैं।

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार (01 नवंबर) को एकादशी पर भारी भक्तों की भीड़ के कारण भगदड़ मच गई, जिसमें दस श्रद्धालुओं जान चली गई, जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। हादसे में मृतकों की संख्या बढने की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है, जिनका

भगदड़ के बाद भयावह वीडियो आए सामने

इस बीच मंदिर के अंदर से कई भयावह वीडियो सामने आई, जिसमें भगदड़ में बेहोश हुए लोगों को सीपीआर देने के लिए श्रद्धालु दौड़ते देखे गए। भगदड़ के वीडियो में लोग भीड़ में बेहोश हुए लोगों की मदद के लिए दौड़ते हुए दिखाई दिए। कुछ वीडियो में लोग एक-दूसरे को भीड़ से निकालकर उनकी मदद करते भी देखे गए।

सोशल मीडिया पर भगदड़ के बाद कई विचलित करने वाले दृश्य सामने आए हैं, जिनको यहां दिखाना मुमकिन नहीं है। वीडिय में लोग एक संकरे रास्ते की पटरियों पर फंसे हुए और भगदड़ से बचने की कोशिश करते हुए दिखाई दे रहे थे। भगदड़ के दौरान कई महिलाएं पूजा की टोकरियां लिए मदद के लिए चीखती-चिल्लाती दिखाई दीं।

विश्व पर्यटन के मानचित्र पर छत्तीसगढ़ की नई पहचान

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय, प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

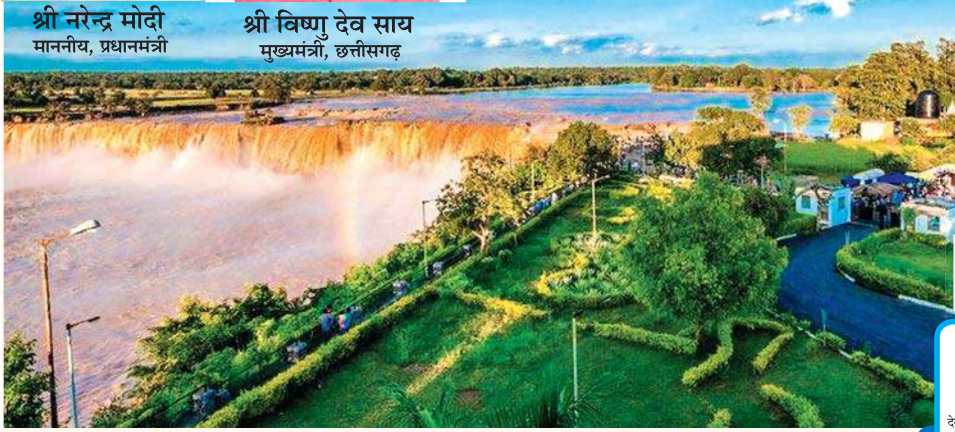

श्री राजेश अग्रवाल
मंत्री-पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन की सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्थलों की सूची में शामिल है धुड़मारास

राजधानी से लगभग 350 किलोमीटर दूर बस्तर की प्राकृतिकवादियों में बसा धुड़मारास दुनियाभर के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। दरभा विकासखंड के कांगेर घाटी नेशनल पार्क में स्थित यह गांव रहस्य और रोमांच का केंद्र बन गया है। पर्यटक यहां के साहसिक खेलों के लिए आकर्षित हो रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन ने धुड़मारास गांव को पिछले वर्ष नवंबर में सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव के उन्नयन कार्यक्रम के लिए चयनित किया था। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर अब यह गांव सौर ऊर्जा से जगमगा रहा है। पेयजल समेत सभी बुनियादी सुविधाओं का विकास यहां किया जा रहा है। धुड़मारास गांव प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विविधता और परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। बस्तर की आदिवासी जीव नशैली दुनियाभर के पर्यटकों को लुभाती रही है। धुड़मारास में पर्यटकों को पाम्परिक आदिवासी व्यंजन परोसे जाते हैं। कांगेर घाटी की अद्भुत जैव विविधता और हरीतिमा के साथ ही यह रोमांचक स्थल है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन की सूची में धुड़मारास ने दुनियाभर के 60 देशों के 20 गांवों में अपनी जगह बनाई है। अनूठी सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सुंदरता और सतत पर्यटन विकास की क्षमता के कारण इस गांव को संयुक्त राष्ट्र के पर्यटन ग्राम उन्नयन कार्यक्रम में चयनित किया गया है। विश्व स्तर पर पर्यटन गांव के रुप में स्थापित होने के बाद यहां अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है। सघन वनों के बीच बसे धुड़मारास गांव के कि नारे से कांगेर नदी बहती है। यहां लोग पर्यटकों को होम स्टे की सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं ताकि पर्यटक निकट से आदिवासी संस्कृति को समझ सकें। उन्नयन कार्यक्रम में शामिल होने के बाद इसे स्थाई सूची में शामिल कराने के लिए राज्य सरकार दृढ़ संकल्प के साथ गांव के विकास में जुट गई है। धुड़मारास अब बस्तर का ही नहीं छत्तीसगढ़ राज्य का प्रमुख पर्यटन स्थल बन गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस गांव को विश्व पर्यटन गांव के अनुकूल विकसित करने के लिए सुमुचित पहल की है। यहां सौर ऊर्जा संचालित सुविधाएं और रोमांचक गतिविधियों का विकास किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने धुड़मारास को इको टूरिज्म स्थल के रुप में विकसित करने के लिए ट्रैकिंग ट्रेल्स, कैंपिंग साइट्स और होमस्टे सुविधाओं का विकास किया है। क्रेडा के माध्यम से सौर ऊर्जा से संचालित पंप से पेयजल आपूर्ति की जा रही है। रात में गांव की गलियों को सौर ऊर्जा से रोशन किया गया है।

कयाकिंग और बांस राफ्टिंग

धुड़मारास में कांगेर नदी में कयाकिंग और बांस राफ्टिंग जैसी रोमांचक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिल रहा है। जंगल ट्रेकिंग और बर्ड वाचिंग की व्यवस्था भी है। धुड़मारास गांव गोंड और मुरिया जनजातियों की संस्कृति का केंद्र है। पर्यटक यहां फरा, चावल की रोटी, लाल चींटी की चापड़ा चटनी जैसे पारंपररिक व्यंजनों का स्वाद ले सकते हैं। स्थानीय हस्तशिल्प की भी उपलब्धता है।

ट्रैकिंग ट्रेल, कैंपिंग साइट और होमस्टे सुविधाएं

धुड़मारास में ट्रैकिंग ट्रेल, कैंपिंग साइट और होमस्टे सुविधाएं विकसित कर रहा है। स्थानीय शिल्पकारों और कलाकारों को प्रोत्साहन देकर पारंपरिक हस्तशिल्प को विश्व बाजार से जोड़ने की कवायद की जा रही है। गांव में सड़क और परिवहन सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। धुड़मारास गांव में ईको पर्यटन विकास समिति भी काम कर रही है। यह समिति कांगेर नदी में कयाकिंग और बांस राफ्टिंग जैसी साहसिक गतिविधियों का संचालन करती है। गांव में पर्यटकों के लिए वेटिंग रुम, टॉयलेट जैसी बुनियादी सुविधाओं का विकास भी किया जा रहा है।

बढ़ रही पर्यटकों की संख्या

विश्व पर्यटन सूची में नाम दर्ज कराने के बाद धुड़मारास गांव में पर्यटकों की संख्या में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है। पहले गांव में रोज इक्का दुक्का पर्यटक पहुंचते थे। गांव के युवाओं ने नदी में बांस राफ्टिंग का आयोजन शुरू किया और स्थानीय संस्कृति से लोगों को जोड़ना प्रारंभ किया। अब यहां सौर ऊर्जा समेत दूसरी तमाम सुविधाएं उपलब्ध हैं। गांव में हर महीने 2000 से 2500 पर्यटक पहुंच रहे हैं।

नैसर्गिक पर्यटन का आनंद देता मैनपाट

नैसर्गिक सौंदर्य सबकुछ प्राकृतिक, जंगल-नदी - पहाड़ों का संगम, अगर ऐसी जगह की तलाश है तो गरियाबंद आइए। गरियाबंद जिला छत्तीसगढ़ का एक ऐसा भूभाग जो अब तक पर्यटन के पारंपरिक नक्शे से दूर रहा, लेकिन प्राकृतिक, धार्मिक और जैव विविधता से भरा यह इलाका एक नई पहचान गढ़ रहा है। यहाँ नदियों के संगम पर बसे प्राचीन मंदिर हैं तो दूसरी ओर घने जंगलों में झरते जलप्रपात। जंगलों के भीतर बाघ और दुर्लभ वनभैंसे विचरण करते हैं, वहीं श्रद्धालु घटारानी और जतमई जैसे स्थलों पर आस्था की डुबकी लगाते हैं। गरियाबंद अब केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि ईको-टूरिज्म, वाइल्ड लाइफ सफारी और साहसि क पर्यटन का नया केंद्र बन रहा है।

"छत्तीसगढ़ का शिमला"

सरगुजा जिले में समुद्र तल से लगभग 1100 मीटर की ऊँचाई पर बसा मैनपाट, राज्य का एक प्रमुख हिल स्टेशन है, जिसे अक्सर "छत्तीसगढ़ का शिमला" कहा जाता है। यहाँ की ठंडी जलवायु, हरियाली से ढकी पहाड़ियाँ, झरने, रहस्यमयी जलधाराएँ और तिब्बती संस्कृति का अद्भुत संगम, इसे राज्य के सबसे विशिष्ट पर्यटन स्थलों में से एक बनाता है।

पर्यटन नक्शे पर उभरता छत्तीसगढ़

विंध्य और सतपुड़ा पर्वत श्रृंखलाओं से घिरा यह क्षेत्र घने जंगलों, मनोहारी जलप्रपातों और प्राचीन गुफाओं का घर है। अंबिकापुर जैसे वाणिज्यिक केंद्र से लेकर रामायण युग से जुड़े स्थलों तक, सरगुजा विविधता और सांस्कृति क गहराई में बेजोड़ है। पर्यटन नक्शे पर उभारने की दिशा में नई ऊर्जा और योजनाओं के साथ कदम आगे बढ़ाया है।

फिश पॉइंट विशेषता

यह एक प्राकृतिक जल स्रोत है जिसमें मछलियों की भरमार है। यहाँ के स्वच्छजल में पर्यटक मछलियों को तैरते हुए देख सकते हैं।

टाइगर पॉइंट विशेषता

यह एक ऊँचाई से गिरने वाला खूबसूरत जलप्रपात है, जो जंगलों और घाटियों के मध्य स्थित है। यहाँ से नीचे की ओर बहता झरना टाइगर की दहाड़ जैसी गूंज करता है, इसी कारण इसे 'टाइगर पॉइंट' कहा जाता है।

- **पर्यटकों के लिए आकर्षण :** यहाँ का बौद्ध मठ, रंग-बिरंगे प्रार्थना झंडे, मंत्रमुग्ध करने वाला वातावरण और तिब्बती बाजार पर्यटकों को अद्भुत अनुभव प्रदान करते हैं।
- **मैनपाट व्यू पॉइंट्स विशेषता:** मैनपाट के अलग-अलग ऊँचाई वाले स्थानों पर स्थित व्यू पॉइंट्स से घाटी और पर्वत श्रृंखलाओं का भव्य दृश्य देखा जा सकता है।
- **उल्टा पानी विशेषता:** यह एक रहस्यमयी जलधारा है, जहाँ पानी ढलान की दिशा के विपरीत बहता प्रतीत होता है। यह एक भू-आकृतिक चमत्कार है, जो गुरुत्वाकर्षण के भ्रम को तोड़ता हुआ प्रतीत होता है।
- **घुघुटी जलप्रपात विशेषता:** यह एक सुंदर और शांत जलप्रपात है। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए है जो भीड़-भाड़ से दूर प्रकृति के साथ समय बिताना चाहते हैं।

अन्य आकर्षण और गति विधियाँ

मैनपाट महोत्सव : यह वार्षिक आयोजन तिब्बती, छत्तीसगढ़ी और जनजातीय संस्कृति का अद्भुत संगम है, जिसमें लोकनृत्य, हस्तशिल्प, साहसिक खेल और खाद्य महोत्सव शामिल होते हैं।

एडवेंचर टूरिज्म: सरकार द्वारा हाल ही में पैराग्ला इडिंग, माउंटेन बाइकिंग और ट्रैकिंग जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

पर्यटन का हॉटस्पॉट बनता जा रहा छत्तीसगढ़

पर्यटन को नई दिशा सरगुजा को पर्यटन का हॉटस्पॉट बनाने के लिए विष्णु देव सरकार ने बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने, सांस्कृतिक उत्सवों को भव्य बनाने, और साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने की योजना बनाई है। रामगढ़ को कालिदास थीम पर विकसित करना, मैनपाट में एडवेंचर स्पोर्ट्स की सुविधा, तातापानी में स्वास्थ्य पर्यटन, देवगढ़ में पुरातात्विक संग्रहालय, और सेमरसोत में इको-सफारी के विस्तार के साथ, सरकार सरगुजा को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। स्थानीय युवाओं को गाइड, होमस्टे ऑपरेटर और शिल्पकार के रूप में प्रशिक्षि त कर रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे पर्यटन से स्थानीय अर्थ व्यवस्था को सीधा लाभ मिल रहा है।

- **राजीव लोचन मंदिर :** राजिम - छत्तीसगढ़ का प्रयाग
- **जतमई माता मंदिर** : जहां जलप्रपात और देवी विराजती हैं
- **घटारानी मंदिर :** देवी दर्शन के साथ ट्रेकिंग का अनुभव
- **भूतेश्वर महादेव, मरौदा :** शिवलिंग की निराली कथा
- **कोसा झरना :** अनदेखा और अद्भुत
- **उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व :** बाघ और वनभैंसों का साम्राज्य
- **कोटेश्वर महादेव, सिर्री :** महानदी के तट पर गूंजती शिवध्वनि
- **टेमरी जलप्रपात :** प्रकृति का एक शांत सौंदर्य
- **सिकासार जलाशय:** जल जीवन और ऊर्जा का स्रोत
- **रामझरना:** धार्मिक स्थल और पिकनिक स्पॉट
- **तातापानी :** प्राकृतिक गर्म जलकुंड
- **देवगढ़ :** पुरातात्विक गौरव
- **बाँका जलप्रपात :** मानसून का सौंदर्य
- **सेमरसोत अभयारण्य :** प्रकृति प्रेमियों का स्वर
- **ठिनठिनी पत्थर :** प्रकृति का रहस्य

एडवेंचर और स्पोर्ट्स

छत्तीसगढ़ रोमांचक एडवेंचर की भूमि है, जो घने जंगलों में ट्रेकिंग, बांस राफ्टिंग, गुफाओं की खोज और तारों को देखने का मौका देता है। ऊबड़-खाबड़ रास्तों से लेकर छिपी हुई गुफाओं तक, हर अनुभव प्रकृति और रोमांच को एक साथ लाता है। चाहे जंगल की खोज कर रहे हों या कोई चुनौती ढूंढ रहे हों, हर मोड़ पर एडवेंचर आपका इंतज़ार कर रहा है।

- **धुडमारास गांव**
- **चित्रकोट झरना**
- **कोटमसर गुफा**
- **स्टार गेजिंग- कांगेर वैली नेशनल पार्क**
- **धोलकल ट्रेक**
- **गंगरेल**
- **बैम्बू राफ्टिंग हरेली इको रिज़ॉर्ट**
- **शिशुपाल माउंटेन ट्रेक**
- **दलहा पहाड़**
- **सतरेंगा बोट क्लब**
- **जशपुर ट्रेक**
- **छत्तीसगढ़ जंगल ट्रेक**
- **अम्यूजमेंट पार्क**

छत्तीसगढ़ विशेष पर्यटन स्थल

गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिज़र्व, चित्रधारा झरना, तमोर पिंगला वन्यजीव अभयारण्य, हंडवारा झरना, गोमर्दा वन्यजीव अभयारण्य, बादलखोल वन्यजीव अभयारण्य, अमृतधारा झरना, भोरमदेव वन्यजीव अभयारण्य, छुरी झरना, भैरमगढ़ वन्यजीव अभयारण्य, तमदा घुमर झरना, घटारानी झरना, देवधारा झरना, सेमरसोत वन्यजीव अभयारण्य, बरनवापारा वन्यजीव अभयारण्य, सीतानदी वन्यजीव अभयारण्य,अचानकमार बायोस्फीयर और टाइगर रिज़र्व, इंद्रावती टाइगर रिज़र्व, कैलाश गुफा झरना, केंदई झरना, कैलाश गुफाएँ, पामेड वन्यजीव अभयारण्य, मेंडरी घुमर झरना, कुटुमसर गुफाएँ, उदंती सीतानदी टाइगर रिज़र्व, सिंघनपुर, सीताभघरा, जोगीमारा, रामगढ़ गुफाएँ, राजपुरी झरना, राकसगंडा झरना, रानीदह झरना, दंडक गुफाएँ, गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान, अरण्य गुफाएँ, टाइगर पॉइंट झरना, तीरथगढ़ झरना, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, काबरा गुफाएँ (रायगढ़), चित्रकोट जलप्रपात।

सशक्त भारत के निर्माण में सरदार पटेल की अहम भूमिका: कुलपति प्रोफेसर चक्रवाल

सीयू में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर एकता दौड़ का आयोजन, भारतीय ज्ञान परंपरा पर 3 दिवसीय कार्यशाला का समापन

बिलासपुर/नवप्रदेश। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) नैक से ए++ ग्रेड प्राप्त विशिष्टता से परिपूर्ण विश्वविद्यालय में 31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती, राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। विश्वविद्यालय के रजत जयंती प्रांगण में सुबह 7.30 बजे लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. रेखा पटेल, सरदार पटेल विश्वविद्यालय वल्लभविद्या नगर, गुजरात ने कहा कि हमारा देश विविधताओं से भरा हुआ है। सरदार पटेल ने भारत को उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम की सीमाओं तक एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया। सरदार वल्लभभाई पटेल के लिए राष्ट्र प्रथम की भावना सर्वोपरि थी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विवि के कुलपति प्रोफेसर श्री चक्रवाल ने कहा कि आज जो भारत हम देख रहे हैं उसकी नींव लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने रखी थी। उन्होंने भारत को एकीकृत करने में अहम भूमिका निभाते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए राष्ट्रीय एकता की नई मिसाल कायम की। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने देश को विभाजित करने वाली शक्तियों का सख्ती के साथ मुकाबला किया। राष्ट्रीय एकता के प्रति उनके समर्पण एवं सम्मयक दृष्टि के लिए हम सभी उनके कृतज्ञ हैं। इससे पूर्व प्रारंभ में दीप प्रज्वलन कर मां सरस्वती, सरदार पटेल एवं बाबा गुरु घासीदास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर हुआ। नन्हे पौधे एवं पुस्तक भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया गया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. शैलेन्द्र कुमार ने स्वागत भाषण दिया। विवि के तरंग बैंड ने एकता गीत की प्रस्तुति दी। एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत आयोजित विभिन्न स्पर्धाओं के विजेताओं को अतिथियों ने पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये।

अतिथियों द्वारा एकता दिवस की शपथ दिलाई गई। मंचस्थ अतिथियों में प्रो. नीलांबरी दवे, पूर्व कुलपति, सौराष्ट्र विवि, राजकोट गुजरात एवं सुरेश भाई पटेल मौजूद रहे। राष्ट्रीय एकता रैली को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल ने झंडी दिखाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मोहिनी गौतम ने एवं धन्यावद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अभय एस. रणदिवे ने किया। इस आयोजन में विभिन्न विद्यापीठों के अधिष्ठातागण, विभागाध्यक्षगण, शिक्षकगण, अधिकारीगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। भारतीय ज्ञान परंपरा पर 3 दिवसीय कार्यशाला का समापन गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में 31 अक्टूबर को सुबह 10 बजे रजत जयंती सभागार में विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यारा, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय (29-31 अक्टूबर,) राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन कार्यक्रम आयोजित हुआ। भारतीय ज्ञान परम्परा के आलोक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का क्रियान्वयनः एक गुणात्मक परिवर्तन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. विनोद तिवारी, निदेशक संजीवनी अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में युवाओं को भारतीय परंपराओं से जोड़ने पर बल

कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में युवाओं को भारतीय परंपराओं से जोड़ने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में समाज, संस्कृति और परंपरा के अनुरूप व्यक्तित्व विकास पर बल दिया गया है। इसके माध्यम से छात्रों में कौशल विकास और आत्मनिर्भरता का भाव पैदा होगा। इससे पूर्व समापन कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती एवं बाबा गुरु घासीदास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर हुआ। इसके पश्चात मंचस्थ अतिथियों का नन्हें पौधे से स्वागत तथा अंग वस्त्र एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। स्वागत उद्बोधन कार्यशाला की समन्वयक प्रो. सीमा राय, समन्वयक, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास विश्वविद्यालय इकाई, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय ने दिया।

न्यूज गैलरी

देसी दिवाज ग्रुप की महिलाओं ने किया आंवला नवमी पूजन

बिलासपुर/नवप्रदेश। देसी दिवाज़ ग्रुप की व्यवस्थापिकाएं सुनैना नायर और श्वेता पटेल द्वारा बिलासा ताल में ग्रुप की महिलाओं के साथ मिलकर आंवला नवमी पर पूजन किया एवं सभी महिलाओं ने एक दूसरे को सुहाग सामग्री भी बांटी। मान्यता है कि इस दिन आंवला के वृक्ष में विष्णु भगवान वास करते हैं और आंवला के वृक्ष से अमृत वर्षा होती है। जिसके पश्चात सभी ने विभिन्न प्रकार के भोजन व प्रसाद ग्रहण कर पकवानों का आनन्द लिया। जिसके बाद विभिन्न प्रकार के खेल कूद का भी लुत्फ़ उठया। ग्रुप में माताओं के साथ आए बच्चों को भी आंवला नवमी का महत्व बताया गया। ग्रुप से रश्मि चौबे, रेखा वर्मा, मधुलिका यादव, लीना नायडू, पिंकी कश्यप, सपना भोसले,कंचन अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, लक्ष्मी, गीतांजलि अग्रवाल, प्रियंका बर्नवाल, भारती रावत, ललिता उपस्थित रहीं।

तारकेश्वर पाटले और नागेंद्र राय ने मिलकर दी थी सुपारी, आरोपियों से कट्टा-पिस्टल बरामद

गोलीकांड मामले में कांग्रेस नेता अकबर सहित चार आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। शहर में राजनीतिक वर्चस्व और जमीन के बिजनेस की लड़ाई के चलते कांग्रेस नेता की हत्या की साजिश रची गई। अब पुलिस ने कांग्रेस नेता अकबर खान को गिरफ्तार किया है। वहीं हत्या कराने के लिए कांग्रेस नेता तारकेश्वर पाटले और नागेंद्र राय ने सुपारी दी थी। पुलिस नागेंद्र राय के साथ ही तारकेश्वर पाटले की भी तलाश कर रही है। हालांकि दोनों पुलिस पकड़ से बाहर है। इधर पुलिस ने हमले के मास्टर माइंड विश्वजीत अनंत, उसके भाई समेत चार आरोपियों से पिस्टल-कट्टा बरामद किया है।

इस मामले में अब तक 8 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। दरअसल, मस्तूरी जनपद उपाध्यक्ष नीतेश सिंह के कार्यालय में 28 अक्टूबर की देर शाम नकाबपोश शूटरों ने अंधाधुंध गोलियां बरसाई थी। इस फायरिंग के दौरान मौके पर मौजूद मुड़पार के पूर्व सरपंच चंद्रकांत सिंह के हाथ और एक रिश्तेदार राजकुमार सिंह उर्फ 'राजू सिंह' के पैर में दो गोलियां लगीं थी। वहीं एक गोली पीठ को छूकर निकल गई। बचाव में जब नीतेश ने अपने लाइसेंसी पिस्टल से रिटर्न फायर किया, तो शूटर भाग निकले। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। इसके बाद घायल चंद्रकांत सिंह 55 वर्ष और राजू सिंह 45 वर्ष को अपोलो अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर सभी शूटर समेत मास्टर माइंड विश्वजीत को पकड़ लिया। जिसके बाद इन आरोपियों से पूछताछ की गई। कांग्रेस नेता नीतेश की हत्या की साजिश की जांच और आरोपियों से पूछताछ के लिए चार आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लिया गया। इस दौरान सभी से लगातार पूछताछ की गई। एसएसपी रजनेश सिंह ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारियां मिली है। गोलीकांड से पहले आरोपी विश्वजीत की श्रीकांत वर्मा मार्ग पर कांग्रेस नेता अकबर खान के साथ मीटिंग हुई थी, जिसका पुलिस ने सीसीटीवी वीडियो भी जब्त किया है।

कांग्रेस नेता तारकेश्वर और नागेंद्र भी साजिश में शामिल

एसएसपी रजनेश सिंह ने बताया कि, गिरफ्तार आरोपियों, कांग्रेस नेता तारकेश्वर पाटले और नागेंद्र राय के साथ करीबी संबंध रहा है। इसी आधार पर पुलिस ने उनसे पूछताछ की और कई महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। जिसमें कांग्रेस नेता नीतेश की हत्या की साजिश में तारकेश्वर पाटले और नागेंद्र राय के शामिल होने की जानकारी मिली है। इस घटना के मास्टर माइंड विश्वजीत को तारकेश्वर पाटले ने शूटर्स को देने के लिए एक लाख रुपए उपलब्ध कराए। जबकि, नागेंद्र राय भी हत्या की प्लानिंग में शामिल रहा।

खारंग जल संसाधन संभाग ने बढ़ाया सिंचाई क्षमता का दायरा

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले में वर्ष 2000 से 2025 तक के पच्चीस वर्षों में खारंग जल संसाधन संभाग ने प्रदेश की जल संसाधन विकास योजनाओं में अग्रणी भूमिका निभाई है। इस अवधि में संभाग ने जल संरक्षण, सिंचाई क्षमता विस्तार एवं कृषि विकास की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। जिले में पिछले 25 वर्षों में कुल 31 जलाशय, 08 व्यपवर्तन योजनाएँ, 01 उद्वहन योजना तथा 72 एनीकट एवं स्टॉपडेम का सफल निर्माण किया गया। इन परियोजनाओं से कुल 33 हजार 795 हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता सृजित हुई। खरीफ मौसम में 23 हजार 287 हेक्टेयर, रबी मौसम में 10 हजार 508 हेक्टेयर कृषि भूमि तक सिंचाई पहुंची। जल वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 72 नहरों का निर्माण किया गया जिसकी कुल लंबाई 192 किलोमीटर है। निर्मित संरचनाओं से भू-जल स्तर में सुधार एवं वर्षा जल संचयन को प्रोत्साहन मिला है। संभाग की प्रमुख उपलब्धि खारंग वृहद सिंचाई योजना है। इस योजना से अकेले ही 8 हजार 300 हेक्टेयर खरीफ सिंचाई क्षमता तथा 7 हजार 500 हेक्टेयर रबी सिंचाई क्षमता का सृजन हुआ है। इस परियोजना ने क्षेत्र की कृषि व्यवस्था को नई दिशा प्रदान की तथा किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से बहुफसलीय खेती को बढ़ावा मिला, जिससे कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में निरंतर वृद्धि हुई।

गेवरा और कुसमुण्डा जैसी खदानें राज्य की अपार संभावनाओं का प्रतीक: जयकुमार

■ **एसईसीएल में '51वां कोल इंडिया स्थापना दिवस' व '25वां छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस' मनाया गया**

बिलासपुर/नवप्रदेश। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) मुख्यालय, बिलासपुर में 1 नवंबर को '51वां कोल इंडिया स्थापना दिवस' एवं '25वां छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस' के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक तकनीकी (संचालन) एन. फ्रैंकलिन जयकुमार एवं विशिष्ट अतिथि निदेशक (वित्त) डी. सुनील कुमार रहे। इस अवसर पर एसईसीएल के वरिष्ठ अधिकारीगण, विभिन्न विभागाध्यक्ष, श्रमसंघ प्रतिनिधि, महिला कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं छत्तीसगढ़ राज्य के सीधे, सरल, मिलनसार निवासियों के बलबूते चहुमुखी विकास कर रहा है। उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ राज्य के विकास में एसईसीएल का प्रमुख योगदान है । गेवरा और कुसमुण्डा जैसी विश्व की प्रमुख खदानें इसी छत्तीसगढ़ की धरती पर स्थित हैं, जो इस राज्य की अपार संभावनाओं का प्रतीक है। एसईसीएल दवारा छत्तीसगढ़ में कोयला उत्पादन के साथ-साथ यहाँ के निवासियों के शिक्षा, स्वास्थ्य, मुलभूत सुविधाओं के लिए विविध कार्य किए जाते है। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि सहित उपस्थित विभागाध्यक्षों, श्रमसंघ प्रतिनिधियों ने शहीद स्मारक, डॉ. भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा तथा 'खनिक प्रतिमा' पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा कोल इंडिया ध्वज फहराया गया।

राज्य की प्रगति में अहम भूमिका

इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक (तकनीकी/योजना एवं परियोजना) एन. फ्रैंकलिन जयकुमार एवम विशिष्ट अतिथि निदेशक (वित्त) डी. सुनील कुमार एसईसीएल ने कोल इण्डिया एवम छत्तीसगढ़ राज्य की विकास यात्रा पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कोल इण्डिया एवम छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि कोल इण्डिया एवम छत्तीसगढ़ अपने स्थापना काल से ही देश एवम प्रदेश की प्रगति में अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं, जहाँ कोल इण्डिया अपने स्थापना काल से ही देश को उर्जा आपूर्ति कर रहा है।

पालना सहायिका के रिक्त पद पर आवेदन 17 तक

बिलासपुर/नवप्रदेश। एकीकृत बाल विकास परियोजना सरकंडा अंतर्गत नगर निगम के वार्ड क्र 68 गुरू घासीदास विवि के पास दैहान पारा छोटी कोनी में पालना सहायिका के 1 रिक्त पद पर 3 नवम्बर से 17 नवम्बर तक आवेदन किये जा सकते है। इच्छुक आवेदिका 17 नवम्बर तक कार्यालय में सीधे अथवा पंजीकृत डाक से आवेदन कर सकती है। आवेदन के संबंध में अधिक जानकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना सरकण्डा के सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है।

करमा नर्तक दलों ने दी मनमोहक नृत्यों व गीतों की प्रस्तुति

बिलासपुर/नवप्रदेश। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा जिल में 1 अक्टूबर से 15 नवंबर तक करमा महोत्सव मनाया जा रहा है। महोत्सव के अंतर्गत विकासखण्ड कोटा में विकासखण्ड स्तरीय करमा प्रतियोगिता आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 6 नर्तक दलों ने भाग लिया एवं उनके द्वारा मनमोहक करमा नृत्य एवं करमा गीतों की प्रस्तुति दी गई। जनजातीय लोक गायकों (गीतों) का प्रतिनिधित्व एवं जनजातीय समुदायों में प्रचलित परम्परागत वाद्य यंत्रों का प्रदर्शन किया गया। प्रतियोगिता में सम्मिलित निर्णायक मंडल द्वारा जीवन ज्योति करमा दल परसापानी को प्रथम स्थान एवं द्वितीय स्थान बैगिन-बैगा करमा दल कुरदर को दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत अध्यक्ष कोटा सूरज साधेलाल भारद्वाज, जनपद पंचायत कोटा उपाध्यक्ष सरोज दुर्गेश साहू, मनोहर सिंह राज द्वारा की गई। उक्त कार्यक्रम में विभाग की ओर से सुश्री आकांक्षा पटेल सहायक संचालक, डॉ. जी. एस. अश्विनी कुमार प्राचार्य प्रयास आवासीय विद्यालय बिलासपुर, पवन कुमार शर्मा, कनिष्ठ लेखा अधिकारी, सुशील कुमार मिश्रा, सेवानिवृत्त क्रीडा अधिकारी, नोडल अधीक्षक मो. इकबाल, छात्रावास अधीक्षक एवं समस्त अधीक्षकगण सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय संस्कृति उनके पारंपरिक रीति-रिवाज और कला संस्कृति को बढ़ावा देना और संरक्षित करना है।

प्रतिभागियों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

बिलासपुर मंडल में 'सुर-संगम 2025' का आयोजन

बिलासपुर/नवप्रदेश। 31 अक्टूबर को बिलासपुर मंडल के तत्वावधान में एनईआई सभागार में 'सुर-संगम 2025' अंतर मंडलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता (संगीत) का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें बिलासपुर मुख्यालय सहित रायपुर, नागपुर एवं बिलासपुर मंडल से सुर एवं संगीत की विभिन्न विधाओ के प्रतिभागी शामिल हुये । इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय लोक संगीत की समृद्ध परंपराओं को प्रोत्साहन देना और नई पीढ़ी को इसके संरक्षण हेतु प्रेरित करना था। कार्यक्रम की शुरूआत मंडल रेल प्रबंधक राजमल खोईवाल एवं मंडल सेक्रो अध्यक्षा भगवती खोईवाल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात इस प्रतियोगिता में विभिन्न मंडलों से आए प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संगीत की विभिन्न श्रेणियों में पारंपरिक लोक धुनों और शास्त्रीय वादन जैसी अनेक विधाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का अद्भुत परिचय दिया, जिससे भारतीय लोक कलाओं की विविधता और जीवंतता को दर्शाया गया। इस प्रतियोगिता के विजेताओं के चयन के लिए 3 सदस्यीय निर्णायक मंडल बनाए गए थे जिसमें डॉ. शिवनारायण मौरे, विकास डिकसेना, तथा मनीषा श्रीवास शामिल थे। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक श्री राजमल खोईवाल एवं विशिष्ट अतिथि भगवती खोईवाल के मुख्य आतिथ्य में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन हुआ। विजेताओं को मुख्य अतिथि ने पुरस्कृत किया गया।

ठेकेदार पर घर में घुसकर हमला सिर पर ईंट से किया वार

बिलासपुर/नवप्रदेश। निर्मला सदन, विनोबा नगर में उस वक्त हड़कंप मच गया जब शैलेष अग्रवाल और उसके बेटे शिवम अग्रवाल ने ठेकेदार बृजेश अग्रवाल के घर में घुसकर जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित ने बताया कि दोनों आरोपी जबरदस्ती रेल्वे से मिले आर्बिट्रेशन के पैसे की मांग कर रहे थे। मना करने पर गाली-गलौज करते हुए दोनों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की और सिर पर आधा ईंट मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। घटना 23 अक्टूबर की सुबह करीब 10:30 बजे की है। घायल ठेकेदार के बेटे विनायक अग्रवाल और पड़ोसी आशीष सक्सेना ने बीच-बचाव कर किसी तरह उसकी जान बचाई। पीड़ित ने बताया कि उसकी फर्म प्रोप्राइटरशिप है, जिसमें कोई साझेदार नहीं है, बावजूद इसके आरोपी अनुचित रूप से पैसों की मांग कर धमकाने लगे थे।पुलिस ने बीएनएस के तहत गम्भीर धाराओं में अपराध दर्ज की है। जांच अधिकारी एएसआई संजय शर्मा ने बताया कि मामले में ठोस साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

कार्यशाला निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष हुए शामिल, डॉ सीवी रमन विश्वविद्यालय व शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का संयुक्त आयोजन

चरित्र निर्माण से ही समग्र विकास और आत्मनिर्भर बनेंगे विद्यार्थी: प्रो गोयल

बिलासपुर/नवप्रदेश। डॉ सीवी रमन विश्वविद्यालय में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास तथा विकसित भारत में आत्मनिर्भर भारत की भूमिका विषय पर चल रहे तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हो गया तीन दिनों तक विद्वानों ने पंचकोश- अननमय,मनोमय, आनंदमय, विज्ञानमय, प्राणमय कोश तथा चरित्र निर्माण तथा आत्मनिर्भर भारत विषय पर अपने विचार रखें। यह आयोजन डॉ सी वी रमन विश्वविद्यालय एवं शिक्षा एवं संस्कृति उत्थान न्यास के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष प्रोफेसर विजय गोयल ने कहा कि जहां तक विषय की बात है विषय बहुत ही प्रासंगिक है। हमें विषय से यह बात समझने की जरूरत है ,कि जिस छात्र का चरित्र निर्माण हो गया उसका हर कार्य हो जाएगा और कुछ करने की आवश्यकता ही नहीं है। चरित्र निर्माण से ही समग्र विकास होता है और वह खुद ही आत्मनिर्भर बन जाएगा । उन्होंने कहा कि चरित्र निर्माण का पहला काम घर से होता है। इसलिए घर का माहौल सबसे अच्छा होना चाहिए । परिवार में सबसे अच्छी शिक्षा दी जानी चाहिए । इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनेक प्रावधानों के बारे में जानकारी सभी से साझा की। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय के छत्तीसगढ़ी संजोही, शोध एवं सृजन पीठ, इनक्यूबेशन, ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग, का भ्रमण भी किया उन्होंने सभी केदो की प्रशंसा भी की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार घोष ने कहा कि हम शिक्षक एक विद्यार्थी नहीं एक पीढ़ी का निर्माण करते हैं।

भारत का विज्ञान दुनिया का उन्नत विज्ञान: शर्मा

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित न्यास के क्षेत्र संयोजक डा. प्रफुल्ल शर्मा उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यता और संस्कृति को दुनिया मनेगी। अभी संघर्ष की स्थिति है, इस संघर्ष में हमें मिलकर संघर्ष करना है । उन्होंने कहा कि भारत का विज्ञान दुनिया का उन्नत विज्ञान है। इस बात को ऋषि मुनियों ने प्रमाणित किया है। आज हम समस्या की चर्चा ना करके समाधान की दिशा में चर्चा करें तो हम भारत को विश्व गुरु बनाएंगे।

घुटनों से उठ अपने पैरों पर चल पड़ा छत्तीसगढ़

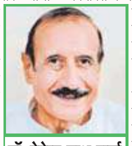
डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा

किसी भी राज्य में उसके सभी भौगोलिक क्षेत्रों में मूलभूत अधोसंरचनाओं का विकास बराबरी से नहीं हो पता है। इससे इन क्षेत्रों में निवासरत लोगों के रहन-सहन, जीवन स्थितियों और उनके सामाजिक-आर्थिक विकास में गहन असमानताएं रहती हैं। 1 नवम्बर, 2000 को मध्यप्रदेश से अलग होकर 26 वें राज्य बने छत्तीसगढ़ को ऐसी गहरी असमानताएं निर्माण के साथ ही प्राप्त हुई थीं द्य रायपुर, भिलाई-दुर्ग, कोरबा, बिलासपुर जैसे शहर रहन- सहन व संरचनात्मक विकास की दृष्टि से अपेक्षाकृत बेहतर थे, पर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थितियां निम्नतर थीं द्य प्रदेश का 40त्न भौगोलिक भाग वन क्षेत्र है, जहाँ रहने वाले आदिवासी जनसंख्या, विशेषकर सुदूर घने वन क्षेत्रों में निवासरत जनसँख्या तक विकास की रोशनी पहुंची हुई सी नहीं लगती थी द्य इसीलिए सर्वाधिक सामाजिक-आर्थिक विकास में सबसे अधिक असमानता की पीड़ा भोगने वाले आदिवासी रहे हैं। 1980 से बस्तर संभाग में नक्सल गतिविधियों के शुरू होने के बाद से छत्तीसगढ़ के वनांचल क्षेत्रों में नक्सलवाद अपने आतंक से पैर ज़माने लग गया द्य इससे आदिवासियों का जीवन संघर्ष और भी जटिल होने लग गया द्य राज्य गठन से ही छत्तीसगढ़ को विरासत में मिली इस समस्या से निपटना एक बड़ी चुनौती थी।

नए राज्य के बनने से बहुत-सी उम्मीदें जनमानस में जागी द्य यह सोचा व माना गया कि अब विकास को तीव्र गति मिलेगी द्य। राज्य में उपलब्ध प्रचुर खनिज संसाधनों के परिपेक्ष्य में बहुत सारा औद्योगिक निवेश होगा और राज्य की आय बढ़ने के साथ-साथ स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा तथा नव स्थापित होने वाले औधौगिक प्रतिष्ठानों के इर्द-गिर्द नए आर्थिक ईकोसिस्टम बनेंगे; जिससे स्थानीय जनमानस के सामाजिक-आर्थिक विकास के नए मार्ग खुलेंगे। राज्य में निम्नतर जीवन स्थितियों में रहने वाले गरीबों, मजदूरों, किसानों, जंगलों पर निर्भर आदिवासियों जीवन में परिवर्तन होगा द्य राज्य में बुनियादी संस्थागत ढांचों में सुधार होगा द्य बेहतर अधो-संरचनाओं के निर्माण के साथ रोजगार के नए साधन सृजित होंगे और छत्तीसगढ़ में खुशहाली के आने में गति आएगी। चूँकि जैव-विविधता व लोक संस्कृति छत्तीसगढ़ की पहचान है, अतः यह स्वाभाविक उम्मीद थी कि इस विरासत के संरक्षण के प्रयास अपने राज्य में गंभीरता से होंगे। इन 25 सालों में छत्तीसगढ़ के विकास की जिम्मेदारी आरंभ के 3 वर्ष में श्री अजीत जोगी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार की रही द्य उसके पश्चात जनता ने 15 वर्ष तक विकास की जिम्मेदारी डॉ रमन सिंह के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को सौपीं थी द्य इसके बाद के 5 वर्षों के लिए श्री भूपेश बघेल की अगुवाई में कांग्रेस की सरकार को विकास की बागड़ोर जनता ने सौपीं द्य भारतीय जनता पार्टी ने जनता का विश्वास अर्जित कर अब फिर से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार बनाई है। कांग्रेस की सरकार के 8 वर्षों और भारतीय जनता पार्टी की सरकार के 17 वर्षों में छत्तीसगढ़ विकास के मार्ग पर तेजी से अग्रसर हुआ है।

वर्ष 2000 में राज्य की जनसंख्या लगभग 2 करोड़ थी जो अब बढ़कर लगभग 3.5 करोड़ हो चुकी है द्य एक-चौथाई आबादी शहरी क्षेत्र में और तीन-चौथाई आबादी ग्रामीण व वन क्षेत्रों में निवासरत है द्य प्रशासनिक अधिकारियों व विभागों तक जनता की पहुंच को बेहतर बनाने की दृष्टिकोण से राज्य गठन के समय के संभाग अब 3 से बढकर 5, जिले 16 अब बढ़कर 33 तथा तहसीलें 97 बढ़ कर 251 हो गई है द्य इससे विशेषकर दूर दराज के किसानों को अपनी राजस्व संबंधी समस्याओं के निराकरण में सुविधा हुई। इन 25 सालों में शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग व कृषि और बुनियादी ढांचे में लगातार सुधार हुआ है द्य खनिज संपदा के मामले में छत्तीसगढ़ अग्रणी राज्यों में आता है द्य इस्पात, कोयला और बिजली उत्पादन में इस राज्य का महत्वपूर्ण योगदान है द्य इन 25 वर्षों में भिलाई, कोरबा, रायगढ़, बैलाडीला, जगदलपुर जैसे भौगोलिक स्थानों में औद्योगिक विकास में तेजी से प्रगति हुई है द्य पावर सेक्टर में बहुत से उद्योग लगे द्य औद्योगिक विकास के कारण बड़ी संख्या में रोजगार भी स्थानीय लोगों को मिला है द्य 2001 में राज्य का बजट मात्र 399 करोड़ रूपये था जो 2025 26 में बढ़कर 1,65,000 करोड़ रूपये हो गया है द्य राज्य सकल घरेलू उत्पाद (GDP) 25,845 करोड़ से बढ़कर 3,21,945 करोड़ रुपए हो गया है। आर्थिक विकास की ओर प्रदेश निरंतर बढ़ रहा है द्य 2000 में जब छत्तीसगढ़ का गठन हुआ था, प्रति व्यक्ति आय 12 हजार रूपये थी जो अब बढ़कर 1 लाख 60 हजार हो गई है और उसे हिसाब से इन 25 सालों में 13 गुना उल्लेखनीय वृद्धि हुई है द्य धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में 70% से अधिक आबादी खेती व इससे जुड़े कार्यों पर निर्भर है द्य सरकार द्वारा 21 क्विंटल तक 3,100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी से किसानों की आर्थिक सुरक्षा मजबूत हुई है द्य प्रदेश में सिंचाई के संसाधनों में वृद्धि हुई है द्य 2000 में प्रदेश में सिंचित रकबा 13.28 लाख हेक्टेयर था जो अब बढ़कर 21.76 लाख हेक्टेयर तक गया है द्य वार्षिक कृषि वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है जो उल्लेखनीय है द्य पीएम किसान सम्मान निधि और सौर सुजला जैसी योजनाओं का किसानों को सीधा लाभ मिला है। तेंदूपत्ता श्रमिकों के पारिश्रमिक भी 5,500 प्रति बोरा तक हो जाने से तेंदूपत्ता संग्राहकों की आर्थिक स्थिति बेहतर हुई है द्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के 324 गांव में नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से सड़क,बिजली,पानी,शिक्षा व स्वास्थ सेवाएं प्रदान की जा रही हैं द्य इन ग्रामों में सामुदायिक केंद्र, आंगनवाडी केंद्र स्वास्थ केंद्र व प्राथमिक स्कूल खोले जा रहे हैं। 2001 में राज्य में 38,050 सरकारी स्कूल थे जो अब बढ़कर 56,615 हो गए हैं जिनमे 52 लाख विधार्थी अध्यनरत हैं द्य इस अवधि में शिक्षा सूचकांक 0.249 से बढ़ कर 0.520 हो गया है। राज्य के गठन के समय उच्च शिक्षा संस्थानों में सकल नामांकन अनुपात 3.5 था जो अब बढ़कर 18.6 हो गया है द्य प्रदेश में इस समय 9 राजकीय विश्वविद्यालय, 15 निजी विश्वविद्यालय, 335 शासकीय महाविद्यालय, 12 अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों तथा 256 निजी महाविद्यालय हैं। वर्तमान सत्र में कुल 3.35 लाख छात्र-छात्राएँ उच्च शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत हैं द्य राज्य में 25 वर्षों में चिकित्सा शिक्षा को उल्लेखनीय विस्तार मिला है द्य चिकित्सकों की कमी को देखते हुए और प्रदेश के युवाओं को चिकित्सक बनाने के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं द्य प्रदेश में इस समय 10 शासकीय तथा 5 निजी मेडिकल कालेज संचालित हैं द्य अगले सत्र में तीन और नए मेडिकल कालेज राज्य सरकार खोल रही है द्य चिकित्सा शिक्षा के अकादमिक नियमन हेतु आयुष विश्वविधालय स्थापित किया गया है जिसके आधीन इन मेडिकल कालेजों के आलावा 8 शासकीय सहित कुल 131 नर्सिंग, 1 शासकीय सहित कुल 7 दन्त चिकित्सा, 1 शासकीय सहित कुल 2 फिजियोथेरेपी, 2 शासकीय सहित कुल 9 आयुर्वेदिक, 2 निजी प्राकृतिक चिकिसा के शिक्षण संस्थान संचालित हैं। इसके आलावा केंद्र सरकार का अखिल भारतीय आयुष विज्ञान संस्थान (AIIMS) भी प्रदेश की राजधानी संचालित है।

सुनो भाई उधो

बेर्रा बादर

परमानंद वर्मा

मोर ये समझ नइ आवय, काबर कोनो ककरो बनक, बढ़त अउ विकास ला देख नइ सकय? रेढ़-रेढ़ के, हकर-हकर, मर-खप के दिन रात, न संझा देखय, न बिहनिया, जांगर टोर-टोर के, पछीना गार-गार के कमाय रहिथे एक के ला इक्कीस करथे। न ककरो करा उधारी मांगय न बाढ़ी। दूनो परानी मरत-खपत रहिथे। खेती किसानी मं, तब कहूं जाके अन्न परमेसरी खेत मं दरसन देथे अउ कहिथे- आ बेटा, अब मोला खेत ले खलिहान मं ले जा, जइसे कुंआरी बेटी जब सोलह बछर के होय ले धरथे तब दाई-ददा बेटी के हाथ पिंवरा करे ले सोचथे, जान डरथे ये पराया धन हे, ओकर हाथ सुपरद कर देना चाही। वइसने खेत घला हा किसान करा गोठायाथे।

- 'अब्बड़ लम्हरी बात ला लमिया डरे गजामूंग, अइसे अचानक तोर मन मं का बात आगे ते कहां ले कहां के गोठ-बात कर डरे? कोनो काकरो बनक, बाढ़त अउ विकास ला नइ देख सकत हे, कोन काकर नुकसानी बर नीयत गड़ा दे हे।

सोमनाथ कहिथे- 'काला का कहिबे गजामूंग, मनखे मन तो अनदेखना, अंखफुट्टा होबेच करथे, ए मौसम, ये पानी, ये बेर्रा बादर के घला नीयत डोलगे हे, देख ना, खेत मं अन्न परमेसरी बेटी बरोबर अगोरा करत हे, काहत हे- अब मोर मालिक, मोर ददा, मोला लू-लुआ के खेत ले खलिहान लेगही, उहां टोरही-भांजही, मिंजही अउ खेत ले ओकर घर मं पांव धरहूं। मोर दाई, बहिनी, कका-काकी, भइया-भउजी अगोरा करत होही, मोला देखे बर लुलवावत होही। घर मं जाहूं तब कतेक मोर धूमधाम से सुआगत करही, आरती उतारही। मोरो आंखी हा ओमन ला देखे बर तरसत हे जइसे कोनो महतारी अपन नवा संतान के चेहरा के एक झलक देखे बर तरसथे। बिहनिया के उवत सुरुज देवता देखे खातिर धरती मइया तरसथे।

तंय कहना का चाहत हस सोमनाथ तेला बने फोर के बताना रे भई, का घुमा-फिरा के कहिथस के बांया कोती के कान दांया कोती के बात ला घला नइ सुन सकय, समझ सकय। मंय तोर सही ओतेक जादा पढ़े-लिखे नइ हौं भई।

सब जानत समझत हस गजामूंग, अइसन कोनो कोंदा-लेडग़ा अउ बइहा-भुतहा नइ हस? सोमनाथ कहिथे- 'आज के मनखे अनदेखना अउ अंखफुट्टा होगे हे तेला तो जानस समझत हस न। कोनो ला बने खात-पियत, ओढ़त-पहिनत, घूमत-फिरत, गोठियावत-बतावत नइ देख सकत हे तउनो बात ल समझत हस ना, कोनो दू ल दस अक्कड़ जमीन बना डरिस, घर-दुआर बना डरिस, भगवान के परसाद घोड़ा-गाड़ी आगे, तउनो ला तो तंय जानस हस ना?

गजामूंग हुंकारू भरत कहिथे- 'हां

तब इही तो बात हे, ए सबो ला देख के काबर सबके आंखी फूटथे, जलथे। आघू मं मीठ-मीठ गोठियाही अउ तरी-तरी जलत भूंनत रहिथे। कहिथे- देख तो सारे ला रे, चार पइसा का कमा लिस, हवा मं उड़त हे। ओ दिन ला भुलागे, जब ओकर दाई-ददा मन मोर घर नाहना टोरत रहिसे, बनिहार रिहिसे। दिन-रात खपत रिहिसे। काकर परसादे आज एहर हवा मं उड़त जात हे चिरई बरोबर।

- 'ओ सब बात ला छोड़, अभी अइसे तोर पेट मं का पीरा उठगे अचानक ते बड़बड़ाय ले धर लेस बइहा बरोबर? गजामूंग कउवाय असन बोलथे।

तोला का बतावंव गजामूंग, मनखे तो मनखे ये मौसम, ये पानी बेर्रा बादर के घला आंखी फूटत हे मोर फसल ला देख के, युहू अंखफुट्टा हे तइसे लागत हे। लागत हे नहीं, हावय।

खेत मं फसल खड़े हे, अन्नपूरना छटपटावत हे, फेर जानत हस कोन-कोन जघा मं भारी बरसात होगे, खड़े फसल चउपट होगे। अनपूरना तो रोबे करत हे, किसान सब माथा धर के रोवत हे। छोटे लइका ला कतेक हियाव करके पालथन, पोसथन अउ अचानक जइसे कोनो बीमारी सचर जथे, झपा जथे। रेंग देथे ओ संतान, कतेक बोम फार के रोथे दाई-ददा मन। हाय मोर बेटा...हाय मोर बेटी...। उही हाल ओ किसान मन के होगे हे जिहां बरसात हा फसल ला मुरकेट के मार डरे हे। मंय सियान हंव गजामूंग तोर सही साहेब नोहंव। खेती के रकम, दरद, पीरा ला ओ खेत, अउ किसान ही समझ सकथे।

गजामूंग समझाथे- सोमनाथ भइया, पानी, बेर्रा बादर तो हमर मन के धरे-बांधे नोहय, ओकर ऊपर हमर का वश हे, चले नइ सकय। ओ अपन मन के मालिक हे, जिहां गरज जाय, बरस जाय, बिजली चमक जाय।

सोमनाथ कहिथे- 'गजामूंग, अरे पानी-बादर के दिन पहागे, देवारी-दसहरा, देवउठनी घला निकलत हे। एकर अवरदा पूरा होगे। अब ओला चले जाना चाही अपन घर-दुआर। ठंडकाला के दिन अवइया हे, तब काबर दूसर के हक ला मारत हे ये नीयतखोर अउ अंखफूट्टा बेर्रा बादर मौसम हा। बरसे के दिन मं बरसही नहीं, चोरहा मन असन जीव लुकावत फिरही, अब जब जरूरत नइहे तब का नुकसान करे बर बरसत हे। मंय कोनो अदालत के 'जज होतेंव तब ये मौसम ला फांसी के सजा सुना देतेंव।

'अच्छा... अच्छा... अब समझेंव सोमनाथ तोर माथा अतेक काबर आज गरम होय हे तउन ला। लोहार-सोनार के धुकनी बरोबर तोर अंतस धधकत हे ये पानी-बादर ला देख के। सालभर के मिहनत पानी मं झन फिर जाय। गजामूंग ओला समझावत कहिथे- 'धीरज धर संगी, ये बादर तोला डेरवाय बर आवत हे, जउन बादर गरजथे न, तउन बरसय नहीं।

मोला भरोसा नइहे गजामूंग- बेईमान, चोर, डाकू, लफंगा, आतंकी अउ नीयतखोर मन के कभू भरोसा नइ करना चाही। मोला ओ कहावत के अभी सुरता आगे मितान- 'ठाढ़े खेती गाभिन गाय, तब जानव जब मुंह मं जाय। वइसने कस हाल आज मोर होगे हे।

व्यंग्य रचना : विधायक पधारे हैं

डॉ. किशोर अग्रवाल

क्षेत्र के विधायक महोदय का गांव में पांच साल बाद आगमन हुआ। स्कूल के सामने खड़े एक बच्चे ने पत्थर फेंक कर मारा। उसे पकड़ कर लाया गया। पूछा "क्यों मारा?" तो कहा कि मेरी क्लास स्कूल की परछी में लगती थी , बापू बोले तुम्हें वोट दिया है ,अब तुम भी क्लास रूम में पढ़ोगे। मैं अब ग्यारहवीं कक्षा में आ गया ,हमारे स्कूल के दो कमरे और परछी टूट गई। अब दो कमरों में पूरा स्कूल चल रहा है। तुम बोले थे ना कि यहां के बच्चे इंग्लिश सीख कर अमेरिका जाएंगे हम तो शहर तक भी नहीं गए। पुल तो जस का तस टूटा है तुम कैसे आ गए विधायक जी ?

तभी झाड़ू लगाती एक मेहतरानी ने झाड़ू फेंक कर मारा। विधायक के चमचों ने फुर्ती से पकड़ लिया । "क्या करती हो?" वह बोली "मुझे हाथ मत लगाओ हरामखोरों, दो साल पहले सदस्यता अभियान में तुम्हारे जैसे और भी आए थे विधायक के गुंडे। उन्होने गेस्ट हाउस में सफाई करती हमारी बिटिया की पत लूट ली और इस नाशपीटे के दबाव में पुलिस ने रपट तक नहीं लिखी। अब यहां यह क्या अपनी अम्मा बेचने निकला है ?

घबराया विधायक किसी की बाहर पड़ी चारपाई पर जा बैठा । एक डोकरा आंख पर हथेली का छाजन किए बड़ी देर से उसे निहार रहा था । चमचे ने पूछा "क्या देख रहे हो बाबा, विधायक जी से कोई काम है क्या ?"डोकरा और पास आया मिचमिची आंखों से देखते हुए बोला "वैसा ही है, उतना का उतना हरामखोर । मैंने तब भी सबको बहुत समझाया था कि यह जीत कर पांच साल बाद ही फिर दिखेगा ,अब फिर आया है । अब कहेगा सड़क सुधरवा देगा, स्कूल बनवा देगा, गांव के बेरोजगारों को रोजगार देगा ,पर इस बार जूते मारेंगे जूते ,पुराने चमरौंधे जूते एकट्ठे करके चौपाल में रखे हैं।"

विधायक के ठहरने का कोई प्रबंध नहीं था क्योंकि पिछली सभाओं और जुलूसों के खर्चे विधायक की पार्टी ने चुकाए ही नहीं थे। पीपल की छांव में चारपाई पर बैठे विधायक के शहरी चमचों के अलावा गांव का कोई समर्थक न आया था। उसके बूथ संभालने वाले साथी गांव में मुंह दिखाने लायक नही बचे थे। जीत कर तो विधायक देवताओं को भी दुर्लभ हो जाते हैं । यह विधायक सिर्फ विधायक ही रहा मंत्री ना बन सका , सरकार में सिर्फ समर्थन में हाथ उठाता रह गया था। अपने वोटरों के लिए कुछ कर नही पाया न उसके हिस्से मलाई आई न वोटरों के हिस्से छाछ।

मालाओं को तरसती उसकी गर्दन सूखी की सूखी रह गई। तर माल खाने वाला हलक प्यास के मारे सूखने लगा। तभी दूर धूल का एक गुबार सा उठा। एक बड़ी गाड़ी में दो-तीन लठैतों सहित पास के गांव का साहूकार आया और आते ही विधायक के गिरेबान पर हाथ डाल दिया । बोला ÷विधायक के बच्चे ! बिना ब्याज पर रुपया लेकर पुल पुलिया निर्माण का ठेका दिलाने का झूठा आश्वासन देकर चूतिया बनाए हो । शहर में अपने ठौर मिलते नहीं , घर में रहकर भी टरका देते हो। अब हाथ चढ़े हो, आओ पूरी विधायकी घुसेड़ देते हैं।"

साहूकार के शोहदों ने विधायक की गाड़ी अपने कब्जे में ले ली। बांस की लाठी पर विधायक को उल्टा लटकाकर अपनी गाड़ी में डाल लिया। शहरी समर्थक जान बचाकर खेतों में भाग लिये। यह तमाशा देख रहे एक भिखारी ने कहा "इसे मार डालो या पीट लो यह जाति ही ऐसी है । आजादी के बाद से बस उनके चेहरे बदले हैं। हम किसान थे, भिखारी हो गए, पर इनका रूप न बदला । अब भी तो किसी को फिर चुनोगे। नागनाथ जाएंगे ,सांपनाथ आएंगे । तुम अपने दुखों की बीन बजाते रहना यह जीतकर फिर शहर के बंगलों में खो जाएंगे।"

डैश डाइट : स्वस्थ हृदय और दीर्घायु जीवन की दिशा में एक कदम

डॉ. सीमा कालरा

भूमिका

आज के युग में मनुष्य ने भौतिक प्रगति तो बहुत की है, परंतु स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक चुनौतियाँ उत्पन्न हो गई हैं। बदलती जीवनशैली, अनियमित दिनचर्या, तनाव, बाहर का भोजन और फास्ट फूड संस्कृति ने स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाला है।

इन सबका परिणाम है - उच्च रक्तचाप (Hypertension), मोटापा (Obesity), हृदय रोग (Heart Disease), मधुमेह (Diabetes) तथा अन्य जीवनशैली संबंधी बीमारियों का बढ़ता प्रसार।

ऐसे समय में चिकित्सा जगत और पोषण विशेषज्ञों ने यह सिद्ध किया कि यदि व्यक्ति अपने आहार में संतुलन और अनुशासन लाए, तो वह अनेक बीमारियों से बच सकता है। इसी दिशा में वैज्ञानिकों ने एक विशेष आहार योजना तैयार की, जिसे नाम दिया गया – DASH Diet, अर्थात् Dietary Approaches to Stop Hypertension।

यह डाइट न केवल रक्तचाप को नियंत्रित करती है, बल्कि सम्पूर्ण शरीर को स्वस्थ, ऊर्जावान और सशक्त बनाती है।

डैश डाइट क्या है?

DASH डाइट एक संतुलित आहार प्रणाली है जिसे 1990 के दशक में अमेरिकी राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (National Institutes of Health, USA) द्वारा विकसित किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य था – हाई ब्लड प्रेशर को दवाओं के बिना नियंत्रित करना।

बाद में शोधों से यह प्रमाणित हुआ कि यह डाइट हृदय रोग, मोटापा, स्ट्रोक और मधुमेह जैसी बीमारियों को भी रोकने में सहायक है।

DASH डाइट का सिद्धांत सरल है –

?? सोडियम (नमक) की मात्रा घटाओ

?? फल, सब्जियाँ, साबुत अनाज और कम वसा वाले खाद्य पदार्थ बढ़ाओ

?? मीठे, तले और प्रसंस्कृत (processed) खाद्य पदार्थों को सीमित करो

डैश डाइट के मुख्य घटक

1. फल (Fruits):
ताजे फल जैसे केला, सेब, संतरा, पपीता, अमरूद, तरबूज, स्ट्रॉबेरी आदि पोटेशियम और फाइबर से भरपूर होते हैं, जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।
2. हरी सब्ज़ियाँ (Vegetables):
पालक, लौकी, तोरी, भिंडी, ब्रोकली, शिमला मिर्च जैसी सब्ज़ियाँ विटामिन और खनिजों का उत्कृष्ट स्रोत हैं।
3. साबुत अनाज (Whole Grains):
गेहूं, जौ, ओट्स, ब्राउन राइस, बाजरा, रागी आदि जटिल कार्बोहाइड्रेट प्रदान करते हैं जो लंबे समय तक ऊर्जा देते हैं।
4. दूध और दुग्ध उत्पाद:
टोंड दूध, दही, छाछ और पनीर से कैल्शियम और प्रोटीन की पूर्ति होती है।
5. प्रोटीन स्रोत:
दालें, राजमा, चना, सोया उत्पाद, मछली और अंडा शरीर के ऊतकों के निर्माण और मरम्मत में सहायक होते हैं।
6. नट्स और बीज (Nuts & Seeds):
बादाम, अखरोट, सूरजमुखी के बीज, अलसी के बीज में ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं, जो हृदय के लिए लाभदायक हैं।
7. वसा (Fat):
तली हुई चीज़ों से परहेज़ करते हुए सरसों, जैतून या सूरजमुखी तेल का सीमित उपयोग किया जाता है।

इस डाइट में प्रत्येक पोषक तत्व का संतुलित अनुपात होता है जो शरीर के हर अंग को सुचारू रूप से कार्य करने में सहायता करता है।

आज का इतिहास

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन आपके लिए अनुकूल परिस्थिति वाला रहेगा पूर्व में सोची योजनाए सिरे चढ़ने से आय के नए मार्ग विकसित होंगे।
वृषः आज का दिन सरकार संबंधित कार्य करने के लिये शुभ रहेगा अधिकारी वर्ग का नरम व्यवहार रहने से काम निकालना आसान होगा।
मिथुनः आज के दिन आपके आध्यात्मिक क्षेत्र में उन्नति के योग बन रहे है। आज परोपकार की भावना भी प्रबल रहेगी।
कर्कः आज के दिन भी स्थिति निराशाजनक रहेगी दिन के आरंभ से ही हानि के डर से किसी भी कार्य को करने से कतराएंगे।
सिंहः आज का दिन मध्यान तक लाभदायक रहेगा। इसके बाद का समय घरेलू अथवा व्यावसायिक उलझनों की भेंट चढेगा।
कन्याः आज का दिन शुभ फलदायक रहेगा आज आप जल्दी से किसी ठोस निर्णय पर नही पहुच पाएंगे।
तुलाः आज का दिन पिछले दिनों की अपेक्षा सुधार वाला रहेगा। सेहत में सुधार आने से कार्य गंभीर होकर करेंगे लेकिन आज मेहनत का फल तुरंत पाने की इच्छा ना रखें।
वृश्चिकः आज का दिन मिला-जुला फल देगा।मध्यान बाद स्वभाव में विवेक जागृत होगा।
धनुः आज के दिन मध्यान बाद से आपको आशा के विपरीत फल मिलने लगेगा सेहत भी साथ नही देगी आवश्यक कार्य इससे पहले ही पूर्ण करने का प्रयास करें।
मकरः आज का दिन मध्यान तक बेचैनी वाला रहेगा। आप का संकल्प किसी ना किसी व्यवधान के कारण पूर्ण नही हो पायेगा।
कुंभः आज के दिन आपमे भावुकता अधिक रहेगी। दिन के आरंभ से मध्यान तक कि दिनचार्य व्यवस्थित रहेगी लाभ की आशाएं भी बनी रहेंगी।
मीनः आज का दिन आपकी आशाओ के विपरीत रहने से मन मे नकारात्मक भाव आएंगे लेकिन आध्यात्म से जुड़ने का लाभ भी किसी ना किसी रूप में अवश्य ही मिलेगा।

सूर्योदय : 06:41, सूर्यास्त : 05:40, चन्द्रोदय : 14:45, चन्द्रास्तः :02:41, अयन : दक्षिणायणे (दक्षिण गोले), ऋतु : हेमन्त, शक सम्वत : 1947 (विश्वावसु), विक्रम सम्वतः : 2082 (सिद्धार्थी), मास : कार्तिक, पक्ष : शुक्ल, तिथि : एकादशी, नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपद, योग : व्याघात, प्रथम करण : गर (09:11 तक), द्वितीय करण : वणिज (20:27 तक)

॥ गोचर ग्रहाः ॥

सूर्य : तुला, चंद्र : कुम्भ, मंगल : वृश्चिक (उदित, पूर्व, मार्गी), बुध : वृश्चिक (उदय, पूर्व, मार्गी), गुरु : कर्क (उदित, पूर्व, मार्गी), शुक्र : कन्या (उदित, पश्चिम, मार्गी), शनि : मीन (उदय, पूर्व, वक्री), राहु : कुम्भ, केतु : सिंह।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) माउंट एडम्स, एक स्ट्रैटोवोल्केनो, किस देश में स्थित है?

2) भारत की भाषाई विरासत का जश्न मनाने के लिए प्रवासी परिचय 2024 का उद्घाटन कहाँ हुआ?

3) प्रकृति 2025 अंतरराष्ट्रीय कार्बन बाजार सम्मेलन कहां आयोजित किया गया था?

4) वर्तमान अनुमानों के अनुसार ब्रह्मांड की आयु कितनी है?

5) चीन के बाद पायलटों के लिए इलेक्ट्रॉनिक पर्सनल लाइसेंस लॉन्च करने वाला दूसरा देश कौन सा बन गया है?

उत्तरमाला- (1) संयुक्त राज्य अमेरिका (2) रियाद (3) नई दिल्ली (4) 13.7 अरब वर्ष (5) भारत

शब्द सागर

विविधता में एकता ही भारत की असली ताकत : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

- राष्ट्रनायकों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़े हमारी भावी पीढ़ी : मुख्यमंत्री साय
- मुख्यमंत्री ने दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ : स्कूली बच्चों, जनप्रतिनिधियों और आमजनों के साथ 'एकता दौड़' में हुए शामिल
- राष्ट्रीय एकता दिवस पर मुख्यमंत्री ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

रायपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय एकता दिवस सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के देवेंद्र नगर स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि वे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने वाले ऐसे युगपुरुष थे जिन्होंने अपने अदम्य साहस और दृढ़ निष्ठा से देश की रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत की नींव रखी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्कूली बच्चों, जनप्रतिनिधियों और आमजनों के साथ राजधानी रायपुर के शास्त्री चौक से शारदा चौक तक आयोजित 'एकता दौड़' में शामिल होकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल को उनकी दूरदृष्टि और अद्भुत नेतृत्व क्षमता के कारण ही 'भारत का लौह पुरुष' कहा जाता है। राष्ट्र को एकजुट करने के उनके प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर आज पूरे देश में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया जा रहा है, जो राष्ट्रीय एकता और अखंडता का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारत विविधताओं से परिपूर्ण देश है और 'विविधता में एकता' की भावना ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल सभी प्रतिभागियों के उत्साह और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि उनका यह जोश सरदार पटेल के प्रति श्रद्धा और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा दिए गए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को साकार करने का आह्वान किया और सभी को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन हमें राष्ट्रहित में समर्पण, संगठन और एकता का अमूल्य संदेश देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज देश सरदार पटेल के सपनों का सशक्त और एकजुट भारत बना रहा है।

कैबिनेट मंत्री एवं प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में एकता, सद्भाव और विकास के कार्यों को नई दिशा मिल रही है। सरदार पटेल के आदर्शों पर चलते हुए प्रदेश सरकार जनहित और सुशासन के संकल्प को साकार कर रही है। जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर ने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और नागरिकों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के मार्गदर्शन में

संक्षिप्त खबरें

गुजरात की धरती से देश ने देखा बस्तर का 'विकास'

रायपुर/नवप्रदेश। गुजरात के एकता नगर में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को आयोजित एकता परेड में इस वर्ष छत्तीसगढ़ की झांकी बस्तर की धरती-संस्कृति, सृजन और प्रगति की गाथा ने सभी का मन मोह लिया। यह झांकी छत्तीसगढ़ के जनजातीय जीवन, परंपराओं और विकास यात्रा का जीवंत प्रतीक बनकर उभरी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परेड में समिलित सभी झांकियों का अवलोकन किया और विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलकियों की सराहना की। प्रधानमंत्री की उपस्थिति में प्रदर्शित छत्तीसगढ़ की झांकी ने अपने सौंदर्य, प्रतीकात्मकता और सशक्त संदेश से सबका ध्यान आकर्षित किया। झांकी के अग्रभाग में पारंपरिक वेशभूषा में सजे माड़िया जनजाति के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत गौर नृत्य ने बस्तर की आन-बान और सामूहिकता की भावना को सजीव कर दिया। उनके पास रखी पारंपरिक तुरही बस्तर के पर्वों की गूंज और लोक उल्लास की प्रतीक बनी। वहीं, नंदी का चित्रण बस्तर की गहरी लोक आस्था और शिव उपासना की परंपरा को अभिव्यक्त करता नजर आया।

शिल्पकारों की कला-झांकी के मध्य भाग में बस्तर के विकास और परिवर्तन की यात्रा को कलात्मक रूप में दर्शाया गया। कभी नक्सलवाद से प्रभावित यह क्षेत्र अब शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। झांकी के अंतिम भाग में टोकरी लिए महिला की प्रतिमा बस्तर की स्त्री शक्ति, श्रम और सृजनशीलता का प्रतीक बनी। झांकी की ढोकरा शिल्पकला से की सजावट ने बस्तर के शिल्पकारों की कलात्मकता और परंपरागत कौशल को दर्शाया।

हत्या के दोषी को आजीवन कैद

रायपुर/नवप्रदेश। लेनदेन के विवाद में घर घुसकर महिला की हत्या करने वाले युवक को आजीवन कैद की सजा सुनाई गई है। प्रकरण की सुनवाई में अभियोजन पक्ष की ओर से अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत में 12 गवाहों के बयान करवाए गए। अतिरिक्त लोक अभियोजक रितेश कुमार अवस्थी ने बताया कि भिलाई के नेहरू नगर निवासी मोहमद सुल्तान (24साल) से प्रेमनगर गुढियारी निवासी मोहमद इस्माइल ने रकम उधार ली थी। इसे नहीं लौटाने पर सुल्तान 15 फरवरी 2023 की सुबह 8 बजे बातचीत करने के लिए आया था। इस दौरान इस्माइल की पत्नी इमराना खातून से विवाद होने पर सुल्तान ने चाकू से प्राणघातक हमला किया। इससे घटनास्थल पर उसकी मौत हो गई। सूचना पर गुढ़ियारी पुलिस ने आरोपी को गिरतार कर मामले की जांच करने के बाद 15 मई 2023 को कोर्ट में चालान पेश किया। जहां मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायाधीश ने आजीवन कैद से दंडित किया।

हाईकोर्ट के जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट के लिए आवेदन शुरू

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के अंतर्गत जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट एवं जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट (कप्यूटर) पदों के लिए लिखित भर्ती परीक्षा के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अभ्यर्थी व्यापमं की वेबसाइट से 25 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। त्रुटि सुधार 26 नवंबर से 28 नवंबर तक कर सकेंगे। परीक्षा 4 जनवरी को संभावित है। व्यापमं की ओर से प्रवेश पत्र 29 दिसंबर को जारी कर दिए जाएंगे। इसमें जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट के 124 और जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट (कप्यूटर) के 9 पदों की भर्ती की जाएगी। आवेदन के लिए जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट के लिए ग्रेजुएशन के साथ ही आईटीआई से एक साल का कप्यूटर डिप्लोमा कोर्स होना चाहिए। वही जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट (कप्यूटर) के लिए आवेदन के लिए अभ्यर्थी को ग्रेजुएशन होने के साथ ही पीजीडीसीए की भी डिग्री जरूरी है।

पीसीसीएफ मिश्रा बनाए गए ओएसडी

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय वन सेवा 1994 बैच के प्रधान मुय वन संरक्षक भू-प्रबंधन सुनील मिश्रा को एक साल की संविदा नियुक्ति पर वन विभाग मुयालय का ओएसडी बनाया गया है। 31 अक्टूबर को सेवानिवृत होने के कुछ घंटे बाद ही विशेष सचिव जेपी पाठक द्वारा इसका आदेश जारी किया गया है। बताया जा रहा है कि वे पूर्व की भांति पीसीसीएफ भू-प्रबंधन की जिमेदारी संभालते रहेंगे। इसका आदेश पृथक से जारी किया जाएगा। सेवानिवृति के बाद भू-प्रबंधन की जिमेदारी किसी को नहीं सौंपी गई है।

धरना प्रदर्शन पर टैक्स वसूलना तुगलकी फरमान

भाजपा सरकार के खिलाफ उठ रही आवाज कुचलने की नीति

तूता धरना स्थल से प्रतिबंध हटाये,धरना प्रदर्शन पर टैक्स लेने का आदेश वापस हो

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में धरना प्रदर्शन पर 500 रु. शुल्क एवं पंडाल लगाने पर 5 रू. स्केव्यर फीट शुल्क लेने और तुता धरना स्थल पर आंदोलन की रोक को भाजपा सरकार का लोकतंत्र विरोधी कृत्य बताते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार ने तुता धरना स्थल नवा रायपुर में आंदोलन पर रोक एवं रायपुर शहर में धरना प्रदर्शन पर 500 रु टैक्स लगाने का तुगलकी फरमान जारी किया है। 21 महीने में सरकार आलोकप्रिय चुकी है। भाजपा सरकार की वादाखिलाफ एवं असफलता को लेकर आम जनता, युवा, महिलाये, किसान, शासकीय कर्मचारी, ट्रांसपोर्ट वाहन चालको में गहरी नाराजगी है। आंदोलन से जनता का आक्रोश सड़को पर दिख रहा है, जिसे घबराई भाजपा सरकार अब लोकतंत्र का गला घोंट रही है। सरकार के खिलाफ उठ रही विपक्ष और जनता की आवाज को कुचलेने के लिए भाजपा सरकार ने तुगलकी फरमान जारी किया है। इसे तत्काल वापस लिया जाये।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह एवं महापौर मीनल चौबे से पूछा जब वह विपक्ष में थे, तब आंदोलन करते थे तो क्या वह 5 रू. प्रति फीट के हिसाब से टैक्स का भुगतान करते थे? फिर आज उनकी ट्रिपल इंजन की सरकार रायपुर में प्रदर्शन पर टैक्स लेने का फरमान कैसे जारी कर दिया? क्या भाजपा सरकार प्रदेश को हिटलर शाही से चलाना चाहती है विपक्ष और जनता की आवाज को दबाना चाहती है आखिर सरकार में इतना डर क्यों है? भाजपा सरकार में तो आंदोलनकारियो को प्रताड़ना झेलना पड़ रहा है। जिस प्रकार से कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ आंदोलन करने पर गंभीर धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया जा रहा है उन्हें जेल में बंद किया जा रहा है। आंदोलन कर रहे दिव्यांगजनों को आधी रात को अभनपुर के थाना क्षेत्र में ले जाकर तालाबंदी कर दिया गया। एनएचएम के कर्मचारियों को डराया धमकाया गया। भाजपा के तानाशाही से न विपक्ष डरेगी न जनता हम लोकतंत्र के तहत मिले आंदोलन के अधिकारों का उपयोग करते हुए भाजपा की तानाशाही सरकार के खिलाफ सड़कों पर आंदोलन करेंगे।

आज हनुमान मंदिर से खाटू श्याम तक निकलेगी निशान यात्रा

रायपुर/नवप्रदेश। गुढ़ियारी के हनुमान मंदिर से श्री खाटू श्याम मंदिर समता कॉलोनी तक 51वीं भव्य निशान (ध्वज) रथ यात्रा देवउठनी एकादशी (तुलसी पूजा) 2 नवंबर को निकलेगी। यह यात्रा विगत 4 वर्ष 3 माह से अनवरत प्रत्येक महीने की शुक्ल पक्ष एकादशी को सुबह 6.30 बजे निकली जाती है। इस यात्रा का उद्देश्य भक्तों द्वारा अपने संकल्प और मनोकामनाओं को बाबा के चरणों में अर्पित करना है। यात्रा के दौरान भक्त भजन-कीर्तन करते हाथों में निशान लिए मंदिर तक पहुंचते हैं।

पीएम मोदी ने पद्म विभूषण तीजन बाई और विनोद कुमार शुक्ला का जाना हाल

परिवार से की बात

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के 25वें स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को नवा रायपुर पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने राज्य के सांस्कृतिक धरोहरों पद्म विभूषण प्राप्त पंडवानी गायिका तीजन बाई के परिवार से फोन पर बात की और उनकी सेहत का हाल जाना। साथ ही, पद्म भूषण से सम्मानित ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता लेखक विनोद कुमार शुक्ला से भी संपर्क कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। यह संवेदनशील कदम राज्य के सिल्वर जुबली समारोह को सांस्कृतिक गहराई प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री ने तीजन बाई की बहू वेणु देशमुख से करीब डेढ़ मिनट तक बातचीत की। वेणु ने बताया कि 78 वर्षीय तीजन बाई लंबे समय से पैरालिसिस और डायबिटीज से जूझ रही हैं। वे बिस्तर पर ही हैं और ठोस भोजन न खा पाने के कारण केवल सूप पर निर्भर हैं। वेणु ने पीएम से भावुक अपील की कि परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण सरकार किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान करे। उन्होंने कहा, 'तीजन बाई ने पंडवानी लोककला को अंतरराष्ट्रीय पटल पर पहचान दिलाई है, लेकिन अब परिवार का गुजारा मुश्किल है।' मोदी ने चिंता जताते हुए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया और तीजन बाई के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इसी क्रम में, 90 वर्षीय विनोद कुमार शुक्ला से भी पीएम ने सीधे बात की। शुक्ला, जो एमएमआई नारायण मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के आईसीयू में श्वसन संबंधी गंभीर समस्या से पीड़ित हैं, ने कमजोर आवाज में कहा, 'लेखन मेरे लिए सांस लेने जैसा है। मैं जल्द घर लौटना चाहता हूं और फिर कलम उठाना चाहता हूं।' उन्होंने अपनी रचनाओं 'नागराज', 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' और 'नौकर की कमीज' का जिक्र किया, जो जादुई यथार्थवाद की मिसाल हैं। मोदी ने शुक्ला की बहादुरी की सराहना की और पूर्ण स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की।

केआईआईटी, फिडे और एआईसीईएफकी आपसी सहयोग से भारत में शतरंज को बढ़ावा देंगे

भुवनेश्वर/नवप्रदेश। केआईआईटी-डीयू ने फिडे और ऑल इंडिया चेस फेडरेशन के साथ गोवा में एक ऐतिहासिक समझौता पर हस्ताक्षर किया गया । इसके तहत जनवरी 2026 में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सोशल एंड एजुकेशनल चेस का आयोजन किया जाएगा।

यह आपसी सहयोग केआईआईटी , कीस विश्वविद्यालय और ओडिशा के लिए गर्व का क्षण है। यह वैश्विक खेल संस्थाओं के इन संस्थानों पर दृढ़ विश्वास और शिक्षा के माध्यम से खेल को सशक्त बनाने की उनकी सोच को दर्शाता है। कीट और कीस ने हमेशा से खेल - कूद के प्रति , खेल भावना, अनुशासन और उत्कृष्टता को शिक्षा के साथ जोड़कर हमेशा बढ़ावा देते आ रहा है।

वर्षों से केआईआईटी ने कई अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों – जैसे एफआईवीबी (वॉलीबॉल), फीफा (फुटबॉल) और कई राष्ट्रीय महासंघों – के साथ साझेदारी की है ताकि खेल शिक्षा और प्रशिक्षण में वैश्विक मानकों को स्थापित किया जा सके। अब विश्व की सर्वोच्च शतरंज संस्था फिडे के साथ यह साझेदारी इस यात्रा में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ती है।

कीट और कीस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत ने कहा, हमें फिडे के अध्यक्ष श्री अर्कांडी द्वोरकोविच, ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद , एआईसीईएफ के अध्यक्ष श्री नितिन नारंग और अन्य सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दिखाए गए गहरी विश्वास से सम्मानित् महसूस हो रहा है। शिक्षा, खेल और सामाजिक परिवर्तन को एक साथ लाने के हमारे विज़न की सराहना दो पद हमारे लिए बहुत मायने रखती है। उन्होंने फिडे और एआईसीईएफ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह साझेदारी शतरंज को शिक्षा, समावेशी और सशक्तिकरण के एक प्रभावी माध्यम के रूप में बढ़ावा देगी।

राज्योत्सव पर मंडराए बारिश के बादल

रायपुर/नवप्रदेश। एक नवंबर को होने वाले राज्योत्सव में बारिश खलल डाल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को राजधानी व आसपास हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। अधिकतम तापमान 29 व न्यूनतम तापमान 24 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। दूसरी ओर पिछले 24 घंटे में प्रदेश के कई इलाकों में भारी से अति भारी बारिश हुई है। इससे धान व सब्जी को भारी नुकसान पहुंचा है।

राजधानी में शुक्रवार को रुक-रुककर फुहारें पड़ती रहीं। दोपहर बाद तेज बारिश भी हुई। हालांकि लालपुर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र में सुबह साढ़े 8 से शाम 5 बजे तक महज 0.2 मिमी बारिश रिकार्ड हुई है। वहीं रात में बूंदाबांदी का रिकार्ड दर्ज है। बारिश व बादल के कारण अधिकतम तापमान सामान्य से 2.1 डिग्री कम 28.8 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 23.7 डिग्री रहा, जो सामान्य से 3.8 डिग्री ज्यादा रहा।

24 घंटे में यहां हुई बारिश

साल्हेवारा में 8, रेंगाखारकला, सूरजपुर व सोनहत में 6-6 सेमी पानी गिरा। सामरी, चांदो, कुसमी, लटोरी, रामानुजगंज, प्रतापपुर में 5-5, कुकदुर, कटघोरा, बोड़ला, दौरा कोचली, भैयाथान में 4-4, अंबिकापुर, कवर्धा, पटना, पिपरिया, रामानुजनगर, वाड्रफनगर, खड़गवां, पेंड्रारोड, छुईखदान, केल्हारी, औंधी, दुर्गकोंदुल, लोरमी, गंडई व अनेक स्थानों पर 3-3 सेमी पानी बरसा।

प्रदेश में अक्टूबर में 80 फीसदी ज्यादा बारिश

प्रदेश में अक्टूबर में 80 फीसदी ज्यादा बारिश हुई है।

अमित जोगी ने कांग्रेस हाई कमान से मिनी माता के नाम को बचाने और पीएम के कार्यक्रम के बहिष्कार की मांग की

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के जनता कांग्रेस (जे) के नेता अमित जोगी ने आज कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि नए विधानसभा भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में 'मिनी माता' के नाम को हटाए जाने के विरोध में पार्टी को औपचारिक रूप से बहिष्कार का आह्वान करना चाहिए।

जोगी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, और एआईसीसी प्रभारी सचिन पायलट को भेजे एक पत्र में कहा कि यह मुद्दा सिर्फ एक भवन के नाम का नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की अस्मिता, दलित सम्मान और कांग्रेस की ऐतिहासिक विरासत से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने अपने पत्र में इस बात पर प्रकाश डाला कि 2 दिसंबर, 2002 को स्वर्गीय अजीत जोगी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने ही विधानसभा भवन का नाम मिनी माता के नाम पर रखने का ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया था। बाद में, 11 अगस्त, 2020 को भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने ही 'मिनी माता भवन' की आधारशिला राहुल गांधी की उपस्थिति में रखी थी। 24 मार्च, 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी अपने संबोधन में इस भवन को 'मिनी माता भवन' के नाम से ही संबोधित किया था।

जोगी ने जोर देकर कहा, विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह द्वारा जारी निमंत्रण में 'मिनी माता' नाम का जानबूझकर हटाया जाना एक सुनियोजित षड्यंत्र है, जो दलित नेतृत्व और नारी सशक्तिकरण के प्रतीकों को मिटाने की मानसिकता को दर्शाता है। ऐसे में, किसी भी कांग्रेस नेता द्वारा इस कार्यक्रम में शामिल होना न केवल पार्टी के सिद्धांतों के विपरीत होगा, बल्कि छत्तीसगढ़ की जनता की भावनाओं का सीधा अपमान होगा।

कारोबारी की कार से 2 लाख चुराने वाला सिपाही बर्खास्त

रायपुर/नवप्रदेश। कारोबारी की कार चेकिंग के दौरान नकदी चुराने वाले सिपाही प्रशांत शुक्ला को बर्खास्त कर दिया गया है। मामले की जांच के बाद एसएसपी ने यह कार्रवाई की है। उल्लेखनीय है कि दुर्ग के कारोबारी मयंक गोस्वामी 18 अक्टूबर की रात धमतरी से अपने घर लौट रहे थे। उनकी कार में 10 लाख रुपए थे। हवाला कारोबार के संदेह में रायपुर से क्राइम ब्रांच की टीम उसका पीछा कर रही थी।टीम में शामिल सिपाही प्रशांत शुक्ला, धनंजय गोस्वामी, प्रमोद वट्टी, अमित, वीरेंद्र भार्गव आदि कारोबारी के घर तक पहुंचे। इसके बाद उनकी कार की तलाशी लेने लगे। इस दौरान प्रशांत ने उनकी कार में रखी रकम में से 2 लाख रुपए निकाल लिए। रकम अपनी जेब में डाल ली। कुछ देर बाद टीम पूछताछ करके वापस चली गई।रकम गायब होने की जानकारी कारोबारी को सुबह हुई। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज की जांच की। इसमें प्रशांत रकम चुराते हुए नजर आया। इसकी शिकायत उन्होंने दुर्ग एसपी विजय अग्रवाल को की। एसपी अग्रवाल ने पूरे मामले की जांच के बाद रिपोर्ट रायपुर एसएसपी डॉक्टर लाल उमेद सिंह को सौंप दी। इसकी जानकारी होते ही प्रशांत को सस्पेंड कर दिया गया। साथ मामले की जांच कराई गई। जांच में रकम चुराना साबित होने के बाद एसएसपी डॉक्टर सिंह ने उसे बर्खास्त कर दिया है।

ऑटोमोबाइल के विद्यार्थियों का औद्योगिक भ्रमण

अंतागढ़ / नवप्रदेश। ऑटोमोबाइल के विद्यार्थियों को औद्योगिक भ्रमण में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कलगांव अंतागढ़ -आज दिनांक 31/10 /2025 को शहीद राजेश पवार शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंतागढ़ के विद्यार्थियों को ऑटोमोबाइल ट्रेड में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कलगांव अंतागढ़ जिला उत्तर बस्तर कांकेर का भ्रमण कराया गया इसका प्रमुख उद्देश्य बच्चों को प्रायोगिक जानकारी उपलब्ध कराना है औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के प्राचार्य अनिल कुमार खनडेकर ने अपने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में संचालित डीजल मैकेनिक व फीटर व्यवसाय में बच्चों को वर्क शॉप ले जाकर समझाने के लिए कहा गया। डीजल मैकेनिक के प्रशिक्षण अधिकारी एच एम नाग सर के द्वारा बच्चों को बेसिक जानकारी उपलब्ध कराई गई। पेट्रोल इंजन व डीजल इंजन से चलने वाले वाहनों के विभिन्नताओं के बारे में बताया गया ,संस्था के फिटर व्यवसाय के प्रशिक्षण अधिकारी राजेश कुमार उपाध्याय के द्वारा ड्रिल मशीन ,वेल्डिंग मशीन एवं लेथ मशीन की जानकारी बच्चों को साझा की गई । लेथ मशीन, वेल्डिंग मशीन के कार्य के बारे में बच्चों को बताएं तथा भविष्य में आप व्यावसायिक में आगे औद्योगिक संस्था में कैसे कार्य करेंगे और बच्चों के द्वारा सर से प्रश्नोत्तरी भी किया गया जिनका बच्चों को सरलता पूर्वक उत्तर प्राप्त हुआ ।औद्योगिक भ्रमण में शहीद राजेश पवार शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंतागढ़ के प्राचार्य के निर्देशानुसार यह कार्य संपन्न कराया गया संस्था के प्राचार्य चंदन सिंह ठाकुर ,शर्मिला रानी कुमार, मधुसूदन यदु, राजरत्ना मौर्य, मोहिंदर सिंह जुर्री , चन्द्र कुमार ध्रुव,माखन सिंह वटटी,चेतन लाल ठाकुर, रुद्र प्रताप सोनी, गजेन्द्र कुमार साहू,गीतिका नाग, मुकेश कुमार अलेनिया,झरना साहू,गोदावरी गौर, करिश्मा ठाकुर,सुरेश कुमार बारले, प्रियंका सहारे , एवं ऑटोमोबाइल व्यावसायिक प्रशिक्षक देवेंद्र कुमार साहू आदि उपस्थित रहे।

कश्यप जयंती पर केशरवानी समाज की निकली भव्य शोभायात्रा

सारंगढ़ / नवप्रदेश। कश्यप जयंती पर केशरवानी समाज के द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई । यह शोभा यात्रा केशरवानी धर्मशाला से आरंभ होकर नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए निकली । शोभायात्रा में समाज के सैकड़ों महिला पुरुष पारंपरिक परिधानों में शामिल हुए और जयकारों के साथ माहौल को धार्मिक रंग में रंग दिया । जगह-जगह समाज जनों एवं स्थानीय नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया । आज़ाद चौक पर अग्रसेन सेवा संघ की ओर से विशेष स्वागत किया गया । संघ के सदस्यों ने समाज के लोगों को ठंडा पेयजल और मिष्ठान वितरित कर सेवा भावना का परिचय दिया । शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई केशरबानी धर्मशाला में जाकर समाप्त हुई , जहां सामूहिक पूजा - अर्चना एवं प्रसाद वितरण किया गया । समाज के पदाधिकारियों व देवेंद्र केशरबानी ने इस आयोजन को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत रखने का प्रतीक बताया ।

सारंगढ़ में आज होगा जिला स्तरीय राज्योत्सव का शुभारंभ

सारंगढ़ बिलाईगढ़ / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के 25 वर्ष पूर्ण होने पर राज्य और जिला स्तर पर रजत जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे के निर्देशन में सारंगढ़ के खेलभांठा मैदान में जिला स्तरीय कार्यक्रम 2 नवंबर से 4 नवंबर तक किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 2 नवंबर को शाम 4 बजे मुख्य अतिथि रायगढ़ लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, विशिष्ट अतिथि राजस्व, आपदा प्रबंधन, उच्च शिक्षा एवं जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा, वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी ओपी चौधरी, जांजगीर चांपा लोकसभा सांसद, विधायक सारंगढ़ उत्तरी गनपत जांगड़े, विधायक बिलाईगढ़ कविता प्राण लहरे, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय, उपाध्यक्ष अजय जवाहर नायक एवं जिले के समस्त जनपद पंचायत अध्यक्षों, जिला पंचायत सदस्यों, जनपद पंचायत सदस्यों, नगरीय निकाय के सदस्यों की उपस्थिति में किया जाएगा। शुभारंभ के बाद स्टॉल अवलोकन और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिले के चिन्हित विभाग अपने स्टॉल के माध्यम से अपने विभागीय योजनाओं की जानकारी सहित योजना से जुड़े हितग्राहियों को सामग्री वितरण, प्रतीकात्मक चेक आदि अतिथियों के करकमलों से प्रदान किया जाएगा।

राज्योत्सव पर रोजगार का सुनहरा अवसर

बलरामपुर / नवप्रदेश। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले तीन दिवसीय राज्योत्सव में 03 नवम्बर 2025 को प्रातः 11 बजे हाई स्कूल ग्राउंड बलरामपुर में रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेला में शिक्षित बेरोजगार युवाओं को प्रतिष्ठित संस्थान एस.बी.आई. लाइफ इंश्योरेंस, इंफोटेक इंडिया प्रा.लि. रायपुर, महावीर ट्रैक्टर बलरामपुर, एस.आई.एस. सिक्योरिटी गार्ड, स्वतंत्र माइक्रोफिन प्रा.लि. द्वारा विभिन्न पदों पर चयन कर रोजगार प्रदान किया जायेगा। जिसमें लाईफ मित्र, सेल्स एग्जीक्विटीव, टीम मैनेजर, ग्राम पंचायत प्रोडक्ट एडवाइजर, सेल्स बॉय, सुरक्षा जवान, सुपरवाइजर, फील्ड ऑफिसर एवं कलेक्शन ऑफिसर सहित कुल 653 पदों पर भर्ती की जाएगी। आवेदक इन सभी पदों के लिए ई-रोजगार पोर्टल एवं सीजी रोजगार एप के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के पश्चात आवेदक साक्षात्कार हेतु अपना संपूर्ण शैक्षणिक दस्तावेज के साथ निर्धारित स्थान एवं तिथि को उपस्थित होकर रोजगार प्राप्त सकते हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र बलरामपुर व मोबाइल नम्बर 07831299158, 7587720774 पर संपर्क किया जा सकता है।

कलेक्टर डॉ. कन्नौजे के समक्ष दी गई मास्टर ट्रेनरों को एसआईआर प्रशिक्षण

4 नवंबर से 4 दिसंबर तक होगा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण

घर-घर जाकर बीएलओ करेंगे मतदाताओं से संपर्क

सारंगढ़ बिलाईगढ़ / नवप्रदेश। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मद्देनजर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले के जिला निर्वाचन मास्टर ट्रेनर द्वारा सारंगढ़, बरमकेला और बिलाईगढ़ ब्लॉक के निर्वाचन मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश सर्वे, निर्वाचन पर्यवेक्षक हरिकिशन डनसेना, कुंजबिहारी गहरे आदि उपस्थित थे।

जिला मास्टर ट्रेनर चूड़ामणि गोस्वामी ने कहा कि बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अपने क्षेत्र में निर्वाचन के इस कार्य को शुरू करने के पहले अपने क्षेत्र के विभिन्न राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों को सूचना दें कि इस अवधि तक यह कार्य इस क्षेत्र में करने जा रहे हैं। बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं से मिलकर उन्हें इस एसआईआर की जानकारी देंगे फिर गणना पत्रक में मतदाता के नवीनतम फोटो चिपकाना होगा। दो गणना पत्रक में एक फार्म भरकर बूथ लेवल अधिकारी के पास जमा किया जाना है और एक पत्रक मतदाता के पास रहेगा। गणना पत्रक में मतदाता का प्रारंभिक जानकारी देना होगा। फिर प्रपत्र के नीचे बायीं ओर वर्ष 2023 में विशेष गहन पुनरीक्षण किए गए यदि मतदाता का नाम हो, तब उसकी जानकारी भरी जाएगी। यदि जानकारी नहीं है तो उस कॉलम को छोड़ा (रिक्त) जाएगा। दायीं ओर उस मतदाता के माता-पिता, (रिश्तेदार दादा, चाचा) का नाम यदि वर्ष 2023 के विशेष गहन पुनरीक्षण किए गए सूची में हो तो उस कॉलम में दर्ज करेंगे। यदि मतदाता और मतदाता के रिश्तेदारों का वर्ष 2023 के विशेष गहन पुनरीक्षण किए गए सूची में नाम दर्ज नहीं है तो उन्हें 13 बिन्दु के दस्तावेज, घोषणा पत्र के साथ भरकर जमा करना होगा। जिला मास्टर ट्रेनर एस आर अजय ने प्रशिक्षण में एसआईआर के कार्यक्रम अवधि की जानकारी दी गई।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अवधि

1 मुद्रण-प्रशिक्षण कार्य 28.अक्टूबर .2025 से 03.नवंबर .2025 तक
2 घर घर गणना चरण अवधि (घर-घर जाकर सत्यापन) कार्य 04.नवंबर.2025 से 04.दिसंबर .2025 तक
3 मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन 09.दिसंबर 2025
4 दावे और आपत्ति की अवधि 09.दिसंबर 2025 से 08.जनवरी 2026 तक
5 नोटिस चरण (सुनवाई और सत्यापन) 09.दिसंबर 2025 से 31.जनवरी .2026
6 मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 07.फरवरी 2026

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का कलेक्टर ने निरीक्षण कर मरीजों का हाल जाना

- कलेक्टर ने हॉस्पिटल के जीर्णोद्धार और विकास कार्यों का जायजा लेकर जनवरी तक पूर्ण करने के निर्देश दिए

सारंगढ़ बिलाईगढ़ / नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलाईगढ़ का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर ने सोनोग्राफी सेंटर, एक्स-रे रूम, फॉर्मेसी कक्ष सहित विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने वहां चल रहे सभी निर्माणाधीन विकास कार्यों को जायजा लेकर अधिकारियों को जनवरी 2026 तक पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने, मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार करने तथा गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने बिलाईगढ़ अस्पताल में इलाज कराने आए मरीजों से भी चर्चा कर उनका हालचाल जाना। मरीजों से डॉक्टरों की समय पर उपस्थिति एवं उपचार की गुणवत्ता की जानकारी भी ली।

उन्होंने कहा कि ÷इस अस्पताल को हम प्राइवेट अस्पतालों की तर्ज पर विकसित कर रहे हैं ताकि मरीजों को सभी सुविधाएँ एक ही स्थान पर मिल सकें।

सोनोग्राफी मशीन शुरू

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देश पर छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कार्पोरेशन की ओर से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलाईगढ़ को प्राप्त सोनोग्राफी मशीन को एक माह पूर्व से चालू किया गया है। इससे मरीजों को इलाज कराने में मदद मिलेगी।

गोपालपुर समिति के किसान पंजीयन का लिया जायजा

धान खरीदी कार्य में किसी प्रकार की रुकावट को शीघ्र दूर करने के दिए निर्देश कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने बिलाईगढ़ विकासखंड के ग्राम गोपालपुर के सहकारी समिति का आकस्मिक निरीक्षण किया और वहां एग्रीस्टेक के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। कलेक्टर ने इस समिति में उपस्थित किसानों से उनके एग्रीस्टेक पंजीयन की पूर्णता के बारे में पूछताछ किया। कलेक्टर ने पटवारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, तहसीलदार और एसडीएम से निर्देश दिए कि किसानों के धान खरीदी कार्य में किसी प्रकार की रूकावट बाधा को शीघ्र निराकरण करें। इस दौरान एसडीएम प्रफुल्ल रजक, डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, तहसीलदार कमलेश और देवराज सिदार उपस्थित थे।

राजस्व सेवा में बढ़ती गति और सुविधा - कोरबा जिले की 25 वर्षों की उपलब्धि

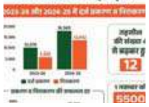

कोरबा / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन वर्ष 2000 में कोरबा जिले में मात्र चार तहसीलें - कोरबा, करतला, कटघोरा और पाली ही हुआ करती थीं। उस समय सीमित प्रशासनिक ढांचे के कारण ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अपने राजस्व प्रकरणों के समाधान के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। प्रकरणों की अधिकता और सीमित संसाधनों के कारण न्याय मिलने में भी देरी होती थी।

बीते 25 वर्षों की विकास यात्रा में कोरबा जिले ने प्रशासनिक विस्तार और जनता की सुविधा की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। बढ़ती जनसंख्या और ग्रामीण अंचलों की जरूरतों को देखते हुए राज्य सरकार ने लगातार नई तहसीलों का गठन किया। आज जिले में कुल 12 तहसीलें कार्यरत हैं- कोरबा, करतला, कटघोरा, पाली, पोड़ीउपरोड़ा, अजगरबहार, भैसमा, बरपाली, दर्री, दीपका, हरदीबाजार और पसान। विगत वर्षों में बनी नई तहसीलों ने राजस्व सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है।

नई तहसीलों के गठन वर्षः पोड़ीउपरोड़ा -2008, हरदीबाजार - 2020, दर्री -2020, अजगरबहार - 2022, भैसमा - 2022, बरपाली - 2022, दीपका - 2022, पसान - 2022, इन नई तहसीलों के गठन से न केवल ग्रामीणों की प्रशासनिक पहुंच आसान हुई, बल्कि राजस्व मामलों के निपटारे में भी तेजी और पारदर्शिता आई है। कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा राजस्व के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए न सिर्फहर 15 दिनों में राजस्व अधिकारियों की बैठक ली जाती है ।

सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज के मुख्य आतिथ्य में होगा राज्योत्सव कार्यक्रम

बलरामपुर / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस एवं रजत जयंती 2025 के अवसर पर जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम का आयोजन 02 से 04 नवम्बर तक सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज के मुख्य आतिथ्य में जिला मुख्यालय के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया जा रहा है। कार्यक्रम में विशिष्ट आतिथि के रूप में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मछली पालन एवं पशुपालन विकास मंत्री रामविचार नेताम, सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा, प्रतापपुर विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरामुनी निकुंज, उपाध्यक्ष धीरज सिंहदेव, जनपद पंचायत बलरामपुर अध्यक्ष सुमित्रा चेरवा, नगरपालिका अध्यक्ष लोधीराम एक्का शामिल होंगे। इसके साथ ही राज्य स्थापना दिवस पर स्थानीय प्रस्तुतियों के साथ आमंत्रित कलाकारों द्वारा संध्याकालीन प्रस्तुति दी जाएगी।

राज्यपाल 3 नवम्बर को बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के प्रवास पर

बलरामपुर / नवप्रदेश। जिला अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं के प्रगति की करेंगे समीक्षा

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका 03 नवम्बर को बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के प्रवास पर रहेंगे। प्रवास के दौरान राज्यपाल द्वारा संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में चल रही शासकीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी के हाथों सम्मानित हुए बलरामपुर के कृष्णा पहाड़ी कोरवा

- पीएम जनमन योजना के तहत पहला आवास हितग्राही जिसे पीएम के हाथों सम्मानित होने का मिला अवसर

बलरामपुर / नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25वें वर्षगांठ पर आयोजित रजत जयंती समारोह का मंच उस समय तालियों से गूंज उठा, जब बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के ग्राम गोविंदपुर (सरगढ़ी) के विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय के कृष्णा पहाड़ी कोरवा को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर-कमलों से सम्मानित होने का अवसर प्राप्त हुआ।कृष्णा और उनकी पत्नी दोनों दृष्टिबाधित हैं। जीवन की चुनौतियों और सीमित संसाधनों के बीच भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। वर्ष 2023-24 में उन्हें प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत पक्का मकान स्वीकृत हुआ।

संकल्प और श्रम से उन्होंने उस आवास को स्वयं के प्रयासों से पूरा किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कराया 3.51 लाख आवासों का वर्चुअल गृहप्रवेश

- बलरामपुर जिले के 16 हजार से अधिक परिवारों ने पक्के घर में रखा पहला कदम

बलरामपुर / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस एवं रजत जयंती महोत्सव के ऐतिहासिक अवसर पर आज राजधानी रायपुर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत 3 लाख 51 हजार लाभार्थियों के पक्के घरों का सामूहिक गृहप्रवेश कराया। यह आनंद का क्षण है जब हजारों परिवारों ने अपने सपनों के घर में प्रवेश कर अपने पक्के घर का सपना साकार होते देखा। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में भी उत्सव जैसा माहौल है, जहां जिले के 16 हजार 760 हितग्राहियों को नए आवासों का सामूहिक गृहप्रवेश ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से संपन्न हुआ। ग्रामीणों ने अपने खुशी के इस अवसर को परिवार और पड़ोसियों के साथ साझा किया।

जिले के सभी विकासखंडों में हजारो परिवारों का सपना हुआ साकारजिले के सभी विकासखंडों में सामूहिक गृहप्रवेश के कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसके अंतर्गत विकासखंड बलरामपुर में 2643 आवास, कुसमी में 2542 आवास, राजपुर में 2103 आवास, रामचंद्रपुर में 4084 आवास, शंकरगढ़ में 1706 आवास, तथा वाड्रफनगर में 3682 आवास लाभार्थियों का गृहप्रवेश कराया गया। इन सभी हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से चाबी सौंप खुशियां साझा की गई। जहां ग्राम पंचायत में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीण उत्सव के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए।

जनपद पंचायत वाड्रफनगर के ग्राम पंचायत सुलसुली में विकासखंड स्तरीय गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य, सरपंच एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 05 आवास हितग्राहियों को पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया गया और प्रतीकात्मक चाबी प्रदान कर उनका गृह प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर लाभार्थी रुकल ग्राम सुलसुली निवासी ने भावुक होकर कहा हम वर्षों से मिट्टी के घर में रह रहे थे। तब हमने बहुत परेशानी का सामना किया। आज प्रधानमंत्री आवास योजना की वजह से हमें पक्का घर मिला है, यह हमारे लिए उपहार है। इसके लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हैं, जिन्होंने हम गरीबों को अपना सपना समझ पूरा करने में मदद की। कार्यक्रमों में उत्साह देखने को मिला जहां नए घर की चाबी हाथ में आते ही अनेक जन भावविभोर हो गए।

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर मिला आवास का उपहार

राज्य स्थापना दिवस और रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर आयोजित यह गृहप्रवेश कार्यक्रम छत्तीसगढ़वासियों के लिए आवास पर्व साबित हुआ। राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने पर जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से लाखों हितग्राहियों को गृहप्रवेश कराया जहां हर गांव, हर घर में खुशियों की लहर है। जिले में भी आज का दिन ऐतिहासिक बन गया जब हजारों परिवारों ने अपने नए घर की चौखट पर कदम रखकर नए जीवन की शुरुआत की। यह बढ़ते विकास और नए भारत की झलक है।

प्रथम पेज का शेष

अगले 25 साल के नए...

आती थी, वहां आज इंटरनेट तक पहुंच चुका है। कुछ परिवारों के लिए गैस सिलेंडर सपना होता था। अमीर के घर सिलेंडर आता था तो गरीबों को लगता था कि मेरे घर यह कम आएगा। गैस कनेक्शन आज घर-घर तक पहुंच गया है। अब पाइप के जरिए घर-घर तक सस्ती गैस पहुंचाने का संकल्प लिया है।

माता-बहनों को ...

से मुक्ति दिलाने का संकल्प लिया। आज इसके नतीजे देश देख रहा है। 11 साल पहले देश के सवा 100 जिले माओवादी आतंक के चपेट में थे। अब सवा 100 जिलों में से सिर्फतीन जिले ही बचे हैं, जहां माओवादी आतंक का आज भी थोड़ा रुबाब चलाने की कोशिश हो रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने की...

जैसी संस्था की बहुत बड़ी भूमिका है। मैं बीते कई दशकों से आप सबके साथ जुड़ा हुआ हूं। मैंने इस आध्यात्मिक आंदोलन के विस्तार को देखा हैपीएम मोदी ने कहा, मैंने इस आध्यात्मिक आंदोलन को वटवृक्ष की तरह विस्तार लेते हुए देखा है। 2011 में अहमदाबाद में 'फ्यूचर ऑफपावर' कार्यक्रम, 2012 में संस्था की स्थापना के 75 वर्ष, 2013 में प्रयागराज का कार्यक्रम, आबू जाना हो या गुजरात के कार्यक्रमों में जाना मेरे लिए रूटीन-सा हो गया था। उन्होंने कहा कि चाहे 'आजादी का अमृत महोत्सव' हो या 'स्वच्छ भारत' अभियान, जब भी मैं आया हूं, मैंने यहां के प्रयासों को बड़ी ईमानदारी से देखा है।

तीन दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन आज से

कोरबा / नवप्रदेश। जिला प्रशासन द्वारा छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस रजत जयंती वर्ष के अवसर पर तीन दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन घंटाघर ओपन आडिटोरियम परिसर में 02 नवंबर से 04 नवंबर तक किया जा रहा है। राज्योत्सव का शुभारंभ 02 नवंबर को शाम 7 बजे वाणिज्य श्रम व उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत करेंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में कटघोरा विधायक श्री प्रेमचंद पटेल, रामपुर विधायक श्री फूलसिंह राठिया, पाली-तानाखार विधायक श्री तुलेश्वर हीरा सिंह मरकाम आदि।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर जिलेभर में दिखा देशभक्ति का ज़ज्बा

■ **सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और नागरिकों ने ली एकता की शपथ**

मनेन्द्रगढ़ / नवप्रदेश। भारत के लौह पुरुष और स्वतंत्र भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आज जिलेभर में राष्ट्रीय एकता दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रशासन, पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, नागरिक तथा विद्यार्थी एक स्वर में देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के संकल्प के साथ आगे आए।

कलेक्टर ने दिलाई एकता की शपथ-

मुख्य समारोह कलेक्टोरेट परिसर स्थित कलेक्टर न्यायालय कक्ष में आयोजित हुआ, जहां कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने जिला कार्यालय के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने 562 रियासतों को एकीकृत कर आधुनिक भारत की मजबूत नींव रखी थी।

कलेक्टर ने कहा ÷एकता केवल शब्द नहीं, बल्कि राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है। प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करते हुए समाज में सद्भाव, भाईचारे और सहयोग की भावना बनाए रखनी चाहिए।÷

विभागों ने दिखाई सक्रिय सहभागिता-

राष्ट्रीय एकता दिवस पर जिले के सभी प्रमुख विभागों जिला पंचायत, नगर निगम, राजस्व, पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, वन, आदिवासी विकास एवं कृषि विभाग में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस लाइन, चिरमिरी में पुलिस अधीक्षक ने जवानों को एकता शपथ दिलाई। वहीं जिला चिकित्सालय में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नेतृत्व में स्वास्थ्य कर्मियों ने देश की एकता और अखंडता की रक्षा का संकल्प लिया। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं ने ग्राम स्तर पर एकता शपथ लेकर राष्ट्रीय एकजुटता के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की।

शैक्षणिक संस्थानों में उत्सव जैसा माहौल

जिले के विद्यालयों और महाविद्यालयों में भी एकता दिवस पर उत्सवपूर्ण वातावरण रहा। विद्यार्थियों ने ÷रन फॉर यूनिटी÷ (एकता दौड़) में भाग लेकर सरदार पटेल को नमन किया। शिक्षकों ने उनके जीवन, संघर्ष और योगदान पर प्रकाश डाला। एनएसएस एवं एनसीसी इकाइयों, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों तथा महाविद्यालयों में निबंध लेखन, भाषण और चित्रकला प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

नगर निगम और पंचायत स्तर पर भी आयोजन

नगर निगम मनेन्द्रगढ़ और जनपद पंचायतों में भी शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित हुए, जहाँ जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने एकता और अखंडता की रक्षा का संकल्प लिया। ग्राम पंचायतों में सचिवों, रोजगार सहायकों और पंच-सरपंचों ने भी भाग लेकर देशभक्ति का परिचय दिया।

एकता और सद्भाव का संदेश-

दिनभर जिले में देशभक्ति का वातावरण व्याप्त रहा। सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक परिसरों और सार्वजनिक स्थलों पर फ़भारत की विविधता में निहित एकताफ़ का संदेश गूंजता रहा। कार्यक्रमों के माध्यम से सरदार पटेल के आदर्शों और योगदान को याद करते हुए सभी ने यह संकल्प लिया कि वे राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

न्यूज गैलरी

जिप सीईओ ने पर्यटक गाइड 08 सदस्यीय प्रशिक्षण टीम को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कांकेर / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा आयोजित पर्यटक गाईड प्रशिक्षण कार्यक्रम में कांकेर जिले के 08 प्रतिभागियों को शामिल किया गया है। उक्त प्रशिक्षण मध्यप्रदेश के आईआईटीटीएम ग्वालियर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें भाग लेने के लिए 08 सदस्यीय युवाओं के दल को आज जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन श्री हरेश मंडावी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उक्त टीम में दिव्या ठाकुर, आशीष कश्यप, कपिल, राकेश कुमार शोरी, सुप्रिया राठौर, रमेश कुमार, लक्ष्मीकांत साहू, सलीम कुमार शामिल हैं।

प्रकाश पर्व को लेकर सिंध समाज की निकल रही रोजाना प्रभातफेरी

कांकेर / नवप्रदेश। 05 नवंबर को गुरुनानक जयंती (प्रकाश पर्व) को लेकर सिंध समाज काँकेर द्वारा हर रोजाना प्रातः 05:00 बजे पूज्य सिंधु गुरुद्वारे से प्रभात फेरी निकाली जा रही है। इस महान पर्व पर समाज की ओर से प्रभात फेरियों को बहुत महत्व दिया जाता है।

आपसी विवाद में छोटे भाई ने बड़े भाई की कर दी हत्या

कांकेर / नवप्रदेश। थाना आमाबेड़ा जिला उत्तर बस्तर कांकेर में बाइक के लिए आपसी विवाद में सगे दो भाइयों ने आपस में खूनी लड़ाई हुई जिसमें छोटे भाई ने अपने सगे बड़े भाई को मौत के घाट उतार दिया। जिसके बाद आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार घटना 20 अक्टूबर 2025 को रात्रि 08.00 बजे आरोपी मंगऊ कावडे नारायणपुर से आकर अपने घर आंगन मे बैठा था। उसी समय आरोपी का बड़ा भाई मृतक मंगतु राम कावडे मंगऊ के घर में आया और मोटर सायकल नहीं देने की बात पर से अपने पास रखे भरमार बन्दूक से मंगऊ कावड़े के ऊपर फायर कर दिया जिससे मंगऊ कावड़े के दाहिने पैर में चोट आई। मंगऊ कावड़े अत्यधिक गुस्से में आकर मंगतु राम के भरमार बन्दूक को छीनकर उसे जमीन में पटककर तोड़ दिया तथा भरमार बन्दूक के कुंदा (बट) से मंगतु राम के सिर मे दो बार मारा जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आयी वह आंगन मे पड़ा था कुछ देर जिंदा रहने के बाद उसकी मृत्यु हो गयी। मंगऊ कावडे ने मंगतु कावडे को जानबूझकर मरने के लिए आंगन मे छोड दिया नही उसने मंगतु कावडे को ईलाज कराने के लिए अस्पताल लेकर गया और न ही उसने अपने परिवार वालों को घटना के बारे में बताया। 21अक्टूबर 2025 के सुबह 06.00 बजे मृतक मंगतु राम की माँ रजाय बाई, मंगतु राम को आंगन मे मरा पड़ा देखी और अपने पति सोमारू राम को भी उठाकर उसे मंगतु को दिखाई बाद दोनो मंगऊ कावडे के पास जाकर घटना के बारे में पूछने पर मंगऊ कावडे अत्यधिक गुस्से में आकर मंगतु राम की हत्या करना स्वीकार किया। प्रार्थिया रजाय बाई पति सोमारू राम कावडे निवासी आम गरदा जंगलपारा की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 13/2025 धारा 103(1) बीएनएस एवं मर्ग क्रमांक 18/2025 धारा 194 बीएनएसएस पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। श्री आई. के. एलिसेला उ.म.नि./ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन आशीष बंछौर अति.पुलिस अधीक्षक अंतागढ़ के मार्ग दर्शन एवं शुभम तिवारी (रा.पु.से.) अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अंतागढ़ के पर्यवेक्षण में आरोपी मंगऊ कावड़े पिता सोमारू राम कावड़े उम्र 31 वर्ष जाति गोड ग्राम गरदा थाना आमाबेड़ा जिला उ.ब. कांकेर (छ.ग.) के खिलाफहत्या कारित करने का पर्याप्त साक्ष्य सबूत पाये जाने पर 30अक्टूबर 2025 को विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड़ हेतु माननीय जे.एम.एफसी. महोदय कांकेर के न्यायालय में पेश किया गया। माननीय न्यायालय के द्वारा आरोपी मंगऊ कावड़े को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक विनोद कुमार साहू, उपनिरीक्षक भुनेश्वर चंद्रवंशी, प्र.आर.महेश नेताम हरिराम कोर्राम, राजकुमार दर्रो आर. विकास बघेल अजीत दानात, मनिहार भुस्कुरिया डिगेश्वर देवांगन डीएसएफ कन्हैयालाल देहारी की विशेष भूमिका रही।

कांग्रेसियों ने सरदार पटेल एवं पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को किया याद

कांकेर / नवप्रदेश। आजादी के बाद देश को एकता के सूत्र में पिरोने वाले अखण्ड भारत के निर्माता महान स्वतंत्रता सेनानी लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जयंती एवं भारत की लौह महिलां दृढ इच्छा शक्ति की प्रतीक पूर्व प्रधान मंत्री प्रियदर्शनी इंदिरा गांधी के पुण्य तिथि के अवसर पर कांग्रेसियों ने राजीव भवन कांकेर में कार्यक्रम आयोजित कर दोनों महान विभूतियों के छायाचित्र पर पूजा अर्चना एवं माल्यपर्ण कर भाव भीनी श्रद्धांजली अर्पित की । इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए अनुसूचित जनजाति आयोग के पूर्व सदस्य एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नितिन पोटाई ने दोनो नेताओं को महान बताते हुए कहा कि दोनों ही नेता दृढ़ इच्छा शक्ति के प्रतीक थे।

कांचेका अध्यक्ष ने अमित बघेल के बयान की निंदा

अमित बघेल का बयान हिन्दू समाज को तोड़ने वाला-अनूप शर्मा

कांकेर / नवप्रदेश। चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष एवं भाजपा कांकेर शहर मंडल के उपाध्यक्ष अनूप शर्मा ने जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रमुख अमित बघेल द्वारा भगवान झूलेलाल जी एवं भगवान अग्रसेन जी महाराज के ख़िलाफ़ की गई अमर्यादित टिप्पणी की कड़ी निंदा की हैं ,उन्होंने कहां की आज हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी सनातनी,सभी धर्मों एवं सभी वर्गों को लेकर पूरी जुटता के साथ सामाजिक राजनीतिक उत्थान की दिशा में कार्य कर रहें हैं लेकिन कुछ विघ्नसंतोषी लोगों को यह बात पच नहीं रहीं हैं इसलिए अमित बघेल जैसे लोग अपने राजनीतिक लाभ के लिए अमर्यादित बयानबाज़ी कर रहें हैं अमित बघेल का बयान बहुत ही आपत्तिजनक हैं,उनका बयान समाज को तोड़ने वाला हैं द्य भगवान झूलेलाल ज़ी जल के देवता वरुण देव के अवतार हैं इसी तरह भगवान अग्रसेन जी प्रभु श्रीराम जी के वंशज हैं और ये भगवान श्रीकृष्ण जी के समकालीन थे।भगवान झूलेलाल जी और भगवान अग्रसेन जी केवल किसी वर्ग विशेष के ही नहीं ब्लकि दोनों ही सभी सनातनी हिन्दुओं के इष्ट देव हैं। दोनों की ही पूजा हिन्दू समाज के द्वारा की जाती है, यह बात और है कि महान हिंदू धर्म के समुदाय विशेष के लोग इन दोनों ही देवों को अपना आराध्य मानते हैं इसलिए इनकी विशेष आराधना इन समुदायों के द्वारा की जाती है ठीक उसी तरह जिस तरह माँ काली को सभी सनातनी हिन्दू पूजते हैं जबकि बंगाली समुदाय द्वारा माँ काली की विशेष आराधना की जाती है।अनूप शर्मा ने कहा कि अमित बघेल की देवी देवताओं पर की गई टिप्पणी घोर आपत्तिजनक है और समस्त हिन्दू समाज का अपमान है, इसके लिए अमित बघेल को तत्काल हिन्दू समाज से माफ़ी मांगनी चाहिए द्य एवं उनके ऊपर तत्काल कठोर कार्यवाही की जानी चाहिए ।

एकता अखंडता को लेकर सांसद विधायक सहित अफसरों ने लगाई एका मिर्राना दौड़

कांकेर / नवप्रदेश। गृह मंत्रालय भारत सरकार एवं पुलिस मुख्यालय रायपुर से प्राप्त निर्देशों के तहत् 31 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर एकता दौड़ (एका मिर्राना) कार्यक्रम का आयोजन नरहरदेव स्कूल ग्राउंड से नया बस स्टैंड डोम कांकेर तक किया गया।एका मिर्राना एकता की राह पर कदम से कदम मिलाकर जिला कांकेर के विभिन्न विद्यालयों के बालक/बालिकाओं युवक/युवती एवं नागरिकों को देश की एकता एवं अखण्डता के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से कांकेर पुलिस द्वारा जिला मुख्यालय एवं समस्त थाना-चौकी में एकता दौड़ का आयोजन किया गया।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुर्रूटोला का लोकार्पण

■ **शहीद गणेश कुंजाम के नाम से जाना जाएगा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुर्रूटोला**

कांकेर / नवप्रदेश। प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज चारामा विकासखण्ड के ग्राम कुर्रूटोला में 57 लाख 96 हजार रुपये की लागत से निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण किया। यह स्वास्थ्य केंद्र कुर्रूटोला सहित आसपास के लगभग 10 किलोमीटर क्षेत्र के ग्रामों- कुर्रूटोला, डेढ़कोहका, गिधाली, रतेडीह, तिरकादंड, कहाड़गोंदी, आंवरी, मुड़खुसरा, ऊंकारी, चुचरूंगपुर, चपेली, साल्हेटोला इत्यादि 12 ग्रामों के लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराएंगी।

कार्यक्रम को स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र में आकर अत्यंत खुशी होती है, यहां के लोग मन के बडे कोमल, सीधे, सहज व सरल होते हैं, यहां की संस्कृति अत्यंत समृद्ध है। उन्होंने कहा कि पूर्व में बस्तर में मलेरिया से होने वाली मौतें आम थीं, लेकिन बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण इस वर्ष मलेरिया से कोई भी मृत्यु दर्ज नहीं हुई है। श्री जायसवाल ने बताया कि प्रदेश में 57 नई मोबाइल मेडिकल यूनिट्स प्रारंभ की जा रही हैं, जो दूरस्थ अंचलों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगी, कांकेर जिला को भी इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि बस्तर के दुर्गम क्षेत्रों में एम्बुलेंस नहीं पहुंच पाती, वहां बाइक एम्बुलेंस की सुविधा पूर्व की भांति फिर से उपलब्ध कराई जाएगी।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) चारामा, जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./202510142400007/ अ-2/ 2024-25
साकिन लखनपुरी, प.ह.नं. 21

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बृजेन्द्र प्रताप सिंह पिता गैंदलाल, जाति कुर्मी निवासी ग्राम लखनपुरी, तहसील चारामा जिला उत्तर बस्तर कांकेर के द्वारा ग्राम लखनपुरी, प.ह.नं. 21 में स्थित उनके भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 369/2 रकबा 0.052 हे. भूमि को आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण इस न्यायालय में प्रक्रियाधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से अपना दावा या आपत्ति नियत सुनवाई दिनांक 05/11/2025 के पूर्व प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि के पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जावेगी।

अतः आज दिनांक 22/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया जाता है।

सील
अनुविभागीय अधिकारी (रा.) चारामा, जिला उत्तर बस्तर कांकेर

न्यायालय तहसीलदार घरघोड़ा जिला रायगढ़ छ.ग.

रा.प्र.क्र.0/ब-121/2025-26
साकिन- नयारामपुर प.ह.नं. 08

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मांगमोती पति रतिराम उम्र 68 वर्ष जाति खड़िया निवासी ग्राम नयारामपुर ग्राम पं. बिच्छीनारा पो. रायकेरा तहसील घरघोड़ा जिला रायगढ़ छ.ग. द्वारा आवेदन पत्र, शपथ पत्र, अनुलपब्धता प्रमाण पत्र, पंचनामा प्रस्तुत कर पुत्र घासीराम का जन्म दिनांक 04.02.1994 को ग्राम नयारामपुर में होने के कारण जन्म पंजीयन किए जाने का निवेदन किया गया है। जिसकी सुनवाई दिनांक 03.11.2025 को नियत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने किसी अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 03.11.2025 को इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

सील
तहसीलदार घरघोड़ा

नौकरी के नाम पर 7 लाख से अधिक की धोखाधड़ी, आरोपी मरवाही से गिरफ्तार...

कांकेर / नवप्रदेश। भानुप्रतापपुर ब्लॉक के ग्राम संबलपुर के ग्रामीण महिला को नौकरी लगाने के नाम पर नगदी एवं आन लाईन बैंक खाता से ट्रांजेक्शन कराकर 724232 रूपये की ठगी कर धोखाधड़ी करने वाले आरोपी अर्जुन दास महंत पिता गरूविंद दास महंत उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम पुटा (बस्ती बगरा) थाना पेंड्रा जिला गोरेला पेंड्रा मारवाही को ग्राम पुटा थाना पेंड्रा जिला पेंड्रा गोरेला मरवाही से थाना भानुप्रतापपुर पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। आरोपी के खिलाफ थाना भानुप्रतापपुर का अपराध क्रमांक 175/2025 धारा 420,34 भादवि के तहत दर्ज किया गया है।मिली जानकारी अनुसार प्रार्थिया कु.डिम्पल मानिकपुरी पिता स्व. अजयदास मानिकपुरी उम्र 28 वर्ष निवासी सम्बलपुर थाना भानुप्रतापपुर को आरोपियान अर्जुनदास महंत एवं श्याम दोनों मिलकर प्रार्थिया की नौकरी लगाने के नाम पर धोखाधड़ी करते हुए कुल 724232 (सात लाख चोबिस हजार दो सौ बत्तीस) रूपये की ठगी घटना 03अक्टूबर 2023 से 16 अगस्त 2024 तक नगदी एवं आन लाईन रकम ट्रांसफर कराकर नौकरी नही लगाने एवं पैसा वापस नही करने की प्रार्थिया के लिखित आवेदन पत्र पर 11अक्टूबर 2025 को अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था, उमनि/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इन्दिरा कल्याण ऐलिसेला कांकेर के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाल /पुलिस अनुविभागीय अधिकारी शेरबहादुर सिंह ठाकुर कार्यालय भानुप्रतापपुर के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी भानुप्रतापपुर निरीक्षक रामेश्वर देशमुख के द्वारा टीम गठीत कर आरोपी की पता तलाश कर घर पकड़ हेतु जिला पेंड्रा गोरेला मारवाही भेजा गया था।आरोपी अर्जुन दास महंत पिता गरूविंद दास महंत उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम पुटा (बस्ती बगरा) थाना पेंड्रा जिला गोरेला पेंड्रा मारवाही की पता तलाश कर हिरासत में लेकर आरोपी के कब्जे में ठगी के रकम से खरीदा गया एक स्कार्पियो वाहन सीजी 10 पी 9977 किमती 300000 रूपये एवं एक विवो कम्पनी की मोबाईल किमती 10.000 रूपये को जप्त कर आरोपी को भानुप्रतापपुर लाकर गिरफ्तार कर मामला अजामानतीय होने से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है, प्रकरण के आरोपी को धर पकड़ एवं विवेचना कार्यवाही पर थाना प्रभारी भानुप्रतापपुर रामेश्वर देशमुख के निर्देशन में विवेचना अधिकारी उप निरी रामप्रसाद सिन्हा एवं आरक्षक विमल कांगे रमित कुलदीप मआर निरमोतिन कटकवार का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

एनएमडीसी लिमिटेड (NMDC LIMITED)
बैलाडीला आयरन ओर माइन, किरंदुल कॉम्प्लेक्स,
Bailadila Iron Ore Mine, Kirandul Complex
किरंदुल - 494556, जिला - दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छग) भारत
Kirandul – Distt – SOUTH BASTAR DANTEWADA (C.G) INDIA

शुद्धि पत्र (Corrigendum)

क्रमांक : केसी/प्र.एवं सु./2025 दिनांक 26.10.2025 में आंशिक संशोधन

'अप्रेन्टिस ट्रेनिंग के लिए वॉक इन इंटरव्यू की अधिसूचना' के क्रमांक (स) में तकनीशियन डिप्लोमा अप्रेन्टिस की अर्हता को डिग्री के स्थान पर संबंधित ब्रांच में डिप्लोमा पढ़ा जाए।

सहायक महाप्रबंधक (खनन)
प्रशिक्षण एवं सुरक्षा विभाग

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

अनुलग्नक-अ

कार्य विवरण:- "नैला (NIA) रेलवे स्टेशन पर पीएमबीजेके (PMBJK) आउटलेट के संचालन और रखरखाव के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए लाइसेंस ।"

नैला (NIA) रेलवे स्टेशन पर पीएमबीजेके (PMBJK) आउटलेट के संचालन और रखरखाव के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए लाइसेंस आवंटन हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की गई है । कैटलॉग पहले ही दिनांक 29.10.2025 को आईआरईपीएस वेबसाइट (https://ireps.gov.in) पर प्रकाशित किया जा चुका है । विवरण इस प्रकार है:-

कैटेलॉग क्रमांक	श्रेणी	नीलामी दिनांक एवं समय	लॉट क्रमांक	लॉट विवरण	अनुबंध अवधि
PMBJK-NIA-2-25	(PMBJK-प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र)	14-11-2025 13:00	PMBJK-BSP-NIA-PMBJK-1-25-1	नैला (NIA) रेलवे स्टेशन पर पीएमबीजेके (PMBJK) आउटलेट के संचालन और रखरखाव के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए लाइसेंस आवंटन हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की गई है ।	1096 दिन

सीपीआर/10/419
सहायक वाणिज्य प्रबंधक (गुड्स-II)
द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल

अनुलग्नक-अ

कार्य का विवरण – बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर 6000 वर्ग फीट क्षेत्र के लिये जोन-I से जोन-V पर साइनबोर्ड, पिलर कियोस्क, पिलर कियोस्क, ग्लो साइनबोर्ड और विनाइल रैपिंग के रूप में वाणिज्यिक प्रदर्शित करने के लिये लाइसेंसधारी की लागत पर तीन (03) वर्ष (1096 दिन) की अवधि के लिये लाइसेंस।

तीन (03) वर्षों की अवधि के लिये बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर 6000 वर्ग फीट क्षेत्र के लिये जोन-I से जोन-V पर साइनबोर्ड, पिलर कियोस्क, पिलर कियोस्क, ग्लो साइनबोर्ड और विनाइल रैपिंग के रूप में वाणिज्यिक प्रदर्शित करने के लिये लाइसेंसधारी की लागत पर तीन (03) वर्ष (1096 दिन) की अवधि के लिये लाइसेंस। कैटलॉग पहले ही IREPS वेबसाइट (https://ireps/gov.in पर दिनांक 29.10.2025 को प्रकाशित की जा चुकी है। विवरण निम्नानुसार है–

कैटेलॉग क्र.	श्रेणी	पेशी दिनांक/समय	लॉट क्रमांक	लॉट विवरण	अनुबंध अवधि
ADVT-OSN-BSP-25	Advertising-On station Premises (Non-Digital)	14-11-25 13:00:00	ADVT-BSP-BSP-OSN-149-25-1	बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर 6000 वर्ग फीट क्षेत्र के लिये जोन-I से जोन-V पर साइनबोर्ड, पिलर कियोस्क, पिलर कियोस्क, ग्लो साइनबोर्ड और विनाइल रैपिंग के रूप में वाणिज्यिक प्रदर्शित करने के लिये लाइसेंसधारी की लागत पर तीन (03) वर्ष (1096 दिन) की अवधि के लिये लाइसेंस।	1096 दिन

सीपीआरओ/10/FL/421
सहायक वाणिज्य प्रबंधक (मालधक्का-I), द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

गजानंद महाविद्यालय में मनाया गया एकता दिवस

भाटापारा/नवप्रदेश। गजानंद अग्रवाल स्नाकोत्तर महाविद्यालय, भाटापारा में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा राष्ट्रीय एकता में सरदार पटेल का योगदान विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनभागीदारी अध्यक्ष श्रेणिक गोलछा, मुख्य अतिथि अविनाश शर्मा एवं मुख्य वक्ता के रूप में प्रशांत वर्मा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि के साथ हुआ। मुख्य वक्ता प्रशांत वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि सरदार पटेल ने न केवल भारत के राजनीतिक एकीकरण का कार्य किया, बल्कि उन्होंने युवाओं में राष्ट्रीय कर्तव्य की भावना भी जगाई। मुख्य अतिथि अविनाश शर्मा ने कहा कि आज के समय में सरदार पटेल के आदर्श और दृढ़ नेतृत्व शैली हम सबके लिए प्रेरणास्रोत हैं। अध्यक्ष श्रेणिक गोलछा ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। प्राचार्य डॉ. आनंद मिन्ज ने मार्गदर्शन देते हुए कहा कि एकता, अनुशासन और सेवा – यही सच्चे विद्यार्थी का धर्म है। स्वागत भाषण डॉ. राजन तिवारी एवं आभार प्रदर्शन डॉ. इंद्राणी मरकाम ने किया। कार्यक्रम के अंत में वृक्षारोपण एवं राष्ट्रीय एकता शपथ का आयोजन किया गया, जिसमें सभी अध्यापक गण शामिल हुए।

सरदार पटेल की जयंती पर भाटापारा में रन फॉर यूनिटी...

कार्यक्रम में शामिल हुए शिवरतन शर्मा

भाटापारा/नवप्रदेश। 'भारत रत्न', लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर भाटापारा नगर मे आयोजित रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम मे छत्तीसगढ़ भाजपा के वरिष्ठ नेता शिवरतन शर्मा ने सहभागिता कर कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

शिवरतन शर्मा ने कहा की सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के अद्भुत संगठन क्षमता, अटूट राष्ट्रनिष्ठा और दूरदर्शी नेतृत्व का ही परिणाम था कि 562 रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर उन्होंने अखंड भारत की नींव रखी। सरदार पटेल का जीवन हमें एकता, समरसता और अटल राष्ट्रभक्ति का वह अमूल्य संदेश देता है, जो आज भी प्रत्येक भारतीय के हृदय में प्रेरणा बनकर गूंजता है।राष्ट्रीय एकता दिवस पर आज आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' मात्र एक दौड़ नहीं, अपितु यह एकता का प्रतीक, सद्भाव का संदेश और राष्ट्रगौरव का जीवंत उत्सव है, जो पटेल जी के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के स्वप्न को साकार करने का सामूहिक संकल्प है। शिवरतन शर्मा ने कहा की एकता दौड़ में उत्साहपूर्वक भाग लें रहे आप सभी का हर कदम न केवल शारीरिक ऊर्जा का प्रतीक होगा, बल्कि यह हमारे राष्ट्र की एकता, अखंडता और साझा संकल्प को और सुदृढ़ करेगा। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, जिला उपाध्यक्ष सुनील यदु, महाबल बघेल, कैलाश बालानी सहित अधिकारीगण एवं मैराथन प्रतिभागी उपस्थित रहे।

युवकों के लिए दोपहिया वाहन मरम्मत एवं युवतियों के लिए सिलाई में नि:शुल्क प्रशिक्षण का अवसर

महासमुंद/नवप्रदेश। बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा जिले के ग्रामीण युवकों के लिए दोपहिया वाहन मरम्मत में नि:शुल्क प्रशिक्षण का सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 30 दिनों का रहेगा जिसे 7 नवंबर 2025 से प्रारम्भ किया जाएगा। इसी तरह ग्रामीण युवतियों के लिए सिलाई में नि:शुल्क प्रशिक्षण 31 दिवस के लिए 21 नवम्बर से प्रारम्भ किया जाएगा। प्रशिक्षण हेतु आवश्यक दस्तावेजों में आधार कार्ड, बीपीएल राशन कार्ड को 2-2 छायाप्रति, अंकसूची न्यूनतम 12 वीं उत्तीर्ण एक छायाप्रति एवं पासपोट साईज की 5 फोटो शामिल है। प्रशिक्षण के लिए अभ्यर्थी द्वारा बड़ौदा आरसेटी बरोण्डा बाजार में उपस्थित होकर या कमलेश पटेल के मोबाईल नम्बर 79997-00673, अक्षय सिंग राजपूत के मोबाईल नम्बर 8319462874 एवं राजू निर्मलकर के मोबाईल नम्बर 9131065767 पर सम्पर्क कर पंजीयन कराया जा सकता है। सम्पर्क करने का समय सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक है।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती मनाई गई

गरियाबंद/नवप्रदेश। जिला मुख्यालय में एक भारत श्रेष्ठ भारत रन फॉर यूनिट सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वी जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में भाजपा द्वारा मनाया गया। यहा तिरंगा चौक से स्टेडियम तक एकता दौड़ का आयोजन किया गया द्य जिसमे बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया, दौड़ के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया द्य कार्यक्रम के अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, जिला महामंत्री आशीष शर्मा , नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव, जिला मंत्री सुरेन्द्र सोनटेके थे। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री चंद्राकर ने कहा कि देश की एकता एवं अखंडता के लिए लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल का विशेष योगदान है द्य भारत का एकीकरण में विशेष भूमिका है द्य उन्होंने देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री रहते बिखरी हुई रियासतों को शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है , इनके योगदान को भुलाया नही जा सकता द्य जिला पंचायत अध्यक्ष श्री कश्यप ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल अखंडता के प्रतिक थे, भारत की एकता और अखंडता को उन्होंने मजबूत किया था, जिसके चलते एकता के प्रतिक बन गए थे द्य नगर पालिका अध्यक्ष यादव एवं जिला महामंत्री श्री शर्मा ने संबोधित किया। सुबह एकता दिवस के मौके पर छात्रो में आयोजन को लेकर उत्साह दिखा द्य इस एकता दौड़ में प्रथम पुर्वजीत सिंह कश्यप , द्वितीय ढालेंद्र ठाकुर , तृतीय कैलाश साहू रहे, इसके अलावा छात्रो को सांत्वना पुरस्कार बांटे गए द्य कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री सुरेन्द्र सोनटेके ने किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सुमित पारख, प्रहलाद सिंह ठाकुर , बलदेव सिंह हुंदल , बिंदु सिन्हा , शेषनारायण गजभिये , फारुख चौधरी , विष्णु मरकाम , प्रकाश सोनी , प्रकाश यादव , खेमसिंह बघेल , पुष्पक देवांगन , भीम साहू , प्रशांत मानिकपुरी , पप्पू ठाकुर , सूरज सिन्हा इत्यादि उपस्थित थे।

लौह पुरूष सरदार पटेल की जयंती पर कलेक्टोरेट शैक्षणिक संस्थानों में एकता-अखंडता की शपथ ली

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आज विविध कार्यक्रम

महासमुंद/नवप्रदेश। भारत के लौह पुरुष एवं देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आज जिले के शासकीय कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों और स्थानीय निकायों में राष्ट्रीय एकता शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर आज कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्टर विनय लंगेह ने अधिकारियों, कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता शपथ दिलाई । इसी तरह अलग अलग शैक्षणिक संस्थान, आश्रम ,छात्रावास,महाविद्यालय और कार्यालयों में अधिकारी कर्मचारियों ने राष्ट्रीय एकता की शपथ ली। इसके साथ ही रन फॉर यूनिटी, निबंध एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, एकता पर आधारित प्रदर्शनियाँ, युवा रैलियाँ तथा जन-जागरूकता कार्यक्रम पूरे वर्ष भर अक्टूबर 2025 से अक्टूबर 2026 तक आयोजित किए जाएंगे, जिससे सरदार पटेल के योगदान और राष्ट्रीय एकता के महत्व को जन-जन तक पहुँचाया जा सके।

कलेक्टर श्री लंगेह ने सभी विभागों, जिलों और शासकीय संस्थानों को निर्देश दिए हैं कि वे राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर निर्धारित गतिविधियों का आयोजन सुनिश्चित करें, ताकि सरदार पटेल के आदर्शों और एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संदेश को जन-सामान्य तक प्रभावी रूप से पहुँचाया जा सके।

कांग्रेसियों ने सरदार वल्लभभाई और पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित कर किया नमन

महासमुंद। भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी बलिदान दिवस पर कांग्रेस भवन में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कांग्रेसियों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। साथ ही सभी ने दोनों महान नेताओं के आदर्शों पर चलने एवं उनके बताए मार्ग पर देशहित में कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. रश्मि चंद्राकर, खिलावन बघेल, दाऊलाल चंद्राकर, संजय शर्मा महामंत्री, हीरा बंजारे पूर्व मंडी अध्यक्ष, प्रवीण चंद्राकर, राजेश जैन उपाध्यक्ष किसान कांग्रेस, गौरव चंद्राकर महामंत्री, जसबीर ढिल्लों, गुरमीत चावला प्रभारी महामंत्री, अमन चंद्राकर जिला अध्यक्ष युवा कांग्रेस, वीरेंद्र चंद्राकर पूर्व सरपंच संघ अध्यक्ष, महेन्द्र साहू जनपद सदस्य, तुलसी साहू, सुनील चंद्राकर, मो.शकील खान, तबरेज खान, नितेंद्र बैनर्जी सेवादल, टोमन सिंग कागजी, गौरव जानी, मनोहर ठाकुर, कविता तिवारी सेवादल, प्रकाश अजमानी, सतीश कन्नौजे, मोती साहू, आशीष साहू, बसंत चंद्राकर, प्रकाश, तरुण ध्रुव, तुलसी देवदास,भानु सोनी सहित कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने दोनों महान नेताओं के आदर्शों पर चलने एवं उनके बताए मार्ग पर देशहित में कार्य करने का संकल्प लिया।

टोपा गांव में जनप्रतिनिधियों की कारगुजारी

नल-जल योजना में लीपापोती

नल-जल योजना के तहत खोदा गड्ढा खुला छोड़ा : हादसे को न्यौता

अर्जुनी/नवप्रदेश। भाटपारा जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत में नलजल योजना में जमकर लीपापोती किया गया। टोपा में नल-जल योजना के तहत पाइप लाइन बिछाई गई थी, लेकिन काम पूरा होने के बाद गड्ढों को भरा नहीं गया है। गांव के मुख्य मार्ग पर ही यह बड़ा गड्ढा बना हुआ है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। यह वही रास्ता है, जिससे गांव के अंदर-बाहर रोजाना सैकड़ों लोग गुजरते हैं।

गांव में त्यौहारों का मौसम चल रहा है, ऐसे में किसी भी वक्त बड़ी दुर्घटना हो सकती है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार या जिम्मेदार अधिकारी ने काम अधूरा छोड़ दिया है और अब कोई ध्यान नहीं दे रहा।

ग्रामीण रूपेश नागवंशी ने इस लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए तंज कसा कि नल-जल योजना का लाभ तो मिला, अब तो यह गड्ढा ही लोगों के लिए मुसीबत बन गया है। त्योहार के समय अगर कोई हादसा होता है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द गड्ढा भरवाने और मार्ग को दुरुस्त कराने की मांग की है, ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके।

वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा आयुष्मान वय वंदना कार्ड का लाभ

महासमुंद/नवप्रदेश। शासन की जनकल्याणकारी योजना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान वय वंदना कार्ड योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को 5 लाख रुपये तक का नि:शुल्क स्वास्थ्य सहायता लाभ प्राप्त होगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आई. नागेश्वर राव ने बताया कि पूर्व में वरिष्ठ नागरिकों को उनके परिवार के राशन कार्ड श्रेणी के आधार पर स्वास्थ्य सहायता दी जाती थी, जिसमें बी.पी.एल. परिवारों को 5 लाख रुपये तक तथा ए.पी.एल. परिवारों को 50 हजार रुपये तक की सुविधा उपलब्ध थी। अब इस नई व्यवस्था में सभी वर्गों के वरिष्ठ नागरिक समान रूप से 5 लाख रुपये तक के स्वास्थ्य सहायता के पात्र होंगे। आयुष्मान वय वंदना कार्ड के माध्यम से पात्र वरिष्ठ नागरिकों को राज्य शासन द्वारा पंजीकृत अस्पतालों में नि:शुल्क उपचार सुविधा प्राप्त होगी। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए हितग्राही की आयु ही पात्रता का आधार होगी, जिसे आधार कार्ड के माध्यम से सत्यापित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए सभी पात्र वरिष्ठ नागरिकों को नि:शुल्क पंजीयन कराना अनिवार्य है। जिन वरिष्ठ नागरिकों के पास पहले से आयुष्मान कार्ड है, उन्हें भी इस नई योजना के अंतर्गत पुन: पंजीयन कराना होगा।

कृषक प्रशिक्षण एवं बीज वितरण कार्यक्रम

भाटापारा/नवप्रदेश। अल्ट्राटेक रावन सीएसआर एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वाधान में रजत जंयती वर्ष के अवसर पर ग्राम सरसेनी में कृषक प्रशिक्षण एवं बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संयंत्र प्रमुख राजेश कुमार एवं मानव संसाधन प्रमुख करन मिस्त्री के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्यक्रम में 87 से अधिक किसानों ने भाग लिया जिसमें चयनित किसानों को उन्नत श्रेणी के सरसो बीज निःशुल्क प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में कृषि विभाग से जी एम तारम , सूचिन वर्मा , पुष्पांजली बंजारे , खेमलता वर्मा , योगेश मंढरिया , देवचरण वर्मा , हेमकुमार देवांगन , उद्यानिकी विभाग से पी आर टैगोर , मत्स्य विभाग से वायल राबर्ट तथा पशुधन विभाग से गोपाल पटेल एवं ममता वर्मा ने शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान कि तथा किसानों को अधिक से अधिक लाभ लेने हेतु प्रेरित किया।

प्रशिक्षण के दौरान किसानों को कृषि विभाग द्वारा खरीफ एवं रबी सीजन की आधुनिक खेती पद्धतियों , मिट्टी परीक्षण , और मौसम आधारित फसल प्रबंधन , मत्सय विभाग द्वारा विभिन्न पध्दतियों द्वारा मछली पालन , पशुधन विभाग द्वारा पशु प्रबंधन एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा फल, फूल, सब्जी की खेती पर विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों और किसानों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से उन्हें नई तकनीकें सीखने और कृषि उत्पादन बढ़ाने में काफी मदद मिलती है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में सीएसआर प्रमुख विनोद श्रीवास्तव , अधिकारी रंजय पाण्डेय एवं टीम से सुरेन्द्र यादव , द्वारिका वर्मा , जानकी यादव , हेमलता ध्रुव , टोपेश्वर मानिकपुरी , रमा वर्मा , साहिल बंदे की भूमिका रही।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर सिहावा में मैराथन

नगरी/नवप्रदेश। लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के 150 वी जयंती पर पुलिस थाना सिहावा द्वारा युवा यूवतियों का दौड़ मैराथन का आयोजन हुआ जिसमें युवा युवतियों ने रन फॉर यूनिटी के तहत एक साथ भाग लिया दौड़ बस स्टैंड सिहावा से लेकर शितला मंदिर स्वागत गेट परिसर से होती हुई पुन: बस स्टैंड सिहावा 2 किलोमीटर का दौड़ हुआ इस प्रतियोगिता सिहावा थाना क्षेत्र अंतर्गत के सभी युवा युवतियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया जिसमें रनिंग में शानदार शारिरिक प्रदर्शन दिखाते हुए वरूण निषाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया द्वितीय स्थान राहुल ध्रुव तृतीय स्थान विवेक नाग रहे इस तरह युवतियों ने भी जोश और उत्साह के साथ भाग लिया प्रथम स्थान द्वितीय स्थान रिंकी तृतीय तुलसी उर्वशी इन सभी प्रतिभागियों शील्ड देकर सम्मान किया गया

इस अवसर पर ए एसपी शैलेंद्र पांडे ने कहा लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आप सभी युवा युवतियों का शारीरिक मापदंड हेतु ऐसे प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है जिससे युवा युवती का शरीर फिट रहे और सेंना भर्तीयो मैं भाग ले साथ ही सरदार वल्लभ भाई की जयंती पर थाना परिसर में वृक्षारोपण किया गया तत्पश्चात शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिहावा मे थाना सिहावा द्वारा निबंध का आयोजन किया गया इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रसस्थि पत्र प्रदान कर उज्जवल भविष्य की कामना किया गया और इसी बीच सिहावा थाना प्रभारी शरद ताम्रकार ने छात्र छात्राओं को साइबर ठगी से बचने की जिम्मेदारी दी कैसे साइबर ठगी बढ़ती जा रही है और लोग ठगी का शिकार हो रहे हैं साथ ही साथ छात्राओं को यातायात की जानकारी दी छात्र छात्राएं कैसे यातायात के नियम का पालन करते हुए चलना चाहिए इस अवसर पर डीएसपी विपिन रंगारी सिहावा थाना प्रभारी शरद ताम्रकार थाना स्टाफ सहित ग्राम के वरिष्ठ कर्णेश्वर महादेव ट्रस्ट अध्यक्ष विकल गुप्ता जनपद सदस्य हनीफ खान प्रवीण गुप्ता शाला प्राचार्य एस आर साहू दुष्यंत पुजारी दिनेश यादव संजय शांडिल्य हेमंत साहू आदि मौजूद रहे।

एग्रीस्टेक पोर्टल बना किसानों के लिए आफत / उधोराम वर्मा

धरसीवां/नवप्रदेश। सर्वर नहीं होने से किसानों का नहीं हो पाया पंजीयन,किसानों के लिए सरकार पूरा एक सोची समझी रणनीति के तहत किसानों को धान का फसल लेने से रोका जा रहा है जिससे किसानों का धान लेना न पड़े सबसे पहले किसानों को खाद बीज के लिए सरकार खाद की कृत्रिम संकट पैदा कर खाद समितियों में उपलब्ध नहीं कराए ष्ठ क्क खाद लगभग समितियों से नदारद रहे वही निजी खाद दुकानों में 1300का खाद 2000तक में खरीद कर खाद किसान किसी तरह का इंतजाम किए उसके बाद यूरिया संकट से जूझना पड़ा अभी किसान उभरे नहीं थे कि खेतों में फसल अच्छी हुई लेकिन कीट व्याधि से भरी नुकसान किसानों को हुआ नकली दवाई की वजह से नियंत्रित नहीं हुआ कीट प्रकोप,भारी बारिश से अलग किसान परेशान है इन सभी समस्या के बावजूद धान तैयार हुआ तो जो आशंका किसानों को पहले से थी वहीं हुआ किसान लगातार एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन के लिए समितियों,चॉइस सेंटर पर चक्कर लगा रहे है लेकिन कोई न कोई कारणों से नहीं हुआ आज अंतिम दिन रहा लेकिन आज भी किसान मायूस होकर घर लौट गए इनका पंजीयन नहीं हो पाया अब ये किसान धान बेचने से वंचित रहेंगे।

बिजली बिल के दरों में वृद्धि और मूलभूत सुविधाओं का अभाव

नगरी/नवप्रदेश। सरकार की नाकामी के चलते परेशान होकर धमतरी जिले के नगरी ब्लॉक के बेलरगांव तहसील एक तरफ बिजली बिल के दरों में वृद्धि और दूसरी तरफ मूलभूत सुविधाओं का अभाव। अब ये छत्तीसगढ़ की किस्मत कहे कि या इन दूरस्थ अंचलों में निवासरत आदिवासियों भाई बहनों की बदकिस्मत कि आदिवासी मुख्यमंत्री होते हुए भी आदिवासियों को शिक्षा , स्वास्थ्य ,और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए शासन प्रशासन से कोई मदद नहीं मिल रही है। वहीं कुछ दिनों पहले सिंघनपुर कट्टीगांव के ग्रामीण आपस में चंदा करके 5-6 किलोमीटर सड़क की मरम्मत कर रहे है।यह साय सरकार की विफलता का जीता जागता उदाहरण है। सिंघनपुर कट्टीगांव पंचायत क्षेत्र में वर्तमान विष्णुदेव साय सरकार लोगों के मूलभूत सुविधाओं को पूरा करने में पूरी तरह विफल है। ग्रामीणों के द्वारा बताया गया कि पूर्व में भूपेश बघेल शासन काल में पूर्व विधायक डॉक्टर लक्ष्मी ध्रुव की अनुशंसा पर नवागांव कसपुर मार्ग से सिंघनपुर कट्टी गांव के बीच पुल का निर्माण कराया गया था जिससे दोनों गांव के लगभग 170 परिवारों को काफी राहत मिली है। परंतु वर्तमान में बच्चों के स्कूल जाने , मरीजों को हॉस्पिटल जाने , क्क्षस् का लाभ लेने ,धान को कसपुर मंडी तक ले जाने में समस्या विगत 2 वर्षों से है ,सड़कों में गड्ढों की मरम्मत नहीं होने के कारण ग्रामीणों को विवश होकर सामूहिक चंदा करके मुरूम से मरम्मत किया जा रहा है जो कि शासन प्रशासन के लिए शर्म की बात है।

लोकल फार वोकल को बढ़ावा देने विधायक पहुंचे फुटपाथ व्यवसायियों के पास

महासमुंद/नवप्रदेश। विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा व नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचन्द राठी भाजपा नेताओं के साथ देव उठनी एकादशी पर्व (छोटी दीवाली) के एक दिन पहले नगर के फुटपाथ पर पहुंचकर छोटे दुकानदार, ठेले खोमचे वालों से खरीदी की। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकल फार वोकल को बढ़ावा देने के लिए देश के नागरिकों से आव्हान किया है कि समृद्धि भारत के निर्माण के लिए स्वदेशी लोकल वस्तुओं पर निर्भर हो। इसी तर्ज पर विधायक लगातार दीवाली के पहले भी शहर के फुटपाथ दुकानदारों से खरीदी की वें कार्यकर्ताओं के साथ बरोण्डा चैक से लेकर डॉ. अम्बेडकर चैक के मुख्य मार्ग में पैदल चलकर सभी फुटपाथ व्यवसायिओं से मुलाकात की। और उन्हे बधाई संदेश के साथ लोकल सामान की खरीदी दुकानों से की। इस अवसर पर विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने देव उठनी एकादशी की बधाई एवं शुभकामनायें क्षेत्रवासियों को देते हुये कहा कि हम सब लोगों को लोकल खरीदी पर विश्वास करना चाहिए। लोकल व स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने से हमारा क्षेत्र विकसीत होगा इससे प्रदेश व राष्ट्र मजबूत होगा। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 2047 तक भारत व छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया है, वो पुरा होगा। उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों को 1 नवंबर को राज्य निर्माण की शुभकामनाएं भी दी और कहा कि हम सब शौभाग्य शाली है कि भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी ने 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण किया।

मुंगेली का सर्वांगीण विकास केवल सपना बनकर रह गया, जिला बनने के 13 साल बाद भी मूलभूत सुविधाएं नहीं

आज भी उधार के कर्मचारियों से हो रहा प्रशासनिक कार्य, रेल सुविधाओं से भी नहीं जुड़ सका मुंगेली, सिटी बसों का भी संचालन नहीं

सुशील शुक्ला/नवप्रदेश

छत्तीसगढ राज्य अपना 25वॉं स्थापना दिवस मनाने जा रहा है। राज्य बनने के बाद लोगों को आशाऐं थी की, विकास द्रुत गति से होगी, और लोगों को इसका लाभ भी मिलेगा किन्तु यह सोच केवल सपना बनकर रह गया है छत्तीसगढ़ राज्य के लगभग 13 वर्ष बाद बने मुंगेली जिले का कमोबेस यही स्थिति है, जिला तो बना किन्तु विकास और मुलभूत सुविधाओं से अब भी कोसों दूर है।

तहसील को जिला बने लगभग 13 वर्ष बाद भी पिछडा नजर आ रहा है, इन 13 वर्षो में कलेक्टोरेट के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति भी नहीं की जा सकी है, आज भी उधार के कर्मचारियों से काम कराया जा रहा है कई कार्यालयों के अपने स्वयं के भवन नहीं है, सडक बिजली पानी जैसी आधारभूत समस्याओं से जुझते इस जिले को विकास की रफ्तार भी नही मिल पाई है, उद्योग सहित अन्य कई समस्याऐं लोगो के रोजमर्रा जीवन को प्रभावित कर रही है। जिला बने एक दशक से ज्यादा, फिर भी नगर में विकास की गति धीमी-छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना 1 नवम्बर 2000 को हुई थी जिसके करीब 13 वर्ष बाद मुंगेली को 1 जनवरी 2012 में जिले की पहचान मिली थी। आज जिला बने हुए लगभग 13 वर्ष पूरे हो चुके हैं, लेकिन यहां के निवासियों का मानना है कि विकास कार्य जिला बनने के 13 वर्ष बाद भी कहीं नजर नहीं आ रहा। यह स्थिति स्थानीय लोगों के बीच निराशा और असंतोष पैदा कर रही है, जो जिला मुख्यालय बनने के बाद बेहतर बुनियादी सुविधाओं और तेज विकास की उम्मीद कर रहे थे, और जिले की पहचान मिले, क्षेत्र के लोगों की बड़ी उम्मीदें थीं कि प्रशासनिक सुविधाओं के साथ-साथ विकास कार्यों में तेजी आएगी। लेकिन आम नागरिकों के बीच यह सवाल अब भी कायम है कि क्या मुंगेली को वह विकास मिल पाया, जिसका सपना उन्होंने जिले के

गठन के समय देखा था?

उम्मीदें बनाम हकीकत-जब मुंगेली को बिलासपुर जिले से अलग कर नया जिला बनाया गया था, तो क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर थी। कृषि प्रधान इस क्षेत्र को उम्मीद थी कि प्रशासनिक केंद्र बनने से शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और औद्योगिक विकास के नए द्वार खुलेंगे।

सड़कें और आधारभूत संरचना- शहर की आंतरिक सड़कों और ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाले मार्गो की स्थिति आज भी चिंताजनक बनी हुई है।

स्वास्थ्य सेवाएं- जिला अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी, पर्याप्त उपकरणों का अभाव और स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं।

शिक्षा के अवसर- उच्च शिक्षा के लिए विद्यार्थियों को आज भी बड़े शहरों की ओर रुख करना पड़ता है। जिला मुख्यालय होने के बावजूद स्तरीय शैक्षणिक संस्थानों और रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों की कमी महसूस की जा रही है।

रोजगार और उद्योग- जिले की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर है। बड़े उद्योगों या कृषि आधारित प्रोसेसिंग यूनिट्स की स्थापना न होने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सीमित हैं।

सिटी बस- जिला बनने के बाद मुंगेली में कार्यालयों की दूरी को देखते हुए आम जन को सुविधा दिलाने के उद्देश्य से सिटी बस चलाए जाने की मांग लगातार स्थानीय नागरिकों द्वारा मांग की जा रही थी जिसपर 6 वर्ष पूर्व 4 सिटी बसो की स्वीकृति मिल गई थी किन्तु आजतक सिटी बस का संचालन जिले में नहीं हो पाया।

रेलवे सुविधा- आजादी को 78 साल बाद भी नगर में निवासियों को रेल नेटवर्क से न जुड़ पाने के कारण भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। जिले में रेल सुविधा न होने से न सिर्फलोगों की यात्रा कठिन हो गई है, बल्कि क्षेत्र के सामाजिक, व्यापारिक और आर्थिक विकास को भी गहरा झटका लगा है। बीजेपी शासन काल में डोंगरगढ तक के लिए रेल लाईन प्रस्ताव पास हो गया था तत्कालिन सांसद लखन साहू ने भूमि पूजन का भी कार्यक्रम आयोजित किया था किन्तु लगभग 8 वर्ष गुजर जानें के बाद भी प्रक्रिया आगे नहीं बढ पाई है।बाईपास सडक- केन्द्र शासन के द्वारा नगर को सौगात के रूप में बाईपास सडक बनाने की स्वीकृती प्रदान की गई थी प्रशासनिका उपेक्षा के चलते यह सडका भी विगत कई सालों से स्वीकृत होने के बाद भी नही बन पा रही है।

जिम्मेदार कौन- स्थानीय नागरिकों और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विकास की इस धीमी गति के लिए प्रशासनिक उदासीनता, राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी और योजनाओं के क्रियान्वयन में सुस्ती जिम्मेदार है। जिले को मिले बजट का सही उपयोग न होना और विकास कार्यों में पारदर्शिता का अभाव भी बड़े मुद्दे हैं।

न्यूज गैलरी

मुरुम के अवैध उत्खनन करते दो वाहन जब्त, कार्रवाई शुरू

मुंगेली/नवप्रदेश। खनिज विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने प्राप्त शिकायत के आधार पर गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। ग्राम पंचायत कुकुसदा अंतर्गत ग्राम पडरिया झाप पथरिया में औचक निरीक्षण के दौरान टीम ने अवैध खनन एवं परिवहन में लिप्त दो वाहनों को जब्त किया। निरीक्षण के दौरान वाहन क्रमांक सीजी 10 एके 5618 एवं सीजी 28 एएल 7222 को अवैध रूप से मुरुम का उत्खनन व परिवहन करते हुए पकड़ा गया। वाहनों के चालकों की पहचान क्रमशः धर्मेन्द्र धीवर एवं मोतीलाल के रूप में हुई। दोनों वाहनों को पुलिस चौकी साकेत की अभिरक्षा में रखा गया है।

ढाई क्विंटल गांजा बरामद, गिरफ्तार

घरघोड़ा/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल के निर्देशन में घरघोड़ा थाना पुलिस ने गांजा तस्करी पर बड़ी कार्रवाई की है। घरघोड़ा-लैलूंगा मार्ग पर घेराबंदी कर पुलिस ने एक हुंडई कार (छ्त्त-29ऱ्स-2077) से 257.5 किलो गांजा बरामद किया, जिसकी कीमत लगभग 50 लाख रुपये आंकी गई है। कार और एक वीवो मोबाइल सहित कुल 58 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई। आरोपी संतोष दास (26 वर्ष), निवासी चीताबहार, जिला सरगुजा को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

किसानों के शत-प्रतिशत पंजीयन व धान खरीदी प्रक्रिया के सुचारू संचालन हेतु कृषि विभाग की सतत मॉनिटरिंग

एग्रीस्टेक पोर्टल व पीवी ऐप में तकनीकी सुधार किसानों की सुविधा के लिए दिए दिशा-निर्देश

मुंगेली/नवप्रदेश। किसानों के शत प्रतिशत पंजीयन एवं धान खरीदी प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने के लिए सतत मॉनिटर आवश्यक दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं। इसी क्रम में कृषि विभाग ने किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एग्रीस्टेक पोर्टल और धान पंजीयन से जुड़ी तकनीकी समस्याओं के निराकरण हेतु कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि जिन खसरों में धान के स्थान पर बासमती की प्रविष्टि दिखाई दे रही थी, उनमें सुधार की प्रक्रिया जारी है और यह कार्य कल तक पूर्ण कर लिया जाएगा। ऑटो अप्रूवल हेतु लंबित फार्मर रजिस्ट्री, जो पहले 48 घंटे में स्वीकृत होती थी, अब तत्काल अप्रूव्ड करने का प्रावधान किया गया है। साथ ही डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं मैन्युअल गिरदावरी में छूटे हुए सभी खसरे अब पीवी ऐप में प्रदर्शित होंगे। भुईयां पोर्टल में जीरो प्रविष्टि वाले खसरों में अब सुधार का विकल्प केवल पीवी ऐप से उपलब्ध रहेगा। वहीं जिन खसरों में फसल सही चुनी गई है लेकिन रकबा कम दर्शाया गया है, उनका भी समाधान पीवी ऐप से किया जा सकेगा।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि केवल वही खसरे पीवी ऐप में वेरिफिकेशन हेतु प्रदर्शित होंगे, जो धान पंजीयन समिति में पंजीकृत हैं। किसान का नया पंजीयन एवं अपडेटेड फॉर्मर रजिस्ट्री (यू.एफआर.) से संबंधित कार्य तहसीलदार आईडी से पोर्टल में और एप्लिकेशन में पृथक-पृथक वेरिफिकेशन एवं अप्रूवल की प्रक्रिया से पूर्ण होंगे। डिजिटल क्रॉप सर्वे में जिन खसरों को हार्वेस्टेड दर्शाया गया है और जिनका डेटा शो नहीं हो रहा है, उनमें भी शीघ्र सुधार किया जाएगा। जिन किसानों का निधन हो चुका है, उनके वारिशों का नाम भुईयां में दर्ज होने पर संबंधित खसरा अब वारिशान के फार्मर आईडी से जोड़ा जा सकेगा। जिन किसानों का मोबाइल नंबर आधार से लिंक नहीं है, उनके लिए फेस रीड ऑप्शन के माध्यम से पंजीयन की सुविधा दी गई है। वन अधिकार पट्टा धारक किसानों को बिना फार्मर रजिस्ट्री के धान विक्रय की अनुमति शासन द्वारा प्रदान की गई है। फार्मर रजिस्ट्री से जुड़ी समस्याओं के निराकरण हेतु हेल्प डेस्क नंबर 9617532143 जारी किया गया है, जहां किसान अपनी तकनीकी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते हैं। कलेक्टर ने किसानों से अपील की है कि वे पोर्टल और ऐप के नवीनतम संस्करण का उपयोग करें तथा किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या की स्थिति में हेल्प डेस्क से संपर्क करें, ताकि पंजीयन एवं धान विक्रय की प्रक्रिया सुचारू रूप से जारी रह सके।

जिले के 1.13 लाख से अधिक किसान लाभान्वित

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से अब तक जिले के 01 लाख 13 हजार से अधिक किसानों को लाभान्वित किया जा चुका है। 20वीं किस्त के रूप में 91 हजार 700 किसानों के खातों में 18 करोड़ 35 लाख रुपये की राशि अंतरित की गई है। अब तक इस योजना के तहत जिले के किसानों को कुल 344 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्राप्त हुई है। साथ ही 150 से अधिक नए किसानों का पंजीयन कर उन्हें भी योजना से जोड़ा गया है। यह योजना किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में जिले के 01 लाख 05 हजार से अधिक किसानों को 444 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान की जा चुकी है।

भड़काऊ टिप्पणी को लेकर समाज ने सौंपा ज्ञापन

घरघोड़ा/नवप्रदेश। जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के अध्यक्ष अमित बघेल द्वारा समाज विशेष और राष्ट्रपुरुषों के विरुद्ध आपत्तिजनक व भड़काऊ टिप्पणी किए जाने को लेकर अग्रवाल समाज, घरघोड़ा ने एसडीएम और थाना प्रभारी को आवेदन सौंपकर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

आवेदन में कहा गया है कि अमित बघेल ने एक मीडिया बयान में महाराजा अग्रसेन जी, डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी, सिंधी समाज और उनके आराध्य देवता के प्रति अमर्यादित, अपमानजनक और सामाजिक वैमनस्य फैलाने वाले शब्दों का प्रयोग किया है। अग्रवाल समाज ने इसे धार्मिक और सामाजिक भावनाओं को आहत करने वाला अपराध बताया है और कहा है कि ऐसे वक्तव्य समाज में तनाव और अशांति फैलाने का कार्य करते हैं। समाज ने प्रशासन से मांग की है कि अमित बघेल के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की प्रासंगिक धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर तत्काल गिरफ्तारी की जाए। समाज ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो मामला आंदोलन का रूप ले सकता है। साथ ही, संबंधित वीडियो साक्ष्य आवेदन के साथ प्रशासन को सौंपा गया है।

केशरवानी महिला समिति ने मनाई आंवला नवमीं

मुंगेली/नवप्रदेश। केशरवानी महिला समिति ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सुरीघाट में स्थित सत्येंद्र प्रियंक गुप्ता के श्रीराम नर्सरी एंड लैंडस्केपिंग में आंवला नवमी भगवान विष्णु और आंवले के वृक्ष की पूजा-अर्चनाकार मनाया। मान्यता है कि इस दिन पूजा-व्रत करने और दान देने से जीवन में सौभाग्य, सुख-समृद्धि और सेहत मिलती है। कहा जाता है कि आंवला वृक्ष के नीचे बैठकर भोजन करने से अक्षय पुण्य प्राप्त होता है और आंवले का सेवन अमृत के समान माना जाता है। साथ ही माता लक्ष्मी का सम्मान करने और समृद्धि एवं स्वास्थ्य के लिए उनका आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु भी आंवला वृक्ष की पूजा की जाती हैं। कहा जाता है कि इस दिन आंवला वृक्ष की परिक्रमा या पूजा करने से स्वयं लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। आंवला नवमी के दिन भगवान विष्णु और आंवले के वृक्ष की पूजा करने का विधान होता है। मान्यता है कि इस दिन से लेकर देवउठनी एकादशी तक भगवान विष्णु आंवले के वृक्ष के नीचे ही निवास करते हैं। ऐसे में अगर आंवला नवमी के दिन आरोग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही, जीवन में सुख-समृद्धि आती है। पूजन के बाद महिलाओ में अपने साथ घर से बना कर लाए विभिन्न प्रकार के व्यंजनों फरा, पीठा, चौसेला, गुझिया, खीर-पूड़ी, पुलाव, मिठाइयों का लुत्फ उठाया और साथ में कुर्सी दौड़, अंताक्षरी, हाऊजी जैसे गेम का आनंद उठाया।

बेमौसम बारिश से लोग परेशान

मुंगेली/नवप्रदेश। बेमौसम बारिश के असर से क्षेत्र के किसान प्रभावित हो हैं। अब जबकि मानसून के लौट जाने के बाद आसमान साफ होने चाहिए थे, छाये बादलों के कारण नहीं हो सका है। साथ ही गुलाबी ठंड ने दस्तक दे दिया होता मगर अनवरत जारी बारिश ने क्षेत्र के किसानों की चिंता बढ़ा दिये है। दरअसल खेतों में धान फसल पककर तैयार हो चुके हैं।दिन होने वाले बारिश ने कटाई मिसाई कार्य पर विराम लगा दिया है चाह कर भी किसान अपने खेतों के धान नहीं काट पा रहे हैं। कुछ कटे हुए हैं वह खेत में पड़े पड़े खराब होने के कगार पर है। वहीं आलू बोनी में भी लेट लतीफी हो रही है अन्य सब्जी फसल प्रभावित हैं।

नेगीपारा में भगवान राम की प्रतिमा खंडित, ग्रामीणों में आक्रोश

घरघोड़ा/नवप्रदेश। जहां छत्तीसगढ़ में एक तरफ विवादित बयानबाजी का थमने का नाम नहीं ले रहा है उधर ही आज घरघोड़ा नगर में नेगीपारा में देखने को मिल रहा है भगवान राम की मंदिर में भगवान की प्रतिमा गायब है बीती रात किसी आसामाजिक तत्वो के द्वारा मंदिर के मूर्ति भगवान राम सीता लक्ष्मण हनुमान जी की मूर्ति को तोड़फोड़ करते हुए उसकी मूर्ति को नाली में फेंका गया है।

नित्य की भांति जब ग्रामीणों ने सुबह स्नान कर मंदिर में पूजा पाठ करने के लिए गए तो वहां पर देखते हैं कि मंदिर से भगवान की प्रतिमा गायब है उन्होंने छानबीन किया गया तो देखा तो भगवान

की मूर्ति नाली में पड़ी हुई दिखी आस पास से संपर्क कर जानाना चाहा तो कहीं कोई पता नहीं चला इसी विषय में आज नेगीपारा और घरघोड़ा के निवासियों ने मंदिर में तोड़फोड़ करने वाले व्यक्ति के ऊपर कानूनी कार्रवाई करने के लिए घरघोड़ा थाना में थाना प्रभारी को एक आवेदन दिया गया है जिसमें मंदिर में तोड़फोड़ करने वाले असामाजिक तत्व के ऊपरकड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

नवप्रवेशी छात्राओं को नि :शुल्क साइकिल वितरित

मुंगेली/नवप्रदेश। कक्षा नवमीं में अध्ययनरत नवप्रवेशी छात्राओं को निःशुल्क सायकल प्रदान किया गया। वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडल अध्यक्ष ग्रामीण राजीव श्रीवास व अध्यक्षता शाला प्रबन्ध एवं विकास समिति के अध्यक्ष चंद्रहास गोस्वामी ने किया। विद्यालय के नियमित 53 बालिकाओ को साइकिल देकर मुख्य अतिथि ने बच्चों को संबोधित किया। कार्यक्रम को एसएमडीसी के अध्यक्ष, जनपद सदस्य प्रतिनिधि कन्हैया जायसवाल, सरपंच प्रतिनिधी मंजीत रात्रे, गुलाब राजपूत, गोपाल साहू, रोशन चेलक, सदस्य व विद्यालय से शिक्षकों में रामभजन भास्कर,

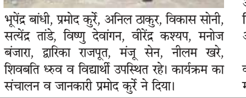

भूपेंद्र बांधी, प्रमोद कुर्रे, अनिल ठाकुर, विकास सोनी, सत्येंद्र तांडे, विष्णु देवांगन, वीरेंद्र कश्यप, मनोज बंजारा, द्वारिका राजपूत, मंजू सेन, नीलम खरे, शिवबति ध्रुव व विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन व जानकारी प्रमोद कुर्रे ने दिया।

जिंदल फाउंडेशन का 'दृष्टि अभियान': बच्चों की आंखों की सेहत के लिए नई पहल

रायगढ़/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर जिंदल फाउंडेशन ने जिला प्रशासन रायगढ़ के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों की आंखों की सेहत के लिए एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। फाउंडेशन द्वारा संचालित 'दृष्टि अभियान' के तहत आसपास के गांवों के शासकीय विद्यालयों में विशेष नेत्र जांच शिविर आयोजित किए जाएंगे।

इस अभियान की शुरुआत 3 नवम्बर को ग्राम पतरापाली के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय से की जाएगी। इन शिविरों में फोर्टिस-ओ.पी. जिंदल अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सक आधुनिक उपकरणों के साथ सभी विद्यार्थियों की आंखों की जांच करेंगे। जिन बच्चों को चश्मे की आवश्यकता पाई जाएगी, उन्हें उत्तम गुणवत्ता वाले चश्मे निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे।

आज के डिजिटल युग में लगातार बढ़ते स्क्रीन टाइम के कारण कम उम्र में ही बच्चों की आंखों की कमजोरी एक आम समस्या बनती जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में समय पर जांच न होने से यह परेशानी और बढ़ जाती है। जिंदल फाउंडेशन ने इस चिंता को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन रायगढ़ के मार्गदर्शन में दृष्टि अभियान की शुरुआत की है, जिससे बच्चों को समय पर जांच और उपचार का लाभ मिल सके। गौरतलब है कि जिंदल फाउंडेशन शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और आधारभूत संरचना जैसे क्षेत्रों में सतत कार्य कर रहा है। ओ.पी. जिंदल छात्रवृत्ति, सावित्री देवी जिंदल छात्रवृत्ति और यशस्वी योजना जैसी पहल पहले से ही विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने में सहायक सिद्ध हो रही हैं। 'दृष्टि अभियान' इन्हीं प्रयासों की श्रृंखला में जिंदल फाउंडेशन का एक और सार्थक कदम है।

गांव-गांव में लगाए जाएंगे स्वास्थ्य शिविर

शैक्षणिक संस्थानों में नेत्र जांच के साथ ही जिंदल फाउंडेशन द्वारा गांव-गांव में स्वास्थ्य शिविर भी लगाए जाएंगे। इन शिविरों में फोर्टिस-ओ.पी. जिंदल अस्पताल के चिकित्सक ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच करेंगे और आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की जाएंगी।

आयोजन

मुंगेली के पीएमश्री स्वामी आत्मानंद विद्यालय में 'रन फॉर यूनिटी' का सफल आयोजन

राष्ट्रीय एकता दिवस पर छात्रों ने ली एकता और अखंडता की शपथ

मुंगेली/नवप्रदेश। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर 31 अक्टूबर को पीएमश्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय, दाऊपारा, मुंगेली में प्रथम पाली में जिला शिक्षा अधिकारी एलपी डाहिरे के द्वारा शाला परिवार एवं प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक दोनों विभाग के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम की शुरुआत में जिला शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय के प्राचार्य डॉ. आईपी यादव सहित समस्त स्टाफ

सदस्यों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल के देश के एकीकरण में किए गए अविस्मरणीय योगदान को याद किया और उनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर जिला परियोजना अधिकारी साक्षरता मिशन रामनाथ गुप्ता, डीएमसी समग्र शिक्षा अशोक कश्यप, व्याख्याता महादेव यादव, पंकज मिश्रा, एनएसएस प्रभारी राहुल वर्मा, व्यायाम शिक्षक राजेन्द्र साहू प्रधान पाठक पूर्व माध्यमिक दीप्ति चतुर्वेदी, प्रधान पाठक प्राथमिक अमृता पात्रे, व्याख्याता रंजीता केवट, कम्प्यूटर शिक्षक डिकेश्वरी श्रीवास सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

'रन फॉर यूनिटी' एवं विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन

सरदार वल्लभ भाई पटेल के 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य पीएमश्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय दाऊपारा में प्रथम सत्र में शपथ पश्चात हाई एवं हायर सेकेंडरी के विद्यार्थियों एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं द्वारा रन फॉर यूनिटी तथा भाषण, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम उपस्थित पुलिस अधिकारियों का शाला प्राचार्य एवं स्टाफ द्वारा बैज लगाकर स्वागत किया गया। द्वितीय सत्र में भाषण प्रतियोगिता में स्वीटी पाटले 12वीं विज्ञान प्रथम, हिमानी पटेल 11वीं गणित द्वितीय एवं मानसी पात्रे 11वी गणित तृतीय स्थान प्राप्त किये। इसी प्रकार निबंध प्रतियोगिता में श्वेता लहरे 12 जीव विज्ञान प्रथम, स्वीटी पाटले द्वितीय एवं अनुष्का बंजारा 10वीं तृतीय रही। चित्रकला प्रतियोगिता में आद्या उपाध्याय 10वीं प्रथम, सुधांशु नेताम 9वीं द्वितीय एवं अनिरुद्ध देवांगन 9वीं तृतीय रहे। कार्यक्रम में पुलिस विभाग द्वारा विशेष रूप से उपस्थित रहकर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए विजेता प्रतिभागियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

नए एसपी और थाना प्रभारी के आने पर अपराधियों में हड़कंप, 10 आरोपी भेजे जेल

चिरमिरी/एम सी बी। जिले में नई एस पी रत्ना सिंह और थाना चिरमिरी में विजय सिंह के पदभार ग्रहण करते ही क्षेत्र में कानून व्यवस्था की नई तस्वीर उभरने लगी है। थाना प्रभारी के मार्गदर्शन में पुलिस ने अवैध कारोबार, जुआ, सट्टा, नशीले पदार्थों और शराब के कारोबार में लिप्त 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा, जिससे अपराधियों में हड़कंप मच गया है। यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा एवं पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह के निर्देश पर की गई। पुलिस ने कमलेश सिंह, निवासी गोदरीपारा इस्माइल कुरैशी, निवासी गोदरीपारा रंजीत रजक, निवासी गोदरीपारा इमरान कुरैशी, निवासी न्यू टिकरापारा आशीष तिवारी, निवासी छोटी बाजार शिवराम सोनवानी, निवासी छोटी बाजार राकेश गौर, निवासी छोटी बाजार अरविंद तिवारी, निवासी छोटी बाजार रितेश सुमनदे, निवासी छोटी बाजार देवेंद्र कुमार, निवासी छोटी बाजार आरोपियों को गिरफ़्तार कर न्यायालय में पेश किया।

अचानकमार टाइगर रिजर्व में झूमरी और शावक बने आकर्षण के केंद्र

एक नवंबर से पर्यटकों का आवाजाही शुरू, बुकिंग ने तोड़े रिकॉर्ड, वन्यजीव प्रेमी एटीआर में उमड़े

बिलासपुर/नवप्रदेश। अचानकमार टाइगर रिज़र्व एटीआर 1 नवंबर से द्वार पर्यटकों के लिए खुल गया है। वन्यजीवों के संसार में सैर सपाटे का लंबा इंतज़ार अब समाप्त होने वाला है, क्योंकि जंगल सफारी की अनुमति मिलने के साथ ही एटीआर पर्यटकों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है। इस वर्ष एटीआर के आकर्षण का केंद्र बनी है बाघिन झूमरी और उसके नन्हें शावक, जिनके एक पलक झपकते दीदार की चाहत लिए वन्यजीव प्रेमी उमड़ पड़े हैं। अग्रिम ऑनलाइन बुकिंग प्रणाली शुरू होते ही, सफारी के कई स्लॉट हाथों हाथ बुक हो चुके हैं। यह अभूतपूर्व उत्साह यह सिद्ध करता है कि झूमरी और उसके परिवार ने पर्यटकों के दिलों में एक खास जगह बना ली है।

एटीआर प्रबंधन ने पर्यटकों के लिए सुविधाओं की सौगात दी है। अन्य बड़े टाइगर रिज़र्व की तुलना में अचानकमार में सैर सपाटा बेहद किफायती और सुलभ रखा गया है। जिप्सी, योद्धा वाहन और मिनी बस के लिए क्रमशः 3500, 5500 और 7500 रुपये की दरें निर्धारित की गई हैं। यह कदम बड़ी संख्या में पर्यटकों को मैकल पर्वत की गोद में बसे इस भव्य अभयारण्य की ओर आकर्षित करेगा। बैगा रिसॉर्ट में एक कमरे का किराया भी मात्र 3500 रुपये प्रति रात्रि है। पर्यटकों के अनुभव को और भी रोमांचक बनाने के लिए इस सीज़न में कई नई पहलें शुरू की जा रही हैं। 'नेचर ट्रेल' का शुभारंभ यहाँ पर्यटक स्थानीय गाइड्स के साथ पैदल चलकर वनस्पति, रंगबिरंगे पक्षियों और तितलियों की अद्भुत विविधता को करीब से महसूस कर सकेंगे। स्थानीय गोंड एवं गोंदना कला, हस्तशिल्प और वन उत्पादों से निर्मित मनमोहक स्मृति चिह्न यहाँ उपलब्ध होंगे, जिससे स्थानीय समुदायों को भी आजीविका मिलेगी। पर्यटक अब पारंपरिक बैगा व्यंजनों के जायके से लेकर हल्के स्नैक्स और पेय पदार्थों तक का आनंद ले सकेंगे।

दिखा वन्यजीवन का अद्भुत संसार

यह अभयारण्य बाघ, तेंदुआ, भालू, सोनकुत्ता, बाइसन, चीतल, सांभर, कोटरी, खरगोश और उड़न गिलहरी जैसे असंख्य मनोहक वन्य प्राणियों का घर है। यह स्थान अनेकों प्रजातियों के पक्षियों का भी बसेरा है, जिससे यह पक्षी प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है। विभाग के द्वारा सफारी की तीन पालियाँ निर्धारित की गई हैं, ताकि अधिक से अधिक पर्यटक इस जादुई दुनिया का अनुभव ले सकें। एटीआर की पहुँच बेहद सुलभ है। यह राजधानी रायपुर (200 किमी) और बिलासपुर (55 किमी) से सीधे राष्ट्रीय राजमार्गों द्वारा जुड़ा हुआ है।बिलासपुर जंक्शन निकटतम प्रमुख रेलवे स्टेशन है, जबकि रायपुर का स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट हवाई मार्ग से आने वाले पर्यटकों का स्वागत करता है।

■ न्यूज गैलरी

खंडेलवाल दंपती ने देहदान का लिया संकल्प

बिलासपुर/नवप्रदेश। समाज में मानव सेवा के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाली एक प्रेरणादायक पहल विश्व हिंदू परिषद, सेवा आयाम ने की। इसके तहत सुधीर खंडेलवाल व उनकी पत्नी शशि खंडेलवाल ने मृत्युपरांत अपने शरीर (देह) का दान करने का संकल्प लिया। सुधीर खंडेलवाल ने कहा 'मृत्यु के बाद भी हमारा शरीर दूसरों के काम आ सके, इससे बड़ा पुण्य कोई नहीं।' उनका देहदान सिम्स मेडिकल कॉलेज, बिलासपुर को दिया जाएगा। विश्व हिंदू परिषद सेवा आयाम के सदस्य खंडेलवाल दंपत्ति के निवास पर पहुंचे और उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रांत मंत्री विभूति भूषण पांडे, विभाग मंत्री राजीव शर्मा, मनीष मोटवानी, आशीष खंडेलवाल, नीरज जग्यासी, विवेक पंजवानी आदि उपस्थित थे।

स्पोर्ट्स असाइनमेंट से हटाए गए 7 अधिकारी, हाईकोर्ट बोला- संज्ञान नहीं लेते तो केस दब जाता

बॉक्सिंग रिंग में चिकन और शराब पार्टी, 12 कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई

बिलासपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन के बॉक्सिंग रिंग में स्पोर्ट्स ऑफिसर के बर्थडे सेलिब्रेशन और शराब-चिकन पार्टी पर हाईकोर्ट की सख्ती का असर दिखा है। रेलवे के जीएम ने शपथपत्र में बताया है कि 12 कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जा रही है। वहीं इनमें से 7 कर्मचारियों को खेल गतिविधियों से हटा दिया गया है।

इस मामले में हाईकोर्ट ने पूछा था कि दोषियों पर क्या कार्रवाई की गई है, जिस पर रेलवे की तरफ से जवाब दिया गया है। कोर्ट ने ये भी टिप्पणी की है कि अगर समय पर कार्रवाई नहीं होती, तो यह मामला दब जाता। दरअसल, दैनिक भास्कर डिजिटल ने बिलासपुर रेलवे जोन के बॉक्सिंग रिंग में स्पोर्ट्स ऑफिसर ने अपना बर्थ-डे सेलिब्रेशन में शराब और चिकन पार्टी की खबर को प्रमुखता से दिखाया था, जिसे हाईकोर्ट ने जनहित याचिका मानकर सुनवाई शुरू की है। डिवीजन बेंच ने गुरुवार (23 अक्टूबर) को छुट्टी के दिन सुनवाई की थी। कोर्ट ने रेलवे जोन के महाप्रबंधक से शपथपत्र के साथ जवाब मांगा था। साथ ही पूछा था कि मामला सामने आने पर दोषियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। एसईसीआर के स्पोर्ट्स सेल इंचार्ज श्रीकांत पहाड़ी ने 25 जून को अपने साथी कोच देवेंद्र यादव के जन्मदिन की पार्टी बॉक्सिंग क्लब में दी थी। उन्होंने अपने साथी कोचों और खिलाड़ियों को भी इस पार्टी में आमंत्रित किया था। जन्मदिन की इस पार्टी के दौरान उन्होंने मौके पर ही मछली फ्राई और चिकन पकाया, जिसके बाद बीयर और शराब पार्टी की गई। इस दौरान कुछ तस्वीरें भी ली गईं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। हाईकोर्ट के हस्तक्षेप के बाद रेलवे ने एक्शन लिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने मामले में नाराजगी जताते हुए कहा कि 25 जून की घटना है, लेकिन एसईसीआर के जीएम और अन्य अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं मिली।

रेलवे ने कहा- नियमों के अनुसार कार्रवाई

रेलवे का पक्ष रखते हुए डिप्टी सॉलिसिटर जनरल रमाकांत मिश्रा ने गुरुवार (30 अक्टूबर) को जीएम के शपथपत्र देने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रेलवे ने नियम 68 के तहत 12 कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय जांच प्रस्तावित की है, 7 लोगों को गतिविधियों से हटा दिया गया है। रेलवे के अलग-अलग विभागों में पदस्थ श्रीकांत पाढ़ी, सुभाष कुमार, बी. अनिल कुमार, सुमित कुमार, पी. तुलसी राव, विकास ठाकुर, पूर्णेन्द्र साहू ओपी. यादव, पी. ईश्वर राव, वाई. नागू राव, देवेन्द्र यादव और पीके. तिवारी के खिलाफ कार्रवाई का प्रस्ताव है।

प्रियदर्शनी समाज सेवा समिति ने इंदिरा की पुण्यतिथि पर फल, मिष्ठान और कंबल बांटे

बिलासपुर/नवप्रदेश। प्रियदर्शनी समाज सेवा समिति बिलासपुर के तत्वावधान में आज पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न इंदिरा गांधी के शहादत दिवस के अवसर पर विनोबा नगर में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ योग आयोग के पूर्व सदस्य रविंद्र सिंह ठाकुर द्वारा वृद्धजनों को फल, मिष्ठान एवं कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम में बिलासपुर जिला शहर कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष रविंद्र सिंह ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन के संयोजक विजय दुबे थे। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता शिव मुदिलियर, रंजीत खनूजा, उत्तम चटर्जी, राघवेंद्र सिंह, प्रशांत पांडेय, हेरी डेनियल, चंद्रहास केशरवानी, दिलीप साहू, बबलू केशरवानी, सन्नी चौहान, प्रमोद श्रीवास, संजय दवे, संदीप मिश्रा सेन हाग, संगीत मोईत्रा, गुड्डू चंदेल, हनु शर्मा, यश सिंह और पप्पू बिष्ट सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थितजनों ने इंदिरा गांधी जी के योगदान और उनके अदम्य साहस को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

सरदार पटेल की जनसेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी: धरमलाल कौशिक

बिलासपुर/नवप्रदेश। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरम लाल कौशिक ने जिला जांजगीर के अंतर्गत ग्राम चंडीपारा (पामगढ़) में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित उनकी प्रतिमा अनावरण समारोह में शामिल हुए । इस अवसर पर मंच पर प्रतिमा निर्माण हेतु भूमि दान करने वाले दानदाता के परिवारजनों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने जिस दृढ़ संकल्प से देश की बिखरी रियासतों को एक किया, वह आज भी प्रेरणास्रोत है। उन्होंने सभी से देश की एकता और अखंडता बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारे राष्ट्र के प्रारंभिक वर्षों में इसके भाग्य को आकार दे रहे थे। राष्ट्रीय अखंडता, सुशासन और जनसेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी. हम एक अखंड, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के उनके दृष्टिकोण को बनाए रखने के अपने सामूहिक संकल्प की भी पुष्टि करते हैं. इस अवसर पर कार्यक्रम में व्यास कश्यप (विधायक), प्रतिभा दीपक कश्यप (अध्यक्ष, नगर पंचायत पामगढ़), कांता मनमोहन कश्यप (अध्यक्ष, जनपद पंचायत नवागढ़), शांति घासीराम कश्यप (उपाध्यक्ष), ज्योति किशन कश्यप (सदस्य, जिला पंचायत जांजगीर), गयाराम चंदेल (उपाध्यक्ष, नगर पंचायत राहौद), गुलाब सिंह चंदेल (पूर्व जिलाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, जांजगीर) तथा पुरुषोत्तम लाल कौशिक सहित कुर्मी समाज के अनेक गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कृषि महाविद्यालय में मनाई गई पटेल की 150वीं जयंती

बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, बिलासपुर में राष्ट्र के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में उत्साहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बिलासपुर डॉ. एन. के. चौरे, डॉ. एस. एल. स्वामी, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लोरमी-मुंगेली एवं डॉ. एस. के. वर्मा, मुख्य वैज्ञानिक, क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र, बिलासपुर तथा छात्र-छात्राओं द्वारा सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. चौरे ने कहा कि राष्ट्रीय एकता किसी भी देश की प्रगति का आधार होती है।

आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद पर आवेदन 17 तक

बिलासपुर/नवप्रदेश। एकीकृत बाल विकास परियोजना बिल्हा अंतर्गत ग्राम पंचायत खम्हारडीह के कुंआपाली में आंगनबाड़ी सहायिका के 1 रिक्त पद पर 3 नवम्बर से 17 नवम्बर 2025 तक आवेदन किये जा सकते है। इच्छुक आवेदिका 17 नवम्बर तक कार्यालय में सीधे अथवा पंजीकृत डाक से आवेदन कर सकती है। आवेदन के संबंध में अधिक जानकारी कार्यालय जनपद पंचायत बिल्हा एवं कार्यालय एकीकृत बाल विकास परियोजना बिल्हा के सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है।

एवीएम न्यू सैनिक स्कूल में राज्योत्सव मनाया गया

बिलासपुर /नवप्रदेश। आधारशिला विद्या मंदिर न्यू सैनिक स्कूल वेयरहाउस में छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के उपलक्ष्य मे छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस की रजत जयंती बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ 31 अक्टूबर को विद्यालय प्रांगण में मनाया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना दिवस (राज्योत्सव 2025) के 25 वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूरे विद्यालय परिसर को छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और विरासत को दर्शाने वाले रंगों और प्रतीकों से सुंदर रूप से सजाया गया था। विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ी लोक गीत, नृत्य, कविताएँ और भाषण प्रस्तुत किए, जिनमें राज्य की परंपराओं, उपलब्धियों और गौरव को दर्शाया गया। कार्यक्रम का समापन रश्मि श्रीवास्तव, शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा 'अरपा पैरी के धार' और एक हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इसके बाद पूरे वातावरण में गूंज उठा नारा- 'हमर गौरव, हमर राज्य- छत्तीसगढ़ 'और 'जय छत्तीसगढ़ जय हिंद।' के जयघोष से पूरा परिसर गर्व और उल्लास से भर गया।

परसदा में स्कूली बच्चों ने निकाली स्वास्थ्य जागरूकता रैली

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिल्हा विकासखण्ड के ग्राम परसदा में सिम्स के कम्युनिटी मेडिसीन विभाग द्वारा फैमली एडॉप्शन कार्यक्रम के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य एवं सामान्य स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने स्कूली बच्चों एवं डॉक्टरों ने जागरूकता रैली निकाली। कार्यक्रम में एमबीबीएस के छात्र-छात्राओं ने प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय के बच्चों को विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इंटर्न छात्रों द्वारा मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें मनोरोग विभाग एवं सामुदायिक विभाग ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रिंसिपल मोरीन सैम्युल, शिक्षकों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि मनहरण कौशिक का भी सहयोग रहा। ज्ञात हो कि पूरे भारत में 10 अक्टूबर से 10 नवम्बर तक जागरूकता अभियान अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सिम्स के डीन डॉ. रमणेश मूर्ति के मार्गदर्शन और कम्यूनिटी मेडिसिन के विभागाध्यक्ष डॉ. हेमलता ठाकुर एवं मनोरोग विभाग के डॉ सुजीत नायक के द्वारा कार्यक्रम का मार्गदर्शन व सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. राकेश जांगड़े, डॉ. सुधांशु, सत्यस्मिता जैन, प्रियांश दुबे, डॉ. ज्योति, डॉ. जांनवी एवं कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की एचओडी व उनकी टीम डॉ. सुचिता, डॉ. श्रुति, डॉ. नसरीन, डॉ. डार्विन, डॉ. मधु, डॉ. सुमित, डॉ. आशीष, डॉ. विनोद, डॉ. रितिका, प्रतीक, विजय एवं इंटर्न डॉक्टरों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

सिम्स के डॉक्टरों ने लगाया स्वास्थ्य शिविर

अपोलो कैंसर सेंटर की चेक-ओलेट पहल से महिलाओं में बढ़ेगी ब्रेस्ट कैंसर जांच की जागरूकता

बिलासपुर/नवप्रदेश। ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह के दौरान अपोलो कैंसर सेंटर ने महिलाओं को स्तन आत्म परीक्षण के प्रति जागरूक करने 'चेक-ओलेट' पहल शुरू की है। डार्क चॉकलेट की प्रत्येक बार में एक क्यूआर कोड दिया गया है, जिसे स्कैन करने पर आत्म-परीक्षण की जानकारी देने वाला एनिमेटेड वीडियो दिखाई देता है। कार्यक्रम में महापौर पूजा विधानी सहित वरिष्ठ अनुभवी चिकित्सक शामिल हुए। जिन्होंने बताया कि भारत में महिलाओं में कैंसर के मामलों में ब्रेस्ट कैंसर सबसे अधिक है, इसलिए समय पर जांच और जागरूकता जरूरी है। इस पहल के माध्यम से महिलाओं को नियमित जांच को आदत में शामिल करने का संदेश दिया गया।

आयोजन

केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन ने किया भक्त माता कर्मा के विशेष आवरण का अनावरण

डाक विभाग केवल पत्रवाहक नहीं, आस्था और संस्कृति के संदेश वाहक हैं: तोखन साहू

बिलासपुर/नवप्रदेश। डाक विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय डाक प्रदर्शनी ''बिलासापेक्स-2025'' में केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री साहू ने भक्त माता कर्मा पर आधारित विशेष आवरण का विमोचन किया।

उन्होंने कहा कि डाक टिकट केवल कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि यह हमारी सभ्यता, संस्कृति और महान विरासत का प्रतीक है। ये टिकटें हमें हमारे राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास और त्यागमयी परंपरा से जोड़ती हैं। श्री साहू ने भक्त माता कर्मा पर आधारित विशेष आवरण का विमोचन करते हुए कहा कि यह केवल एक डाक आवरण नहीं, बल्कि करुणा, समानता और भक्ति की जीवंत गाथा है। माता कर्मा जी ने उस युग में सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ते हुए मानवता और प्रेम का संदेश दिया। जब भगवान जगन्नाथ ने स्वयं माता कर्मा द्वारा अर्पित खिचड़ी को स्वीकार किया, वह सामाजिक एकता और समानता की विजय थी।' उन्होंने कहा कि डाक विभाग ने इस विशेष आवरण के माध्यम से एक ऐतिहासिक कार्य किया है उन्होंने यह सिद्ध कर दिया है कि वे केवल पत्रवाहक नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और समरसता के सच्चे संदेशवाहक हैं। जब यह आवरण देशभर में पहुँचेगा, तो मां कर्मा की भक्ति, मातृशक्ति और गौरव की महक को फैलाएगा। कार्यक्रम में श्री साहू ने सभी से यह आह्वान किया कि 'माता कर्मा जी की जीवन गाथा हमें यह सिखाती है कि सबसे बड़ा धर्म प्रेम है।

स्कूल व कॉलेज के बच्चों को प्रदर्शनी से मिली ज्ञानवर्धक जानकारी

प्रदर्शनी में जैन इंटरनेशनल स्कूल, डीपीएस स्कूल, आधार शीला, सरस्वती शिशु मंदिर, मोहंती स्कूल, राजेंद्र नगर शासकीय स्कूल, अटल बिहारी बाजपेई विश्वविद्यालय के छात्र बड़ी संख्या में मौजूद रहे एवं डाक टिकट प्रदर्शनी का आनंद लिया एवं टिकटों के माध्यम से देश दुनिया की तमाम जानकारी भी प्राप्त की। स्कूली बच्चों के लिए क्विज, ड्राईंग और मॉय स्टेम्प प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम के संबध में डाक विभाग की जनसंपर्क निरीक्षक सुनीता द्विवेदी ने जानकारी दी। आज छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पर विशेष अनावरण विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

अब हर महतारी सशक्त है, अब हर बेटी समर्थ है

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय, प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ की हर माँ, बहन और बेटी को मुख्यधारा में लाने का संकल्प

छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर, जहां मातृत्व की ममता और नारीत्व की गरिमा सदियों से पूजनीय रही है, वहीं आज एक नई सामाजिक क्रांति आकार ले रही है, महतारी वंदन योजना के रूप में। यह केवल एक कल्याणकारी योजना नहीं, बल्कि नारी गरिमा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरत ा का महोत्सव बन गई है, जिसने राज्य की लाखों महिलाओं को गरिमापूर्ण जीवन जीने की दिशा दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 10 मार्च 2024 को महतारी वंदन योजना का शुभारंभ करते हुए स्पष्ट किया कि यह केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की हर माँ, बहन और बेटी को मुख्यधारा में लाने का संकल्प है। उन्होंने इसे "नारी गरिमा का उत्सव" कहा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की सक्रिय भागीदारी से यह योजना बहुत ही कम समय में जन-आंदोलन में परिवर्तित हो गई। शासन की प्रतिबद्धता, संवेदनशीलता और समर्पण ने इसे घर-घर तक पहुंचा दिया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश की माताओं- बहनों के प्रति इसी संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता से काम रही है। बैंक खाते में नगद राशि के साथ 'महतारी वंदन योजना' उन्हें आत्मनिर्भरता और सम्मान दिला रही है। प्रदेश की लाखों महिलाएं 'लखपति दीदी' बनकर समृद्धि का रास्ता तय कर रही हैं। महिला सशक्तिकरण की योजनाओं से प्रदेश में महिलाओं के अंदर अब जो सुरक्षा का भाव पैदा हुआ है, वह उन्हें एक नया आत्मविश्वास दिला रहा है।

श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े
मंत्री- महिला एवं बाल विकास

आंकड़ों से आगे बढ़ती कहानी

मार्च 2024 से जुलाई 2025 तक कुल 17 किश्तों में लगभग 70 लाख महिलाओं को 11 हजार 08 करोड़ रूपए की राशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की गई। यह केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि उन सपनों की पूंजी है जिन्हें अब तक परिस्थितियों ने दबा दिया था। योजना से महिलाओं को जो आत्मबल मिला, उसने उनके जीवन को नए आयाम दिए।

आर्थिक स्वावलंबन का रास्ता

आज छत्तीसगढ़ की महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी हैं। किसी ने छोटा व्यवसाय शुरू किया, तो किसी ने बच्चों की शिक्षा और घरेलू जरूरतों को सहजता से पूरा किया। यह आर्थिक संबल महिलाओं को आत्मविश्वास, सामाजिक पहचान और सम्मान दे रहा है। वे अब केवल पारंपरिक भूमिकाओं में सीमित नहीं, बल्कि परिवार की आर्थिक रीढ़ और समाज की निर्णायक शक्ति बनती जा रही हैं।

हर गांव की नारी, अब प्रेरणा की अधिकारी

योजना की असली तस्वीर उन कहानियों में है, जो अब गांव-गांव में प्रेरणा का स्रोत बन रही हैं कंचन जो ग्राम गीधा, मुंगेली की निवासी हैं। व्यवसाय को बढ़ाया और अब घर की ज़िम्मेदारियाँ आसानी से निभा रही हैं। कंडरा जनजाति से आती हैं और बांस शिल्प के पारंपरिक व्यवसाय से अब आजीविका चलाती हैं। व्यवसाय को बढ़ाकर 8000 रुपए तक मासिक आमदनी अर्जित कर रही हैं।

जरूरतों को पूरा करने में मददगार

सालाना मिलने वाले 12 हजार रूपए हमारी कई जरूरतों को पूरा करने में मददगार होंगे। इससे रोजमर्रा के खर्च, बच्चों के दवाइयों और पढ़ाई का समान खरीदने में राहत मिलेगी। महतारी वंदन योजना से मिली राशि से वह अपनी और घर की जरूरतें पूरी कर सकेंगी। अब उन्हें छोटी-मोटी चीजों के लिए बार-बार पति से कहने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

भागीदारी का अधिकार देने वाला प्रयास

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस योजना को महिलाओं को केवल सहायता नहीं, बल्कि समाज में भागीदारी का अधिकार देने वाला प्रयास बताया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की संवेदनशील सोच और जमीनी सक्रियता ने इसे नीतिगत घोषणा से निकालकर समाज की धड़कन बना दिया है।

महतारी वंदन

महतारी वंदन योजना प्रदेश की माताओं-बहनों के जीवन में आशा, विश्वास और नई प्रेरणा का संचार कर रही है। 69 लाख से अधि क महि लाओं के खातों में अब तक 19 कि स्तों में कुल 12,376 करोड़ की राशि अंतरित की जा चुकी है। महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा प्रदा न करने, आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करने और उनके आत्मविश्वा स को बढ़ाने में महतारी वंदन योजना अभूतपूर्व भूमि का निभा रही है।

"स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार"

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की पहल ''स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार'' के अंतर्गत प्रदेश के प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय मिशन (PM JANMAN) क्षेत्रों में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में पिछड़ी जनजातीय समूहों (PVTGs) सहित 7,825 लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकों और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा समग्र स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की गईं। राज्य के 24 जिलों में 85 शिविरों और 51 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स के माध्यम से सामान्य ओपीडी, बीपी, मधुमेह, एनीमिया, मातृत्व सेवाएं, मलेरिया, सिकल सेल, टीबी, कैंसर स्क्रीनिंग, टीकाकरण और परिवार नियोजन सेवाओं का लाभ लिया गया।

दीदी के गोठ: महिला स्वावलंबन

छत्तीसगढ़ में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा शुरू किए गए विशेष रेडियो कार्य क्रम 'दीदी के गोठ' का प्रसारण 31 अगस्त को सभी आकाशवाणी केंद्रों से हुआ। इसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को शासन की योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है। स्व-सहायता समूहों की सफल महिलाओं की प्रेरक कहानियां साझा की गईं। प्रदेश के 33 जिलों में सामूहिक श्रवण आयोजित हुआ, जिसमें लाखों महिलाएँ शामिल होकर इस पहल से जुड़ीं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएँ दीं।

श्रम और हुनर से आत्मनिर्भर बन रही हैं महिलाएं

त्यौहार के पहले ही सप्ताह से इन महिलाओं ने मोहला के साप्ताहिक बाजार में दुकानें लगाई, जो लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया, जहां उन्हें आवश्यक उत्पाद उचित मूल्य पर प्राप्त हुए। ग्राहकों को यह हस्तनिर्मित वस्तुएं बहुत पसंद आई और सभी ने इनकी सराहना की, जिससे महिलाओं का मनोबल बढ़ा है। बिक्री से प्राप्त आय ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सहयोग तो दिया ही, साथ ही उन्हें यह एहसास भी दिलाया कि वे अपने श्रम और हुनर से आत्मनिर्भर बन सकती हैं।

महिलाओं को सामाजिक सम्मान

इस पहल से जुड़ी कई महिलाओं ने पहली बार घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर व्यापार किया था। जिस पर महिलाओं ने बताया कि पहले उन्हें यह विश्वास नहीं था कि वे खुद से कुछ बना और बेच सकती हैं लेकिन बिहान समूह से जुड़ने के बाद उन्हें प्रशिक्षण, सहयोग और मार्गदर्शन मिला, जिससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। यह न केवल उनकी आजीविका का एक माध्यम बना, बल्कि उनके सामाजिक सम्मान भी बढ़ा है एवं उन्हें इससे संबल भी प्राप्त हुआ है।

महिला स्वावलंबन और विकास को नई दिशा

बिहान योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है और यह सफलता उसकी एक सजीव मिशाल है। इस प्रकार की पहल ग्रामीण क्षेत्रों में महिला उद्यमिता, स्वावलंबन और सामुदायिक विकास को नई दिशा देती है। दीपावली पर शुरू हुई यह आर्थिक यात्रा सिर्फ एक पर्व तक सीमित नहीं रही, बल्कि महिलाओं के जीवन में एक स्थायी परिवर्तन की शुरुआत बन गई।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

मातृत्व हर स्त्री के जीवन का सबसे पवित्र और भावनात्मक अनुभव होता है, लेकिन यह अनुभव अनेक जिम्मेदारियों और चुनौतियों से भरा होता है। गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को पौष्टिक आहार, उचित चिकित्सकीय देखभाल और मानसिक संबल की आवश्यकता होती है, परंतु आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह सब उपलब्ध कराना कठिन होता है। ऐसे में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना महिलाओं के लिए एक वरदान साबित हो रही है।

मां को मिले पोषण, सुरक्षा और सम्मान

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2017 में प्रारंभ की गई इस योजना का उद्देश्य है हर मां को मिले पोषण, सुरक्षा और सम्मान। योजना के अंतर्गत प्रथम गर्भावस्था में महिलाओं को 5000 रूपए की राशि दो किश्तों में सीधे बैंक खाते में दी जाती है। साथ ही पात्र बालिका के जन्म पर 6000 रुपए की अतिरिक्त राशि भी प्रदान की जाती है। यह आर्थिक सहयोग माताओं को गर्भावस्था के दौरान उचित देखभाल और पोषण प्राप्त करने में मदद करता है।

राष्ट्रीय पहचान की ओर बिहान की दीदियां

भारत माता संकुल, डोंगरगांव की महिलाओं से साहीवाल और गिर गाय के A2 मिल्क से निर्मित घी की खरीदारी की। समूह की श्रीमती दिनेश्वरी साहू ने बताया कि उनके पास 25 से 30 गाएं हैं, जिनसे डेयरी उत्पाद तैयार कर महिलाएं अच्छी आय कमा रही हैं। जालाग्राम संगठन, सेरीखेड़ी की श्रीमती खिलेश्वरी मधुकर ने बताया कि उनके समूह की महिलाएं फिनायल, धूपबत्ती, मोमबत्ती, कुकीज़ और ग्लिसरीन सोप बनाकर आत्मनिर्भर बन रही हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और पॉलिसी वॉच के संयुक्त तत्वाधान में बिहान की दीदियों के लिए विशेष कार्यशाला आयोजित की गई है। इसके अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाएं अपने उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्लेटफ़ॉर्म पर बेच सकेंगी। उन्हें प्रोडक्ट की ब्रांडिंग, कास्टिंग और पैकेजिंग जैसी बारीकियों का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य

वर्ष 2027 तक देशभर में 3 करोड़ और छत्तीसगढ़ में 8 लाख महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि जशपुर जैसे जिलों में महुआ आधारित उत्पाद तैयार हो रहे हैं, जिन्हें 'जशप्योर' ब्रांड के रूप में राष्ट्रीय पहचान मिली है। कोरोना काल में महुआ से सैनिटाइज़र बनाकर महिलाओं ने अपनी क्षमता और नवाचार का परिचय दिया था। मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि महतारी वंदन योजना से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद मिली है।

पोषण की पाठशाला से बच्चों में बढ़ेगी जागरूकता, मजबूत होगी सेहत

बच्चों के पोषण स्तर को बेहतर बनाने और उनमें पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पोषण की पाठशाला कार्यक्रम का जिला पंचायत सभागार जशपुर में शुभारंभ एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हायर और हायर सेकेंडरी विद्यालयों के नोडल अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जिला प्रशासन, आईआईटी बॉम्बे और एसएमडीटी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में जशपुर जिले से प्रारंभ किया गया है। इसका प्रमुख उद्देश्य बच्चों में एनीमिया, बौनापन और शरीर में वसा की कमी जैसी पोषण संबंधी समस्याओं का उन्मूलन करना तथा विद्यार्थियों में संतुलित आहार और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना है।

परिवार और समाज में भी पोषण का दूत बनने के लिए प्रेरित

बच्चों को सही पोषण मिलना उनके शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। आज के बच्चे ही कल के देश के भविष्य हैं। इस अभियान के माध्यम से हम न केवल बच्चों को जागरूक बनाएंगे, बल्कि उन्हें अपने परिवार और समाज में भी पोषण का दूत बनने के लिए प्रेरित करेंगे। आईआईटी बॉम्बे द्वारा तैयार किए गए विशेष पोषण वीडियो 01 नवंबर 2025 शनिवार से जिले के विद्यालयों में प्रदर्शित किए जाएंगे और उसके बाद विधार्थियों से चर्चा एंव सवाल-जवाब का 20 मिनट का सेशन आयोजित किया जाएगा। नियुक्त नोडल अधिकारियों के द्वारा 9,10,11,12 कक्षा में इस कार्यक्रम का संचालन किया जाएगा। इसमें 10 मिनट का एक वीडियो संचालन के साथ 20 मिनट की चर्चा भी शामिल होगी। नोडल अधिकारी कक्षा में दिखाए गए वीडियो पर बच्चों से 5-10 सवाल जवाब एंव चर्चा करेंगे।

2028-29 तक पूरा छत्तीसगढ़ होगा बाल विवाह मुक्त

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि राज्य सरकार का लक्ष्य वर्ष 2028-29 तक पूरे छत्तीसगढ़ को बाल विवाह मुक्त राज्य बनाना है। यह केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का संकल्प है। इसी दिशा में बलौदाबाजार-भाटापारा जिला तेजी से आगे बढ़ रहा है। जिले की 225 ग्राम पंचायतों में पिछले दो वर्षों से कोई बाल विवाह दर्ज नहीं हुआ है। इन्हें बाल विवाह मुक्त पंचायत घोषित करने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने में समुदाय और प्रशासन की संयुक्त भूमिका अहम है।

बालोद जिला देश का पहला बाल विवाह मुक्त जिला

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि विभाग द्वारा जागरूकता और निगरानी के माध्यम से प्रदेश को चरणबद्ध तरीके से बाल विवाह मुक्त बनाया जा रहा है। गौरतलब है कि बालोद जिला देश का पहला बाल विवाह मुक्त जिला बना है, जबकि सूरजपुर जिले की 75 ग्राम पंचायतें भी बाल विवाह मुक्त घोषित हो चुकी हैं। इन उपलब्धियों ने सिद्ध किया है कि समाज और सरकार की साझेदारी से बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ का लक्ष्य शीघ्र ही साकार होगा।

आने वाले समय में ब्रह्माकुमारी विश्व शांति के प्रयासों का प्रमुख केंद्र होगा: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

मोदी ने कहा- इस संस्थान से मेरा अपनापन है, ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान में शब्द कम, सेवा ज्यादा है

- शांति शिखर एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड समाज के नाम समर्पित
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया लोकार्पण, पीएम ने मेडिटेशन रुम में लगाया ध्यान
- मोदी ने अपने सम्बोधन में अध्यात्म, विश्व शांति, पर्यावरण संरक्षण, संस्कृति और ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़े अपने अनुभवों का उल्लेख किया
- राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका ब्रह्माकुमारी जयंती दीदी, अतिरिक्त महासचिव ब्रह्माकुमार डॉ. मृत्युंजय भाई भी रहे मौजूद

झलकियां

- अतिरिक्त महासचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई ने छत्तीसगढ़ी टोपी (खुमरी) और माला पहनाकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया।
- अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी जयंती दीदी ने शॉल भेंट कर प्रधानमंत्री का सम्मान किया।
- परिसर में पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी और प्रधानमंत्री मोदी की आकर्षक रंगोली भी सजाई गई थी जिसे श्री मोदी ने देखा।
- पूरे परिसर को आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के नवा रायपुर में नवनिर्मित शांति शिखर एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड रिट्रीट सेंटर को समाज के नाम समर्पित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने मेडिटेशन रुम में कुछ समय ध्यान भी लगाया। शांति शिखर के विशाल ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सम्बोधन में अध्यात्म, विश्व शांति, पर्यावरण संरक्षण, संस्कृति और ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़े अपने अनुभवों को साझा किया। मंच पर राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी जयंती दीदी, अतिरिक्त महासचिव राजयोगी डॉ. मृत्युंजय भाई भी मौजूद रहे।

ओम शांति के सम्बोधन के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आपने स्वयं को ही नहीं बल्कि विश्व और ब्रह्मांड को शांति के प्रयासों से जोड़ा है। आपका पहला सम्बोधन ही ओम शांति है। ओम अर्थात् ब्रह्म और संपूर्ण ब्रह्मांड तथा शांति अर्थात् शांति की कामना है। इसलिए ब्रह्माकुमारी के विचारों का हर किसी के अंतर्मन पर बहुत ही गहरा प्रभाव पड़ता है। हमारा अध्यात्म हमें सिर्फ शांति का पाठ ही नहीं सिखाता अपितु वह हमें हर कदम पर शांति की राह भी दिखाता है। विश्व शांति की अवधारणा भारत के मौलिक विचारों का हिस्सा है।

यहां शब्द कम, सेवा ज्यादा है-

मैंने हमेशा अनुभव किया है, ब्रह्माकुमारी संस्थान में शब्द कम और सेवा ज्यादा है। मैं शांति शिखर की संकल्पना में दादी जानकी जी के विचारों को साकार होते हुए देख रहा हूं। राज्य के विकास से देश का विकास के मंत्र पर चलते हुए हम भारत को विकसित बनाने के अभियान में जुटे हैं। विकसित भारत की इस अहम यात्रा में ब्रह्माकुमारीज़ जैसी संस्था की अहम भूमिका है। मैंने इस आध्यात्मिक आंदोलन को वटवृक्ष की तरह विशाल होते देखा है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि हमारे यहां कहा जाता है आचार्य परमोधर्मः, आचार्य परमोतपं, आचार्य परमज्ञानमं, आचार्य किं साध्यते अर्थात आचरण ही सबसे बड़ा धर्म है, आचरण ही सबसे बड़ा तप है और आचरण ही सबसे बड़ा ज्ञान है। आचरण से क्या कुछ सिद्ध नहीं हो सकता है। बदलाव तब होता है जब अपने कथन को करनी में उतारा जाए और यही ब्रह्माकुमारी संस्था की आध्यात्मिक शक्ति का स्त्रोत है। जहां हर बहन पहले कठोर तप और साधना में खुद को तपाती है। समाज को सशक्त करने में ब्रह्माकुमारी जैसी संस्थाओं की अहम भूमिका है।

श्री मोदी ने ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़े अनुभव किए साझा-

ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरा तो सौभाग्य रहा है कि मैं बीते कई दशकों से आप सबके साथ जुड़ा हुआ हूं। मैं यहां अतिथि नहीं हूं मैं आपका ही हूं। इस संस्थान से मेरा अपनापन है। खासकर जानकी दीदी का स्नेह, राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी जी का मार्गदर्शन यह मेरी जीवन की विशेष स्मृतियों का हिस्सा है। मैं बहुत भाग्यवान रहा हूं। वर्ष 2011 में अहमदाबाद में फ्यूचर ऑफ पावर कार्यक्रम हो, वर्ष 2012 में संस्था की स्थापना के 75 वर्ष हो या वर्ष 2013 में प्रयागराज के कार्यक्रम हो, आबू जाना हो या गुजरात में किसी कार्यक्रम में जाना हो यह तो बहुत रुटीन सा हो गया था। दिल्ली आने के बाद भी आजादी के अमृत महोत्सव से जुड़ा अभियान हो, स्वच्छ भारत अभियान या जल जन अभियान इन सबसे जुड़ने का मौका हो, मैं जब भी आपके बीच आया हूं। आपके प्रयासों को बहुत गंभीरता से देखा है।

अध्यात्म पर बोले प्रधानमंत्री- अध्यात्म दिखाता है शांति की राह

श्री मोदी ने अध्यात्म पर कहा कि आत्म संयम से आत्म ज्ञान, आत्म ज्ञान से आत्म साक्षात्कार और आत्म साक्षात्कार से आत्म शांति। इसी पथ पर चलते हुए शांति शिखर एकेडमी में साधक वैश्विक शांति का माध्यम बनेंगे। ग्लोबल पीस के मिशन में जितनी अहमियत विचारों की होती है, उतनी ही बड़ी भूमिका व्यावहारिक नीतियों और प्रयासों की भी होती है। भारत उस दिशा में आज अपनी भूमिका पूरी ईमानदारी के साथ निभाने का प्रयास कर रहा है। पूरी दुनिया में कहीं भी संकट आता है, कोई आपदा आती है तो भारत एक भरोसेमंद साथी के तौर पर मदद के लिए आगे आता है। भारत फर्स्ट रिस्पांडर होता है। विश्व का कल्याण हो, प्राणियों में सद्भाव हो ऐसी उदार सोच के साथ हमारे यहां हर धार्मिक अनुष्ठान होता है। विश्व कल्याण की भावना का आस्था से सहज संगम हमारी सभ्यता, संस्कृति का सहज स्वभाव है। ये भारत की आध्यात्मिक चेतना का प्रकट रूप है। क्योंकि हम वो हैं जो जीव में शिव को देखते हैं। हम स्वयं का विस्तार सर्वस्व तक करते रहते हैं।

प्रकृति के साथ मिलकर जीना सीखना होगा

श्री मोदी ने पर्यावरण संरक्षण का आह्वान करते हुए कहा कि आज पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों के बीच भारत पूरे विश्व में प्रकृति संरक्षण की प्रमुख आवाज बना हुआ है। बहुत आवश्यक है कि प्रकृति ने हमें जो दिया है हम उसका संरक्षण और संवर्धन करें। यह तभी होगा जब हम प्रकृति के साथ मिलकर जीना सीखेंगे। हमारे शास्त्रों और प्रजापिता ने यही सिखाया है- हम नदियों को मां मानते हैं, जल में देवता के दर्शन करते हैं, पौधों में परमात्मा को देखते हैं। इसी भाव से प्रकृति और उसके संसाधनों का उपयोग, प्रकृति में केवल लेने का भाव नहीं, बल्कि उसे लौटाने की सोच, आज यही वे ऑफलाइफदुनिया को सेफ फ्यूचर का भरोसा देता है। भारत अभी से भविष्य के प्रति अपनी इन जिम्मेदारियों को न केवल समझ रहा है, बल्कि उन्हें निभा भी रहा है। वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रीड जैसे भारत के इनीशिएटिव वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर का भारत के विजन के साथ आज दुनिया जुड़ रही है।

अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी जयंती दीदी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ परिवार की ओर से प्रधानमंत्री का हार्दिक अभिनंदन है। परमात्मा आपको उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें ताकि आपके भारत के विश्व गुरु बनाने के संकल्प को सकारात्मक ऊर्जा मिलती रहे और आपके नेतृत्व में देश आगे बढ़ता रहे।

दुनिया के हर देश में ब्रह्माकुमारी के लोग मिले

मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद दुनिया में मैं जहां-जहां गया, एक भी देश ऐसा नहीं होगा जहां एयरपोर्ट हो या कार्यक्रम का स्थान हो मुझे ब्रह्माकुमारीज़ के लोग नहीं मिले हों, उनकी शुभकामनाएं मेरे साथ न रहीं हों। इसमें मुझे अपनेपन का एहसास भी होता है और आपकी शक्ति का भी अंदाजा लगता है। जिन सपनों को लेकर आप चलें हैं वह सपने नहीं है, वह संकल्प होते हैं। आपके संकल्प पूरे हों।

यह ऊर्जा लोगों को शांति प्रयासों से जोड़ेगी

श्री मोदी ने कहा कि आज हमारा छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना के 25 साल पूरे कर रहा है। छत्तीसगढ़ के साथ झारखंड और उत्तराखंड की स्थापना के भी 25 वर्ष पूरे हुए हैं। देश के और भी कई राज्य अपना स्थापना दिवस मना रहे हैं। मैं इन सभी राज्यों के निवासियों को स्थापना दिवस की बहुत-बहुत बधाई देता हूं। आज का दिन बहुत विशेष है। मुझे विश्वास है शांति शिखर जैसे संस्थान भारत के प्रयासों को नई ऊर्जा देंगे। इस संस्थान से निकली ऊर्जा देश-दुनिया के लाखों लोगों को विश्व शांति के इस विचार से जोड़ेंगी।

आदिवासी वीर नायकों को समर्पित है म्यूज़ियम

- पीएम नरेंद्र मोदी ने डिजिटल ट्राइबल संग्रहालय का किया लोकार्पण

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रायपुर पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने देश के पहले डिजिटल ट्राइबल म्यूजियम शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह-जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का लोकार्पण किया। यह भव्य संग्रहालय उन आदिवासी वीर नायकों को समर्पित है, जिन्होंने अंग्रेज़ी हुकूमत के विरुद्ध अपने प्राणों की आहुति दी और छत्तीसगढ़ की अस्मिता की रक्षा की। आदिवासी नायक भगवान बिरसा मुंडा जहां देशभर के आदिवासियों के प्रेरणापुंज हैं, वहीं छत्तीसगढ़ में सोनाखान के ज़मींदार वीर नारायण सिंह ने फिरंगियों के विरुद्ध बिगुल फूंका था। उन्होंने अन्याय और शोषण के खिलाफ संघर्ष करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्हें छत्तीसगढ़ का प्रथम शहीद माना जाता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शहीद वीर नारायण सिंह और अंग्रेज़ों के विरुद्ध संघर्ष करने वाले आदिवासी नायकों की स्मृतियों को सहेजने के उद्देश्य से नवा रायपुर में इस अद्वितीय संग्रहालय की स्थापना का निर्णय लिया।

50 करोड़ की लागत से बना अनूठा डिजिटल संग्रहालय

नवा रायपुर के सेक्टर-24 में लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत से तैयार शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह-जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय देश का पहला डिजिटल संग्रहालय है। इसकी डिज़ाइन, अवधारणा और तकनीकी संरचना आधुनिकतम मानकों पर आधारित है। संग्रहालय में अत्याधुनिक वीएफएक्स टेक्नोलॉजी, प्रोजेक्शन सिस्टम, डिजिटल स्क्रीन और मोबाइल पर क्यूआर कोड स्कैन करने की सुविधा उपलब्ध है, जिससे आगंतुक हर कथा को डिजिटल माध्यम से अनुभव कर सकेंगे। (पीएम मोदी रायपुर दौरा) आदिवासी विद्रोहों की जीवंत कहानी -14 सेक्टरों में सजा इतिहास

संग्रहालय में छत्तीसगढ़ के प्रमुख आदिवासी आंदोलनों हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भोपालपट्टनम, परलकोट, तारापुर, लिंगागिरी, कोई, मेरिया, मुरिया, रानी चौरिस, भूमकाल, सोनाखान विद्रोह, झंडा सत्याग्रह और जंगल सत्याग्रह की जीवंत झलक दिखाई जाएगी। इन ऐतिहासिक विद्रोहों को 14 सेक्टरों में विभाजित कर प्रस्तुत किया गया है, ताकि दर्शक हर संघर्ष और उसकी प्रेरक गाथा को समझ सकें।

संग्रहालय परिसर में शहीद वीर नारायण सिंह का भव्य स्मारक भी बनाया गया है। यह स्मारक न केवल श्रद्धांजलि का स्थल होगा, बल्कि नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनेगा। प्रवेश द्वार पर सरगुजा के कलाकारों द्वारा तैयार की गई सुंदर नक्काशीदार पैनलें लगाई गई हैं। वहीं परिसर में 1400 वर्ष पुराने साल, महुआ और साजा वृक्ष की प्रतिकृतियां स्थापित की गई हैं, जिनकी पत्तियों पर 14 विद्रोहों की डिजिटल कहानियां उकेरी गई हैं।

सुविधाओं से सुसज्जित आधुनिक परिसर

संग्रहालय में सेल्फी प्वाइंट, दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सुविधाएँ, ट्राइबल आर्ट से सजा फर्श, और भगवान बिरसा मुंडा, शहीद गैंदसिंह की मूर्तियां स्थापित की गई हैं। ये सभी तत्व संग्रहालय को एक जीवंत सांस्कृतिक और भावनात्मक अनुभव का केंद्र बनाते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस मनाने की परंपरा की शुरुआत की थी। उन्होंने आदिवासी समाज को मुख्यधारा में लाने के लिए देश का सबसे बड़ा अभियान पीएम जनमन और प्रधानमंत्री धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना प्रारंभ की। इन पहलों के अंतर्गत आदिवासी इलाकों में शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह-जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का लोकार्पण छत्तीसगढ़ की रजत जयंती वर्ष के एक ऐसे क्षण के रूप में दर्ज होगा जो इतिहास, परंपरा और आधुनिकता को एक सूत्र में पिरो देगा।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस: मोदी ने किया 'शांति शिखर' का लोकार्पण

रायपुर /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को नवा रायपुर के सेक्टर-20 में ब्रह्माकुमारी संस्थान के नवनिर्मित 'शांति शिखर रिट्रीट सेंटर - एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी जयंती, अतिरिक्त महासचिव डॉ. राजयोगी बीके मृत्युंजय और रायपुर क्षेत्र की संचालिका बीके सविता सहित कई वरिष्ठ संत उपस्थित थे।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने आध्यात्मिकता को समाज परिवर्तन का माध्यम बताते हुए कहा कि भारत की परंपरा में 'शांति' केवल एक विचार नहीं बल्कि जीवन का संस्कार है। सात वर्षों के अथक प्रयासों से तैयार यह भव्य रिट्रीट सेंटर जोधपुर के गुलाबी पत्थरों से बना है, जो ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा इस शैली में निर्मित विश्व की पहली इमारत है। 'प्रेस टेंसाइल बीम' तकनीक से बने इस भवन को 150 से अधिक ट्रकों में लाए गए पिंक स्टोन से तैयार किया गया है। लगभग दो एकड़ क्षेत्र में फैला यह पांच मंजिला भवन 105 फीट ऊंचा, 150 फीट चौड़ा और 225 फीट लंबा है। राजस्थानी स्थापत्य शैली में निर्मित इस केंद्र में 2000 लोगों की क्षमता वाला वातानुकूलित ऑडिटोरियम, सेमिनार हॉल, मेडिटेशन रूम, अतिथि गृह, डायनिंग हॉल और वीडियो थिएटर जैसी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं।

संस्थान के सदस्यों ने 'शांति शिखर' के निर्माण में विशेष भूमिका निभाई। वर्ष 2018 से जुड़े 11 हजार से अधिक सदस्यों ने प्रतिदिन न्यूनतम एक रुपये का दान देकर इसे साकार किया। निर्माण कार्य की नींव तत्कालीन क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी बीके कमला के मार्गदर्शन में रखी गई थी, जबकि इंदौर जोन के पूर्व निदेशक राजयोगी ओम प्रकाश भाई के संकल्प ने इसे साकार रूप दिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com